सुविचार
योग: कर्मसु कौशलम्।
-भगवान श्रीकृष्ण

Daily
सच के हक में...
# THE PHOTON NEWS
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 22 June 2025 ● Year : 03 ● Issue : 157 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com


Sonam Kapoor Anand Ahuja...
12

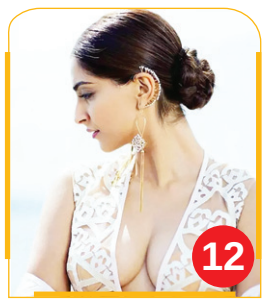

## नौकरशाही


डॉ. ब्रजेश मिश्र

पड़ोसी राज्य बिहार में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर जुबानी हमले का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। नया मुद्दा आयोगों में हुए नये नामों के चयन को लेकर बना हुआ है। ऐसे में यह सवाल है कि क्या जो वहां हो रहा है, वह यहां नहीं हो रहा। सवालों के घेरे में नौकरशाही का एक बड़ा तबका है। जानें क्या कुछ चल रहा है अंदरखाने, द फोटोन न्यूज के एग्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

# ससुर जी का कोटा



गुरु गहरे चिंतन में थे। बरामदे में श्रोताओं की अच्छी-खासी भीड़ थी। माहौल देखकर लगा कि माजरा गंभीर है। कुर्सी खींचकर चुपचाप अगली पंक्ति में बैठ गया। इतने में गुरु बोले- यार! ये सब तो चलता ही रहता है। जो कहानी पड़ोसी की है, वही कहानी घर की है। बस अंतर इतना ही है कि वहां लोगों को समझ आ रही, यहां नहीं आ रही। गुरु के जवाब से साफ था कि सवाल पहले किया जा चुका था। गुरु जवाब पर मंथन की मुद्रा में थे। उत्तर सुनकर सवाल करने वाले श्रोता से कहा- सही कह रहे गुरु। सब एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। बात समझने के लिए बीचोंबीच कूदना जरूरी था, लेकिन सामने गुरु थे। भड़कने का जोखिम उठाने की हिम्मत नहीं थी। लिहाजा बात सहमति के स्वर में शुरू की। प्रश्नकर्ता की बात पूरी होने के बाद माहौल में फैली शांति का लाभ उठाते हुए कहा- गुरु हमेशा सही कहते हैं। बात जरूर कुछ लोगों को बुरी लग जाती है।

वाक्य की पूर्णता के साथ गुरु सहित आस-पास बैठे लोगों के चेहरे पर हल्की मुस्कान आ गई। देखकर अहसास हुआ एंट्री परफेक्ट हुई है। प्रकरण तक पहुंचने के लिए बात आगे बढ़ानी थी। लिहाजा, सहजता से सवाल किया। कोई नया कारनामा हुआ है क्या गुरु मुहल्ले में?

गुरु अपनी मुस्कान समेटते हुए बोले, अरे नहीं, छोटकन कह रहा था कि पड़ोसी राज्य के आयोग गठन में ससुर का कोटा चला है। इसे यही समझाने की कोशिश कर रहा हूं कि ये कोटा तो हमेशा से चलता है। इस कोटे के चक्कर में देश में सरकार बदल गई। बिहार में बवाल मचा है। कहानी तो वनांचल में भी यही है। अंदरखाने चर्चा है कि नौकरशाही के कई सूरमा इसी कोटे से सेट हुए हैं। कौन कितना काबिल है? इससे पहले, यह जानना जरूरी है कि किसका कौन ससुर है। पिछले कुछ वर्षों तक बेटे-बेटी को सेट कराने की जिम्मेदारी मां-बाप उठाते रहे हैं। बदलते वक्त के साथ अब यह जिम्मा सास-ससुर ने उठा लिया है। कई लोग तो यह दावा कर रहे हैं कि ससुर जी का परफार्मेंस पापाजी से भी शानदार है। एक तो कागज पर नाम के साथ नाम नहीं आता, दूसरे पैरवी भी बिल्कुल बेटे जैसी होती है। जनता बेचारी यही समझती है कि साहब बड़ी मेहनत से कुर्सी तक पहुंचे हैं। असली खेल पर्दे के पीछे होता है, जिस पर हमेशा पर्दा ही पड़ा रहता है। वनांचल राज्य में एक फायदा और है। यहां राजनीति बड़ी मर्यादित है। केवल वहीं बोलती है, जहां बात सीधे-सीधे हो। कागज-पत्तर निकालकर समीकरण बिठाने की फुर्सत किसी को नहीं। गुरु की बात मस्तिष्क को झकझोर रही थी। अब सभा के बीच से चुपचाप निकल जाने में भलाई थी।

## झारखंडवासियों के इलाज में अब पैसा नहीं बनेगा बाधा : हेमंत सोरेन

**RANCHI :** सीएम हेमंत सोरेन ने कहा है कि अबुआ सरकार में झारखंडवासियों के इलाज में अब पैसा बाधा नहीं बनेगा। हर पात्र परिवार को इलाज के लिए 15 लाख तक का वार्षिक स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलेगा। सीएम ने अपने संदेश में कहा है कि राज्य के सभी लाल, पीला और हरा राशन कार्डधारी इस योजना के अंतर्गत शामिल हैं। राज्य सरकार ने अपने दूसरे संदेश में कहा है कि नशाखोरी एक सामाजिक अभिशाप है, जो व्यक्ति को हिंसक, परिवार की आर्थिक स्थिति को बर्बाद, शरीर को बीमारियों से ग्रसित और अंत में जीवन को अंधकार में धकेल देती है। इसलिए नशे से दूरी बनाएं और अपने परिवार, समाज और भविष्य को सुरक्षित करें।



## बड़ा सवाल : अनुभवी अधिकारियों के रहते बड़े महकमे का जिम्मा युवा के हाथ क्यों

# जवाब : नैंसी को हजारीबाग में बेहतर काम का मिला इनाम

प्रसंगवश


पदभार ग्रहण करतीं नैंसी सहाय।

- कुशल प्रबंधन से किया करिश्मा, कलक्टर नहीं, बेटी बनकर चलाया जिला
- वरिष्ठ पत्रकार ने कहा, अच्छा लगता है, जिसे गोद में खेलाया, वह डीसी बन गई

**DR. BRAJESH MISHRA @ RNC :** झारखंड सरकार की ओर से हाल में किए गए बड़े प्रशासनिक फेरबदल में 2014 बैच की आईएएस नैंसी सहाय को निदेशक नगरीय प्रशासन, नगर विकास एवं आवास विभाग का दायित्व दिया गया है। प्रशासनिक गलियारे में इस की बात चर्चा बड़े जोर-शोर से है कि आखिर अनुभवी अधिकारियों की लंबी-चौड़ी लिस्ट के बीच युवा अधिकारी का चुनाव क्यों किया गया? राज्य की कार्यपालिका की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने वाले वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र की मानें तो सरकार ने नैंसी सहाय को हजारीबाग में बतौर उपायुक्त किए गए बेहतर कार्यों का इनाम दिया है। नैंसी सहाय के नेतृत्व में हजारीबाग में रामनवमी का जुलूस साल-दर-साल सकुशल संपन्न हुआ। बतौर उपायुक्त समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर बिना किसी टकराव के उन्होंने विधि-व्यवस्था बनाए रखी। कई बार कुछ शरारती तत्वों ने माहौल बिगाड़ने की साजिश की, लेकिन समय रहते इस पर प्रभावी नियंत्रण कर लिया। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के समय भी सत्ता पक्ष अथवा विपक्ष ने कहीं से प्रशासनिक क्रिया-कलाप पर कोई सवाल नहीं उठाया। इन सबके साथ ही स्कूली शिक्षा में जिला लगातार बेहतर होता गया। यही कारण रहा कि सरकार ने बिना किसी व्यवधान के उपायुक्त के तौर पर एक जिले में उन्हें पर्याप्त अवसर दिया। नैंसी सहाय हजारीबाग से पहले दो बार अलग-अलग अवधि के लिए देवघर की उपायुक्त बनी थीं। हालांकि, वहां उनका कार्यकाल अपेक्षाकृत छोटा रहा था, लेकिन यह कमी हजारीबाग में पूरी हो गई। ऐसा इसलिए संभव हो सका कि नैंसी ने कलक्टर बनकर नहीं, बेटी बनकर जिला चलाया। सरकार को यह कार्यप्रणाली पसंद आई।

### कठिन परिश्रम से हासिल की सफलता

वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र बताते हैं कि वह नैंसी सहाय के परिवार को बेहद करीब से जानते हैं। यह परिवार उनका पड़ोसी रहा है। बचपन में नैंसी सहाय उनकी गोद में खेली हैं। अच्छा लगता है, जिस बेटी को गोद में उठाया, वह डीसी बनकर अपने कुशल प्रबंधन से अपना नाम रोशन करे। उन्होंने बताया कि साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर नैंसी ने असाधारण उपलब्धियां प्राप्त की। कठिन परिश्रम की बदौलत यूपीएससी की परीक्षा में सफलता हासिल की। नैंसी सहाय की प्रारंभिक शिक्षा रांची के लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल से हुई है। उसके बाद उन्होंने बीआईटी मेसरा से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। तकनीकी पृष्ठभूमि से होने के बावजूद उन्होंने प्रशासनिक सेवा को अपना लक्ष्य बनाया और अपने दृढ़ निश्चय के साथ सफलता भी प्राप्त की। नैंसी के माता-पिता शिक्षा और पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं। पति वरुण रंजन राज्य के तेज-तर्रार आईएएस हैं। वह साहिबगंज, पाकुड़, धनबाद, रांची जैसे बड़े जिलों के उपायुक्त रह चुके हैं। हालिया पदस्थापना में उन्हें भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है।

**नैंसी को मिलेगा कार्य करने का बेहतर अवसर :** विशेषज्ञों की मानें तो नैंसी के पास बतौर डायरेक्टर नगर विकास विभाग में बेहतर कार्य करने का मौका होगा। उनकी मौजूदा कार्यप्रणाली उन्हें भविष्य में और नई जिम्मेदारियों के लिए तैयार करेगी।

| SARAFA | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 9,415 |
| चांदी | : | 120.00 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

## BRIEF NEWS

### हेमंत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर दी बधाई

**RANCHI :** शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। सोरेन ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि प्रकृति के साथ एकात्मता, संयम और सहजता, यही हमारी संस्कृति है और यही योग का वास्तविक स्वरूप भी है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

### ईडी के उप-निदेशक की वापस कर दी गई सेवा

**RANCHI :** केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) रांची में पदस्थापित उप-निदेशक ऋषिकेश पांडेय की सेवा उनके पैतृक विभाग में वापस कर दी है। उनका पैतृक विभाग आयकर है। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय में चार साल तक अपनी सेवा दी। रांची स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में वह दो साल से अधिक समय तक पदस्थापित रहे। इस अवधि में उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों की समीक्षा की। साथ ही जांच पूरा होने के बाद उनके दिशा-निर्देश के आलोक में पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश की अदालत में आरोप पत्र दायर किया गया।

### नकली नोट छापने की फैक्ट्री का हुआ खुलासा

**JABALPUR :** पुलिस ने करीब 18 लाख रुपये के नकली नोट खपाने की साजिश रच रहे गिरोह का खुलासा किया है। इस गिरोह का मास्टरमाइंड ऋतुराज विश्वकर्मा किराए के मकान में ही नकली नोटों की छपाई का कारखाना चला रहा था। पुलिस ने मामले में अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक फरार है। गिरोह पूरे मध्य प्रदेश में जाली नोट खपाने की तैयारी में था, जिसमें उन्हें भारी कमीशन के बदले नकली नोट असली नोटों में बदलवाने का नेटवर्क खड़ा करना था। दरअसल, हनुमानताल पुलिस ने को मुखबिर की सूचना पर सबसे पहले रवि दाहिया (55) को मदार टेकरी के पास से गिरफ्तार किया था। उसके पास से 2 लाख 94 हजार रुपए के 500-500 रुपए के नकली नोट बरामद हुए थे। पूछताछ में रवि ने बताया कि ये नोट उसे आधारताल निवासी ऋतुराज विश्वकर्मा से मिले थे।

## पीएम मोदी ने करीब 3 लाख लोगों के साथ किया योग, बोले

# योग सभी का और सभी के लिए

**NEW DELHI @ PTI :** शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम में योग दिवस कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने यहां करीब तीन लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिकों के साथ साथ योग किया। पीएम के साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने भी योग किया। समारोह में पीएम मोदी ने योग के माध्यम वैश्विक शांति और सद्भावना कायम करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय योग की महिमा पृथ्वी के हर कोने तक पहुंच गई है। योग की शक्ति मानवता के वास्ते स्वास्थ्य और शांति का प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने कहा कि चाहे सिडनी ओपेरा हाउस की सीढ़ियां हों, एवरेस्ट की चोटियां हों या समुद्र का विस्तार। हर जगह संदेश एक ही है - योग सभी का है और सभी के लिए है। यह आत्मा की ध्वनि का संचार है। योग की वैश्विक स्वीकृति सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह मानव कल्याण के लिए एक संयुक्त प्रयास है। इंडियन काउंसिल फॉर कल्चर रिलेशन्स के मुताबिक, 191 देशों में 1300 जगहों पर 2000 से ज्यादा योग कार्यक्रम हुए।

### आज 11वीं बार पूरा विश्व 21 जून को एक साथ कर रहा योग : प्रधानमंत्री

- तनाव के वातावरण में वैश्विक शांति और सद्भावना कायम करने पर दिया जोर
- मानवता के वास्ते शांति और प्रसन्नता का आधार बनकर उभरी है योग की शक्ति
- आइए, हम सब मिलकर बनाएं एक जन आंदोलन, ताकि एक सूत्र में पिरोने का माध्यम बने योग
- योग की वैश्विक स्वीकृति सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि मानव कल्याण के लिए एक संयुक्त प्रयास

> इंडियन काउंसिल फॉर कल्चर रिलेशन्स के मुताबिक, 191 देशों में 1300 जगहों पर 2000 से ज्यादा हुए योग कार्यक्रम
>
> उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित पुलिस लाइन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया योग
>
> भारतीय सेना ने चीन से लगती सीमा पर मनाया 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस





#### बढ़ता मोटापा चुनौती

प्रधानमंत्री ने कहा कि बढ़ता मोटापा पूरी दुनिया के लिए एक चुनौती है। मैंने मन की बात कार्यक्रम में इस पर विस्तार से चर्चा की थी। इसके लिए अपने खाने में 10 प्रतिशत तेल कम करने का चैलेंज भी शुरू किया था। मैं एक बार फिर दुनियाभर के लोगों को इस चैलेंज से जुड़ने का आह्वान करता हूं।

#### हमारे साथ खड़े हुए 175 देश

पीएम ने कहा, मैं बीते एक दशक में योग की यात्रा को जब देखता हूं, तो बहुत कुछ याद आता है। वो दिन जब संयुक्त राष्ट्र में भारत ने प्रस्ताव रखा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रुप में मान्यता मिले और तब कम से कम समय में दुनिया के 175 देश हमारे इस प्रस्ताव के साथ खड़े हुए। आज की दुनिया में ऐसी एकजुटता, ऐसा समर्थन सामान्य घटना नहीं है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय है 'एक पृथ्वी के लिए योग, एक स्वास्थ्य के लिए योग'।

## 26 जून तक राज्य के कई जिलों में होगी बारिश

# 3 दिनों के बाद साफ हुआ मौसम आम जन-जीवन को मिली राहत

**PHOTON NEWS RANCHI :** शनिवार को झारखंड के विभिन्न जिलों में मौसम साफ होने से आम जनजीवन को राहत मिली। राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में शनिवार की सुबह से मौसम आंशिक रूप से साफ हुआ। बाद में बादल हटने से हल्की धूप भी निकली। इधर, मौसम विभाग के अनुसार 26 जून तक राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। वहीं कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की भी आशंका है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश रांची के मंदार में 210.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इस दौरान सबसे अधिक अधिकतम तापमान डालटेनगंज में 29.6 डिग्री, और लातेहार में 21.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

## सर्विस राइफल से चली गोली, जवान की मौत

**HAZARIBAGH :** शनिवार को हजारीबाग के कटकमदाग थाना क्षेत्र के बानादाग साइडिंग में एक हादसे में स्टेट इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (एसआईएसफ) के जवान मिथलेश यादव की मौत हो गई। मिथलेश यादव झारखंड के गढ़वा जिले के रहने वाले थे। एसआईएसफ के डिप्टी एसपी साजिद ने बताया कि मिथलेश यादव ड्यूटी पर तैनात थे। वे पैर फिसलने से गिर पड़े और इस दौरान उनकी सर्विस राइफल से अचानक गोली चल गई। गोली उन्हीं को लगी, जिससे मौके पर ही मिथलेश की मृत्यु हो गई। मृतक के बड़े भाई अमरेश कुमार यादव भी इसी कंपनी में कार्यरत हैं और वर्तमान में बड़कागांव में तैनात हैं। उन्हें बताया गया कि बारिश के कारण फिसलने से मिथलेश गिरे और गोली चलने से उनकी जान चली गई।

## सीजीएल पेपर लीक : कई आरोपी सरकारी सेवा में, इसलिए अभियोजन की स्वीकृति जरूरी

# आरोपियों के खिलाफ चलेगा केस, मांगी गई मंजूरी

**PHOTON NEWS RANCHI :** क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने जेएसएससी सीजीएल परीक्षा पेपर लीक (साल 2024) मामले में लगभग आधा दर्जन से ज्यादा आरोपियों के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी मांगी है। केस के जांच अधिकारी (केस आईओ) ने कोर्ट को यह जानकारी दी है कि कई आरोपी सरकारी सेवा में हैं, इसलिए उनके विरुद्ध केस चलाने के लिए अभियोजन स्वीकृति ली जा रही है। अभियोजन स्वीकृति मिलने के बाद कोर्ट सीआईडी की चार्जशीट पर संज्ञान ले सकता है।

### स्वीकृति मिलने के बाद जांच एजेंसी की चार्जशीट पर कोर्ट ले सकता है संज्ञान

- पिछले वर्ष 21 और 22 सितंबर को राज्य के सभी जिलो में तीन पालियों में हुई थी परीक्षा
- धोखाधड़ी और दिग्भ्रमित करके प्रश्नपत्र देने के नाम पर धन उगाही का मामला आया था सामने

### सीआईडी ने दाखिल की है दो चार्जशीट, सबूत भी किए पेश

गौरतलब है कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा पेपर लीक केस में सीआईडी ने दो चार्जशीट दाखिल की है। पहली चार्जशीट सीआईडी ने अपनी जांच पूरी करते हुए गौरव कुमार और अभिलाष कुमार के विरुद्ध दाखिल कर दी है। दूसरी चार्जशीट में संदीप त्रिपाठी, मनोज कुमार, आईआरबी के निलंबित जवान कुंदन कुमार, कुंदन कुमार के साथ मिलकर एजेंट का काम करने वाले रामनिवास राय, रामनिवास के भाई निवास राय, रामनिवास के भतीजे कविराज उर्फ मोटू, रॉबिन कुमार, अखिलेश कुमार, विवेक रंजन, कौशलेंद्र उर्फ राहुल कुमार और कृष्णा स्नेही के नाम शामिल हैं। सीआईडी ने सभी आरोपियों के खिलाफ वैज्ञानिक साक्ष्य और अन्य सबूत भी कोर्ट में पेश किए हैं।

## समस्या : पढ़े-लिखे बेरोजगारों की संख्या का बढ़ना चिंता का बड़ा सबब

# एआई और मशीन लर्निंग क्षेत्र में बढ़ रहे रोजगार के अवसर

**PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :** बेशक आज के समय में देश में बेरोजगारी प्रमुख समस्याओं में शामिल है। पढ़े-लिखे बेरोजगारों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हम जानते हैं कि भारत में आज भी सबसे बड़ा रोजगार क्षेत्र कृषि और संबद्ध गतिविधियां हैं। लगभग 51 प्रतिशत आबादी कृषि क्षेत्र में किसी न किसी रूप में कार्यरत है। कृषि क्षेत्र को प्राथमिक क्षेत्र में शामिल किया गया है और यह भारत में सबसे अधिक रोजगार प्रदान करता है। इससे इतर हाल में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में 25 प्रतिशत नौकरियां बढ़ने की बात कही गई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी ( सीएमआईई) की हाल में जारी रिपोर्ट के अनुसार, शहरी बेरोजगारी दर में कमी आई है, जो फरवरी में 7.93 प्रतिशत हो गई, जबकि पिछले महीने यह 8.55 प्रतिशत थी। इसके विपरीत, ग्रामीण बेरोजगारी दर 6.48 प्रतिशत से बढ़कर 7.23 प्रतिशत हो गई। भारत की समग्र बेरोजगारी दर में भी वृद्धि देखी गई, जो जनवरी में 7.14 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी में 7.45 प्रतिशत हो गई।

### सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपेक्षा के अनुरूप युवाओं को नहीं मिल रही नौकरी

### सीएमआईई की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, शहरी बेरोजगारी दर में आई कमी

- आज भी 51% आबादी कृषि क्षेत्र में किसी न किसी रूप में है कार्यरत
- रोजगार की दृष्टि से कृषि को प्राथमिक क्षेत्र में किया गया है शामिल
- खुदरा, दूरसंचार, बैंकिंग व फाइनेंस क्षेत्र की नियुक्तियों में 8-9 फीसद की आई गिरावट



पीएलएफएस के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 के 5.1% से बढ़कर मई में 5.6% हो गई बेरोजगारी दर

#### हरित क्षेत्र में 2028 तक 73 लाख रोजगार होंगे सृजित

एनएलबी सर्विसेज के अनुसार, भारत के हरित क्षेत्र में 2027-28 तक 72.9 लाख नौकरियां जुड़ने की उम्मीद है। इसमें हरित तकनीक क्षमताओं के निर्माण में तेजी से निवेश हो रहा है। नए रोजगार का अधिकांश हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा, कचरा प्रबंधन, ई-वाहन, टिकाऊ वस्त्र और हरित निर्माण जैसे उद्योगों से आएगा।

#### हैदराबाद और कोच्चि में नौकरियां बढ़ीं

पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की बेरोजगारी दर अप्रैल 2025 के 5.1 प्रतिशत से बढ़कर मई में 5.6 प्रतिशत हो गई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) क्षेत्र में सालाना आधार पर भर्तियों में 25 फीसदी की तेजी आई है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र (आईटी) में नौकरियां सालाना आधार पर पांच फीसद घटी हैं।? नौकरी जॉबस्पीक की रिपोर्ट के अनुसार, महानगरों में एआई/एमएल में भर्ती की रफ्तार बनी रही। वरिष्ठ पेशेवरों की मांग भी स्थिर रही। यह रुझान पिछले एक साल से स्थिर है। मई 2025 में समग्र भर्ती स्थिर रही। हालांकि रियल एस्टेट (5 फीसदी) और बीमा (6 फीसदी) जैसे उद्योग में ठीक-ठाक तेजी रही।

## केदारनाथ हेली सेवा 7वें दिन भी ठप, बिना दर्शन किए वापस लौटे श्रद्धालु

**RUDRAPRAYAG :** गुप्तकाशी, फाटा और शेरसी से सातवें दिन भी केदारनाथ के लिए हेलीकॉप्टर सेवा संचालित नहीं हो सकी। इससे बाबा केदारनाथ के दर्शन की आकांक्षा लेकर पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालु बिना दर्शन किए ही लौटने को मजबूर हो गए। केदारनाथ हेलीकॉप्टर सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर ने उड़ान नहीं भरी। उन्होंने बताया कि रविवार को सभी हेली कंपनियों के वापस लौटने की संभावना है। शनिवार को सुबह से ही केदारनाथ सहित केदारघाटी में हल्का कोहरा छाया रहा, जिस कारण गुप्तकाशी से ट्रांस भारत, फाटा व शेरसी से पवन हंस, ग्लोबल वेक्ट्रा, हिमालयन हेली और एरो हेली कंपनी के हेलिकॉप्टर ने उड़ान नहीं भरी। इस दौरान इन कंपनियों के पास कुल 658 टिकट बुक थीं, जिन्हें रद्द कर दिया गया।

## डीजीसीए ने एयरलाइन से 10 दिन में मांगी रिपोर्ट

# विमान हादसा : एयर इंडिया के 3 अफसरों को हटाने का आदेश

**AGENCY AHMEDABAD :** शनिवार को अहमदाबाद हादसे के बाद डीजीसीए ने एयर इंडिया को 3 अफसरों को हटाने का आदेश दिया। इनमें डिविजिनल वाइस प्रेसिडेंट चूड़ा सिंह, क्रू शेड्यूलिंग करने वाली चीफ मैनेजर पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग की प्लॉनिंग से जुड़ी पायल अरोड़ा शामिल हैं। तीनों अफसरों के खिलाफ यह कार्रवाई एविएशन सेफ्टी प्रोटोकॉल के गंभीर उल्लंघन को लेकर की गई। डीजीसीए ने एयर इंडिया को तत्काल प्रभाव से इन्हें क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से जुड़े रोल से हटाने का आदेश दिया। उधर, एयर इंडिया ने कहा कि डीजीसीए के आदेश को लागू कर दिया गया है। कंपनी के चीफ ऑपरेशन्स ऑफिसर अगले आदेश तक इंट्रीग्रेटेड ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर की सीधी निगरानी करेंगे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आदेश 20 जून को दिया गया था, जो आज सामने आया। यह फैसला 12 जून को हुए प्लेन क्रैश हादसे के बाद लिया गया।

- एविएशन सेफ्टी प्रोटोकॉल के गंभीर उल्लंघन को लेकर की गई कार्रवाई

# उत्तराखंड की गोद में छोटा-सा स्वर्ग 'बिनसर'

**घुमक्कड़ की पाती**

**हमने अपनी तीन दिन की यात्रा की शुरूआत दिल्ली से तड़के सुबह 5 बजे की। कुल दूरी लगभग 380 किलोमीटर है, जिसे तय करने में 10-11 घंटे लगते हैं। हमने गाड़ी से जाना तय किया था, ताकि रास्ते में मनचाही जगह रुक सकें। रास्ते में गाज़ियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद होते हुए रामनगर तक पहुँचे। रामनगर के पास से जंगलों की हरियाली शुरू हो जाती है और वातावरण में एक नई ताजगी महसूस होती है। हमने हल्द्वानी में दोपहर का भोजन किया, गरमागरम आलू के पराठे और दही, जो पहाड़ की सादगी से मेल खाते थे। हल्द्वानी से आगे बढ़ते ही पहाड़ी रास्ते शुरू हो गए। रास्ता घुमावदार था, लेकिन प्रकृति के नजारे इतने लुभावने कि थकान महसूस नहीं हुई। अल्मोड़ा के पास पहुँचते-पहुँचते शाम हो चुकी थी। अल्मोड़ा से बिनसर करीब 30 किलोमीटर दूर है, लेकिन यह रास्ता जंगलों से होकर गुजरता है और सूरज ढलने के बाद हल्की धुंध और ठंड बढ़ जाती है। रात लगभग 7 बजे, हम बिनसर के एक सुंदर होमस्टे 'हिमालय विस्टा रिट्रीट' पहुँचे। लकड़ी से बना वह कॉटेज वातावरण से पूरी तरह मेल खाता था। होमस्टे के मालिक ने गर्म अदरक वाली चाय और स्थानीय मडुवे की रोटी के साथ पालक का साग परोसा, बेहद स्वादिष्ट और आत्मीय।**

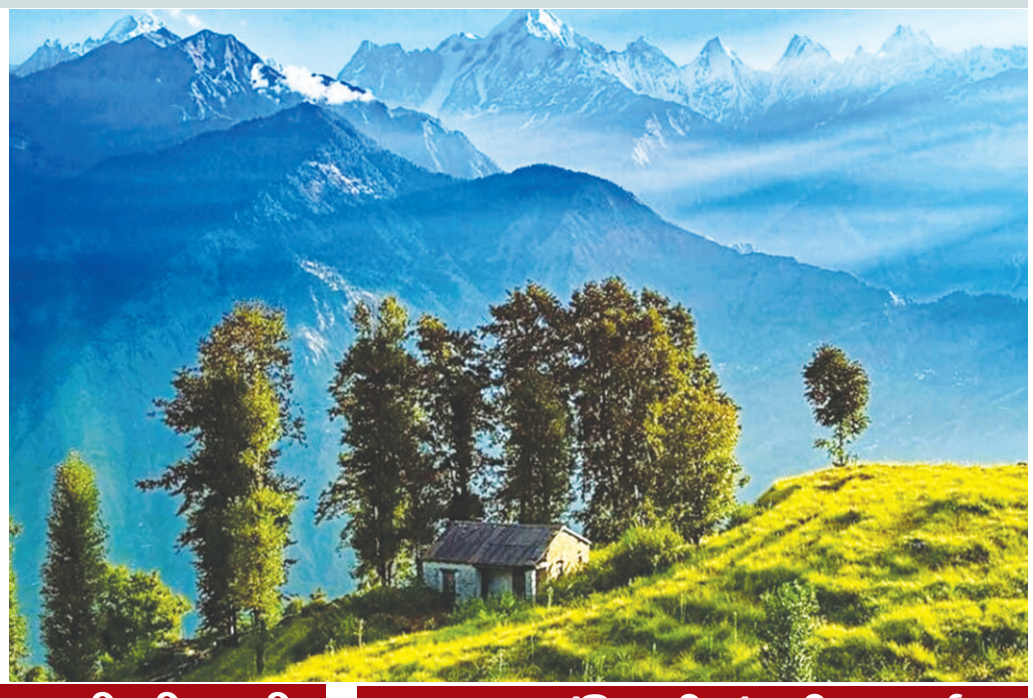

यह स्थान हिमालय की गोद में, समुद्र तल से लगभग 2,420 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। शांति, प्रकृति और हिमालय के विराट दर्शन की चाह रखने वालों के लिए बिनसर एक आदर्श स्थान है। बिनसर का प्रमुख आकर्षण है, इसका वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी, जहाँ तरह-तरह के पक्षी, जानवर और वनस्पति देखने को मिलते हैं। यहां से त्रिशूल, नंदा देवी, पंचचूली जैसे हिमालयी शिखरों का अद्भुत नजारा दिखता है। ह्यजीरो प्वाइंटह्न नामक स्थान से आप हिमालय की 300 किलोमीटर चौड़ी पर्वतमाला का विहंगम दृश्य देख सकते हैं। इसके अतिरिक्त बिनसर की हवाओं में एक ठंडक और शांति है, जो शहरी जीवन के शोरगुल से दूर आत्मा को गहराई से छू जाती है।

हमने अपनी तीन दिन की यात्रा की शुरूआत दिल्ली से तड़के सुबह 5 बजे की। कुल दूरी लगभग 380 किलोमीटर है, जिसे तय करने में 10-11 घंटे लगते हैं। हमने गाड़ी से जाना तय किया था, ताकि रास्ते में मनचाही जगह रुक सकें। रास्ते में गाज़ियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद होते हुए रामनगर तक पहुँचे। रामनगर के पास से जंगलों की हरियाली शुरू हो जाती है और वातावरण में एक नई ताजगी महसूस होती है। हमने हल्द्वानी में दोपहर का भोजन किया, गरमागरम आलू के पराठे और दही, जो पहाड़ की सादगी से मेल खाते थे।

हल्द्वानी से आगे बढ़ते ही पहाड़ी रास्ते शुरू हो गए। रास्ता घुमावदार था, लेकिन प्रकृति के नजारे इतने लुभावने कि थकान महसूस नहीं हुई। अल्मोड़ा के पास पहुँचते-पहुँचते शाम हो चुकी थी। अल्मोड़ा से बिनसर करीब 30 किलोमीटर दूर है, लेकिन यह रास्ता जंगलों से होकर गुजरता है और सूरज ढलने के बाद हल्की धुंध और ठंड बढ़ जाती है। रात लगभग 7 बजे, हम बिनसर के एक सुंदर होमस्टे 'हिमालय विस्टा रिट्रीट' पहुँचे। लकड़ी से बना वह कॉटेज वातावरण से पूरी तरह मेल खाता था। होमस्टे के मालिक ने गर्म अदरक वाली चाय और स्थानीय मडुवे की रोटी के साथ पालक का साग परोसा, बेहद स्वादिष्ट और आत्मीय।

रात को आकाश तारों से भरा हुआ था। शहर में इतने सितारे एक साथ देखना असंभव है। यही तो खास बात है बिनसर की, शुद्ध हवा, सन्नाटा और तारों भरा आकाश। सुबह की चाय के साथ पक्षियों की चहचहाहट ने नींद को अलविदा कहा। आज हमारा दिन बिनसर की वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी और 'जीरो प्वाइंट' को समर्पित था। सैंक्चुअरी में प्रवेश करने के लिए पर्यटक शुल्क देना होता है, लेकिन निजी वाहन कुछ दूरी तक ही ले जा सकते हैं। हम लगभग 3 किलोमीटर की ट्रेकिंग करते हुए घने जंगलों के बीच जीरो प्वॉइंट तक पहुँचे। रास्ते में कस्तूरी मृग, बार्किंग डियर, रेड फॉक्स और कई प्रकार के पक्षियों की झलक मिली।

यदि आप भी जाना चाहते हैं तो आपको बता दूं कि यह एक शांत, हरा-भरा और खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो विशेष रूप से बिनसर वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ ठहरने के लिए कई आरामदायक विकल्प मौजूद हैं, जो हर बजट के यात्रियों के लिए उपयुक्त हैं। बिनसर में आपको ईको-फ्रेंडली रिजॉर्ट्स, गेस्ट हाउस, और होमस्टे आसानी से मिल जाते हैं। **KMVN** (कुमाऊँ मंडल विकास निगम) का टूरिस्ट रेस्ट हाउस यहाँ का लोकप्रिय और बजट-अनुकूल विकल्प है। इसके अलावा **GRAND OAK MANOR, BINSAR FOREST RETREAT,** और **THE KUMAON** जैसे लक्जरी रिसॉर्ट्स भी हैं, जो प्रकृति के बीच शानदार अनुभव देते हैं। बिनसर एक छोटा इलाका है, इसलिए यहां बहुत अधिक रेस्तरां नहीं हैं। अधिकतर रिसॉर्ट्स और होमस्टे में ही भोजन की व्यवस्था होती है, जहाँ आपको स्थानीय कुमाऊंनी भोजन के साथ-साथ उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय और कॉन्टिनेंटल खाना भी मिल जाता है। कुछ जगहों पर ऑर्गेनिक फूड भी परोसा जाता है। बिनसर में ठहरने और खाने का अनुभव आपको सादगी, स्वाद और प्राकृतिक शांति का अनूठा संगम देता है। दोपहर के भोजन के बाद हमने वापसी की राह पकड़ी। लौटते समय भी रास्ते में प्रकृति की सुंदरता हमारा साथ देती रही, मानो बिनसर हमें फिर आने का न्योता दे रहा हो। रात करीब 9 बजे हम दिल्ली पहुँचे -थके हुए लेकिन मन और आत्मा से पूर्ण रूप से ताजगी से भरे। बिनसर की यह तीन दिन की यात्रा केवल एक पर्यटन नहीं थी, यह प्रकृति के साथ एक आत्मिक संवाद था। यहाँ की शांति, हरियाली, स्वच्छ वायुमंडल और हिमालय का दर्शन मन को गहराई तक सुकून देते हैं। अगर आप शहरी जीवन की आपाधापी से दूर कुछ सुकून भरे पल जीना चाहते हैं, तो बिनसर अवश्य जाएँ। यह जगह आपको न केवल बाहरी, बल्कि भीतरी शांति भी देगी।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

## भट्ट की चुरकानी-रसभरी की चटनी

जीरो प्वॉइंट पर पहुँचते ही जो दृश्य दिखा, वह अविस्मरणीय था। सामने नंदा देवी, त्रिशूल और पंचचूली की हिमाच्छादित चोटियाँ, जिन पर सूरज की किरणें सुनहरी चादर बिछा रही थीं। वहां खड़े होकर कुछ पल सांस रोक कर केवल प्रकृति को महसूस किया। दोपहर बाद हम वापस लौटे और सैंक्चुअरी के किनारे बने ह्याकुमाऊँ कैफेह्न में -भट्ट की चुरकानी, आलू के गुटके और रसभरी की चटनी खाई -एकदम स्थानीय स्वाद, अनोखा और मन को छू लेने वाला। शाम को हमने गाँव में टहलते हुए स्थानीय लोगों से बातचीत की। वहाँ के लोग सीधे, आत्मीय और बेहद मिलनसार थे। उन्होंने हमें बिनसर के पुराने मंदिरों के बारे में बताया, जैसे बिनसर महादेव मंदिर, जो बिनसर से थोड़ी दूरी पर है। रात को हमने अलाव के चारों ओर बैठकर कुछ स्थानीय लोकगीत भी सुने, जो होमस्टे के स्टाफ ने गाए। यह अनुभव यात्रा को आत्मीयता से भर देता है।

## कसार मंदिर की चुंबकीय ऊर्जा

तीसरे दिन सुबह हमने बिनसर को अलविदा कहने से पहले एक बार फिर बालकनी से हिमालय की ओर देखा। ऐसा लगा मानो पर्वत भी हमें विदा कर रहे हों। हमने तय किया कि वापसी से पहले अल्मोड़ा शहर का संक्षिप्त भ्रमण किया जाए। वहाँ के प्रसिद्ध चौघानपाटा बाजार में कुछ स्थानीय ऊनी वस्त्र और हर्बल चाय खरीदी। इसके बाद कसार देवी मंदिर गए, जो एक ऊँचाई पर स्थित शांत और दिव्य स्थान है। माना जाता है कि यहाँ की चुंबकीय ऊर्जा नासा द्वारा भी प्रमाणित की गई है। वहाँ से पूरे अल्मोड़ा नगर और घाटियों का दृश्य मन मोह लेने वाला था।

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सविता सिंह मीरा
जमशेदपुर

## जब भी खोलूँ मैं अपने द्वार

जब भी खोलूँ खिड़की द्वार,
दिखे नभ मेघ का प्रणय अपार।

करते दोनों लुका छिपी,
रहते मिल के हँसी खुशी।

बादल के झुँड को देखती,
बना लेती फिर कोई आकृति,

उनके साथ में खेलती,
लगते हैं वे मेरे संगी साथी ।

रिश्ता है मेरा कुछ उनसे खास
पल में लगता आ गए पास।

लागे मुझे कालिदास का मेघ,
जिसने बदल कर उनका भेष,

भेजा है बना अपना दूत
ना जाने कहाँ हो गया विलुप्त?

लगता है कि वह बरस गया,
या ओस की बूँदों में ठहर गया।

भर जाते हैं मेरे जज्बात,
जब भी देखूँ ओस की बूंदें

या खिली पूर्णिमा की चाँद
स्वरित हो जाते हैं वो स्यात्।

प्रकृति से मेरा यह प्यार
देता मुझको खुशियाँ अपार।

**व्यंग्य ■ बर्बरीक**

# 'जाने से पहले'

दिलीप कुमार

पत्नीजी गर्मी की छुट्टियों में मायके जाने लगीं। साले साहब लेने आए थे और उस पर तुर्रा यह था कि चारपहिया से लेने आए थे। बरसों पहले एम्बेसडर से ब्याह कर मेरे घर आई पत्नी अब स्कार्पियो से मायके जा रही थी। ये और बात है कि मेरी मोटरसाइकिल भी ईएमआई पर चल रही थी।

बाहर गाड़ी में सब सामान रखा जा चुका था और बच्चे भी गाड़ी में बैठ गए थे। साले साहब कार का हॉर्न जल्दी चलने के लिए बजाते ही जा रहे थे, आखिर नई स्कार्पियो जो ठहरी। पर मेरी पत्नी इतनी आसानी से कोई सफर शुरू कर दे तो फिर कहना ही क्या?

मुझे कहना ही पड़ा 'अरी भागवान, अब निकलो भी। तुम्हारा भाई कब से हॉर्न पे हॉर्न दिए जा रहा है। सफर का सब सामान ठीक से रख लिया है ना?'

'मैंने तो सब सामान ठीक से रख लिया है, पर आप मेरे जाते ही घर को कबाड़खाना मत बना लेना। पिछली बार तुमने टांड़ पर पांच-सात बोतलें ये समझ कर फेंक दी थी कि उन पर मेरी कभी नजर नहीं पड़ेगी। अबकी बार ऐसा हुआ तो सारी पियक्कड़ी भुलवा दूंगी', उसने आंखें तरेरते हुए कहा।

'अरे नहीं, अबकी ऐसा कुछ नहीं होगा। मैं घर का ख्याल बिल्कुल उसी तरह रखूंगा जैसे तुम रखती हो। काम वाली बाई से मैं सब चीजें साफ करवा कर रखूंगा। उसे कुछ रुपये एक्स्ट्रा दे दूंगा तो सब चकाचक रखेगी', मैंने पत्नी जी को आश्वासन दिया।

'उसे तनख्वाह मैं दे चुकी हूं। उसे एक्स्ट्रा पैसे देने की कोई जरूरत नहीं है। रुपया और लाड़-प्यार उस पर निछावर मत करो। उसका काम ही सफाई है, तो वह कर ही देगी बिना तुम्हारे प्यार जताए भी। अलग से लाड़-प्यार उड़ेलने की कोई जरूरत नहीं है उस पर, पत्नी ने निर्विकार स्वर में कहा।

उसके इस हमले से मैं असहज हो गया। मैंने बात संभालने की सोची और माहौल बनाते हुए पूछा झ

'क्या उल्टा-सीधा कहे जा रही हो? मेरी-तुम्हारी उम्र थोड़े ना है ये सब बातें करने की?

'छिछोरेपन का उम्र से क्या लेना-देना। मैं कभी ऐसी नहीं थी तुम हमेशा से ऐसे ही थे। मौका मिलते ही मुंह... 'ये कहते हुए उसने बात अधूरी छोड़ दी। भले ही उसने अपनी बात अधूरी छोड़ दी थी, मगर उसकी बात का मैं पूरा मतलब समझ गया था। उसके जाने से मुझे खुशी तो हो रही थी, मगर जाने से पहले मुझ पर लगाई गई उसकी इस तोहमत से क्रोध के मारे मेरी आंखों में खून उतर आया था। मैंने उसे आग्नेय नेत्रों से घूरा।

मगर मेरे नैनों के क्रोध भरे बाणों से अप्रभावित होते हुए पत्नीजी ने कहा

'क्रोध से आंखें जलाने की कोई जरूरत नहीं है। अभी तुम घूर रहे हो तो मैंने देख लिया, मैं घुरूंगी तो तुम तो मेरा गुस्सा देख भी नहीं पाओगे, क्योंकि चश्मा तुम्हारा फ्रिज के ऊपर रखा है। चश्मा, चश्मे के केस में ही रखना और फ्रिज के ऊपर ही रखना, जिससे इधर-इधर खोजने के लिए भटकना न पड़े। और चश्मे से याद आया कि सुबह-सुबह ब्रश करने के बाद चश्मा लगाते ही अखबार मत खोजने लगना, हमारा पेपरवाला देर से आता है। पेपर पता करने के बहाने सुबह-सुबह पड़ोसियों के घर खींस निपोरने मत पहुंच जाना। हमारा पेपर और पेपरवाला भी सबसे अलग है। हमारे घर हिंदी का अखबार आता है, पड़ोस में सभी के घरों में अंग्रेजी का अखबार आता है। और अंग्रेजी पेपर तुम्हारे लिए चश्मे जैसा है, न तो तुम चश्मे के बिना पढ़ सकते हो और न ही अंग्रेजी पढ़ सकते हो। इसलिए अपनी बेइज्जती मत करवाना सुबह - सुबह।

मैं कुछ कड़वा बोलने ही वाला था कि उसके पहले ही उसने अपनी बातों का गियर बदलते हुए कहा झ

'तुम्हारी सारी बनियान और अंडरवियर कबर्ड के ऊपरी खाने में एक जगह तह करके रख दी है। तुम्हारे अंडरगारमेंट्स का नम्बर 95 है। देख-भाल कर ही पहनना। बच्चों की न पहन लेना। पिछली बार तुमने बच्चों की चड्डी-बनियान पहन ली थी। तुम्हारी तोंद और चौखटे जैसी कमर पर पहनने की वजह से बच्चों के चड्डी-बनियान ढीले होकर झोला हो गए। इसलिए अपनी चीजों पर ही फोकस रखा करो, दूसरों की चीजों पर नहीं। फिर चाहे वो अपने कपड़े हों या अपनी पत्नी' यह कहते हुए पत्नी कुटिलता से हंसी।

उसके इस व्यंग्य बाण से मैं बुरी तरह से आहत हो गया। मैंने उससे आर या पार पूछने का निर्णय किया। उसकी बातों से मैं क्रोध से उबलने लगा था ।

मेरे तमतमाये चेहरे को देखकर वह निर्विकार स्वर में बोली-

'बेकार में खून जलाकर अपना ब्लड प्रेशर बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है। तुम्हारी सब मेडिकल रिपोर्ट्स नार्मल हैं। बार-बार उस लेडी डॉक्टर अल्का गुप्ता को दिखाने की जरूरत नहीं है। वैसे भी वह गायनकालोजिस्ट है। महिलाओं के जच्चा-बच्चा का इलाज करती है, मर्दों के बीपी-शुगर का नहीं, जो एक रुपये का सरकारी पर्चा बनवा कर आधे दिन उसे निहारने में गुजार देते हो'।

मैं हैरान रह गया कि मेरे इलाज की इतनी महीन बात इसे कैसे पता? इसका तो बरसों से पढ़ाई-लिखाई से कोई नाता ही नहीं रहा है।

वह मेरी मनोदशा भांप कर बोली-

'बहुत हैरान-परेशान होने की जरूरत नहीं है कि यह सब मुझे कैसे पता? यह सब तिवाराइन चाची ने बताया है। उनकी छोटी बहू प्रेग्नेंट है। वह डॉक्टर अल्का गुप्ता को रेगुलर दिखाने जाती हैं आजकल। डाक्टरनी ने बताया कि एक अधेड़ उम्र के मोटे से और गंजे अंकल हैं जो हर तीसरे दिन बेवजह उन्हें दिखाने चले आते हैं। उस आईटॉनिक के तलबगार से वह डाक्टरनी बहुत इरीटेट हो जाती है। उस यंग डाक्टरनी ने मोटा-गंजा अंकल तुम्हे ही कहा है। जानते हो, वही तिवाराइन चाची, जिनसे तुम इतनी गप्पें लड़ाते हो और उन्हें अपना हमदर्द समझते हो। अब वही चाची डॉक्टर अल्का की बात का नमक-मिर्च लगाकर तुम्हें सारे मोहल्ले में गंधवा रही हैं। मैं कहा करती थी न कि पराई नारी से ज्यादा गप्प न लड़ाओ, अब झेलो चाची की फजीहत'।

मुझे तिवाराइन चाची से ये उम्मीद नहीं थी। उन्होंने ही मुझे डॉक्टर अल्का के बारे में बताया था कि बड़े वाले सरकारी अस्पताल में एक बहुत अच्छी लेडी डॉक्टर आई है, जाकर दिखा लो। अब बाद में वही चाची अब ये सब कर रही हैं।

'क्या सोच रहे हो मन ही मन। जो मन की बात है वह अपनी अर्धांगिनी से कहो। न कि मोहल्ले की ओझाइन, शुक्लाइन, ठकुराइन और चौधराइन से कहो। पर तुमको तो पड़ोस की महिलाओं की कुशलक्षेम की फिक्र लगी रहती है। उन सबकी फिक्र मत करो, उनकी फिक्र करने के लिए उनके पति और बच्चे हैं। वो सब भी गर्मियों में अपने मायके या गांव जाएंगी। सबने अपने जाने का इंतजाम कर लिया है। तुम्हें उनके ट्रेन या बस की टाइमिंग और रूट बताने की कोई जरूरत नहीं है, अपने मोबाइल से चेक करके। सबके घर में मोबाइल है सब चेक करवा लेंगी ट्रेन-बस। तुम्हारी समाजसेवा की जरूरत नहीं है उन्हें'।

मेरा मन कर रहा था कि मैं इस औरत का मुंह नोच लूं। इसने तो मेरी बुरी तरह से किलेबंदी कर दी थी। पर, वह मेरे जीवन में किष्किन्धा नरेश बाली की तरह थी। उस महिला के सामने मेरा बल सदैव आधा ही रह जाता था और आत्मबल जीरो।

मैंने अपने मनोभावों को जब्त करते हुए उसकी तरफ मुस्करा कर देखा।

पत्नी कुछ देर सोचती रही फिर कुछ याद करते हुए बोली 'और हां, घर के पीछे उस ब्यूटी पार्लर वाली गोरी मेम सिंथिया से दूध, शक्कर, कॉफी मांगने के बहाने उसके घर में न चले जाना। तुम्हें बड़ी जिज्ञासा रहती है कि ब्यूटी पार्लर में क्या -क्या होता है? पहले ही बता देती हूं कि ब्यूटी पार्लर में भी वही सब होता है, जो नाई की दुकान में होता है। इसलिए होशियार रहना, नहीं तो लेने के देने पड़ जाएंगे'।

अचानक बाहर से स्कार्पियो का हॉर्न साले साहब तेजी से बजाने लगे। पत्नी ने अपना हैंडबैग सम्भाला और जाते-जाते आंखें तरेरती हुई बोली- 'तुम पर हर पल मेरी नजर रहेगी। इसलिए मैं कितने दिनों तक बाहर हूं, ये गिन कर ज्यादा ओवर स्मार्ट बनने की कोशिश मत करना। और याद रहे मैं कभी भी वापस आ सकती हूं, यह कहते हुए वह बाहर निकल गई मुझे कयासें लगाता हुआ छोड़कर।

बाहर साले साहब की स्कार्पियो में एक फिल्मी गीत बज रहा था-

'मैं मैके चली जाऊंगी तुम देखते रहियो...'।

मुझे ये समझ में नहीं आ रहा था कि पत्नीजी सचमुच मायके जा रही हैं या सिर्फ मेरी नजरों से ओझल हो रही हैं। मुझे तो ये भी सूझ नहीं रहा कि था कि मैं खुश होऊं या उदास।

BRIEF NEWS

## सरला बिरला पब्लिक स्कूल में मनाया गया योग उत्सव

RANCHI : सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्टूडेंट्स, शिक्षकों और अभिभावकों ने सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया। कार्यक्रम की खास बात योग और कहानी कहने की कला का अनूठा संगम था। जिसमें स्टूडेंट्स ने विभिन्न योग मुद्राओं के माध्यम से प्रेरणादायक कहानियां प्रस्तुत की। इस प्रतियोगिता में बच्चों की रचनात्मकता, संतुलन और भाव-प्रदर्शन ने दर्शकों को प्रभावित किया। योग सत्रों के माध्यम से स्टूडेंट्स को न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक एकाग्रता और सकारात्मक सोच का भी संदेश मिला। प्रिंसिपल परमजीत कौर ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की और छात्रों को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया।

## सीएफ एंड्रयूज मेमोरियल इंग्लिश स्कूल में मनाया गया योग दिवस

RANCHI : थड़पखना स्थित सीएफ एंड्रयूज मेमोरियल इंग्लिश स्कूल में शनिवार को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय सचिव दीप्तिमान बोस और प्रिंसिपल अनिमा बोस की उपस्थिति में हुई। इस अवसर पर सभी शिक्षकगण, शिक्षिकाएं और विद्यार्थी भी मौजूद रहे। योग सत्र में शिक्षिका गुड्डी कुमारी द्वारा योग के विभिन्न आसनों और उनके लाभों की जानकारी दी। इसके बाद शिक्षक इंद्रजीत के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन जैसे कई योगासनों का अभ्यास किया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नियमित योगाभ्यास की प्रेरणा देना था।

## योग दिवस पर अमृत सरोवरों के तट पर गूंजा योग मंत्र

RANCHI : शनिवार को बेड़ो प्रखंड अंतर्गत आठ अमृत सरोवर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग साधना का केंद्र बने। डुकु तालाब के पास स्थित अमृत सरोवर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जहां सुबह-सवेरे बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने योगाभ्यास में हिस्सा लिया। मौके पर पंचायत सचिव अमित केरकेट्टा, जेई कोया अभय, खालिद अंसारी, आनंद केरकेट्टा समेत दर्जनों ग्रामीणों की उपस्थिति रही। शांत वातावरण, तालाब की लहरों और प्रकृति की गोद में योग करने का अनुभव सभी प्रतिभागियों के लिए अविस्मरणीय रहा।

# योग भारत की ओर से संपूर्ण विश्व को दिया गया एक अनुपम उपहार : राज्यपाल

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि योग भारत की ओर से सम्पूर्ण विश्व को दिया गया एक अनुपम उपहार है। यह केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के सामंजस्य का विज्ञान है। राज्यपाल शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पर राजभवन के बिरसा मंडप में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि योग जीवन को संतुलित करने की कला है और इसके अभ्यास से हम स्वस्थ शरीर, शांत चित्त एवं ऊजार्वान जीवन की ओर अग्रसर होते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में योग को वैश्विक पहचान मिली और 21 जून को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मान्यता मिलना भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक है। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि योग बच्चों और युवाओं के लिए केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि एकाग्रता, आत्मबल और अनुशासन का भी माध्यम है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे प्रतिदिन योग करें और समाज में योग के प्रचार-प्रसार के लिए अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। इस कार्यक्रम में राजभवन परिवार के सदस्यों एवं आमंत्रित स्कूली बच्चों ने सक्रियता से भाग लिया।

### योग सांस्कृतिक विरासत : बाबूलाल

प्रदेश भाजपा ने शनिवार को मंडल स्तर पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इसी क्रम में रांची जिलांतर्गत चुटिया मंडल में योगाभ्यास के बाद प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि योग भारत की सांस्कृतिक विरासत है जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से विश्व पटल पर प्रतिष्ठापित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व बंधुत्व का भाव रखती है। भारत के ऋषि मुनियों ने सर्वे भवन्तु सुखिन, सर्व संतु निरामया का उद्घोष हजारों वर्ष पूर्व किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मरांडी ने कहा कि इस वर्ष का थीम ही है एक विश्व ,एक स्वास्थ्य। यह सर्वे भवन्तु निरामया पर ही आधारित है।

### योग जीवन का दर्शन : सेठ

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शनिवार को 11वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कांके के कुम्हारिया गांव में प्रधानमंत्री श्री स्कूल में बच्चों और ग्रामीणों के साथ योग किया। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि आज पूरा देश 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है। आज देश भर में एक लाख जगह पर और 175 देश में एक साथ योग किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प देश के लोग निरोग रहे इसी को लेकर आज से 11 साल पूर्व योग दिवस पर देश के सभी नागरिकों को योग से जुड़ने की अपील की थी।

### झारखंड बने स्वस्थ : स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का सपना है कि झारखंड एक स्वस्थ राज्य बने। स्वास्थ्य विभाग इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि योग न केवल हमें ऊजार्वान बनाता है, बल्कि जीवन में अनुशासन, शांति और सामंजस्य भी लाता है। यदि हर नागरिक प्रतिदिन कुछ मिनट योग करे तो न केवल उसका जीवन, बल्कि पूरा समाज स्वस्थ और समृद्ध बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा फन पार्क में आयोजित भव्य सामूहिक योग कार्यक्रम में उन्होंने योग के लाभ और महत्व के बारे में जागरूक किया।

### आदिवासी कल्याण योजनाओं की मंत्री चमरा लिंडा ने की समीक्षा, बोले-

# समाज के अंतिम व्यक्ति को सही समय पर मिले योजनाओं का लाभ

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को राज्य के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने आदिवासी कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक की। इसमें उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कई निर्देश दिए। बैठक में विभाग के सचिव, आदिवासी कल्याण आयुक्त और आदिवासी सहकारी विकास निगम के प्रबंध निदेशक मौजूद थे। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ सही समय पर पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

**शिक्षा पर दिया विशेष जोर**

कल्याण मंत्री ने शिक्षा क्षेत्र पर विशेष ध्यान देते हुए कहा कि अनुसूचित जनजाति के मेधावी छात्रों को देश की प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि गुणवत्तापूर्ण कोचिंग के लिए चयनित संस्थानों से समन्वय स्थापित कर जल्द से जल्द प्रशिक्षण प्रक्रिया शुरू कराई जाए। उनका मानना है कि यह कदम आदिवासी युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने में मददगार सिद्ध होगा।

**विदेश में पढ़ने का मिलेगा मौका :** बैठक में मरंग गोमके पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इस योजना के अंतर्गत विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक आदिवासी स्टूडेंट्स को छात्रवृत्ति दी जाती है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छात्र चयन की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए ताकि योग्य स्टूडेंट्स समय पर लाभ उठा सकें।

**साइकिल वितरण में लाएं तेजी**

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी साइकिल योजना को भी शीघ्र लागू करने पर बल देते हुए मंत्री ने सभी जिलों में साइकिल वितरण की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इससे स्कूली छात्राओं की शिक्षा में नियमितता आएगी और ड्रॉपआउट की दर में कमी आएगी। रोजगार सृजन के संदर्भ में मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना की समीक्षा करते हुए चमरा लिंडा ने कहा कि अधिक से अधिक युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर युवाओं को योजना से जोड़ा जाए।

आदिवासी कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक करते कल्याण मंत्री चमरा लिंडा व अन्य ● फोटोन न्यूज

### स्वास्थ्य सेवा को बनाएं बेहतर

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी मंत्री ने 16 ग्रामीण कल्याण अस्पतालों के बेहतर संचालन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दूरस्थ आदिवासी इलाकों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए त्वरित कदम उठाए जाने चाहिए। मंत्री ने सभी योजनाओं की समयबद्ध समीक्षा सुनिश्चित करने और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की गति तेज करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यही शासन की सफलता का मापदंड है।

## बंधु तिर्की ने खेती योग्य जमीन पर रिम्स-2 के निर्माण का किया विरोध

- कांग्रेस प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की हस्तक्षेप की मांग
- आईआईएम, ट्रिपल आईटी और हाईवे चौड़ीकरण जैसी योजनाएं ग्रामीण विरोध के कारण करनी पड़ी थीं रद्द

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्य सरकार की समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने रिम्स-2 का विरोध किया है। उन्होंने नगड़ी मौजा में रैयतों की खेती योग्य खतियानी जमीन के अधिग्रहण को अनुचित और जनविरोधी बताते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रिम्स-2 परियोजना को रद्द करने की मांग की है। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि नगड़ी क्षेत्र की अधिकतर आबादी कृषि पर निर्भर है और वहां की भूमि सीमित है। ऐसे में रैयतों की जमीन अधिग्रहण करना न केवल उनके जीवन-यापन के अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि यह सरकार की जनसंवेदनशीलता पर भी सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि इस जमीन पर वर्षों से मालगुजारी रसीदें रैयतों के नाम से जारी होती रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व में भी आईआईएम, ट्रिपल आईटी और हाईवे चौड़ीकरण जैसी योजनाएं ग्रामीण विरोध के कारण रद्द करनी पड़ी थीं। रिम्स-2 के लिए की जा रहे मापी को साजिश बताते हुए उन्होंने सरकार से ग्रामीण हित में हस्तक्षेप की अपील की। बंधु तिर्की ने मुख्यमंत्री से पेसा कानून को तत्काल प्रभाव से लागू करने और टाना भगत विकास प्राधिकार को प्रभावी बनाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि टाना भगत समुदाय आज भी सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से बेहद पिछड़ा है और 2017 में गठित टाना भगत विकास प्राधिकार अब तक अपने उद्देश्यों में विफल रहा है।

## सरना भूमि विवाद पर फैलाई जा रहीं सूचनाओं को सीओ ने बताया भ्रामक

PHOTON NEWS RANCHI : बेड़ो अंचल के मौजा बेड़ो अंतर्गत 1.05 एकड़ गैरमजरुआ आम भूमि, जो खतियान में सरना के रूप में दर्ज है, को लेकर हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही भ्रामक सूचनाओं को लेकर अंचल अधिकारी (सीओ) प्रताप मिंज ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भ्रामक बताया है। अंचल अधिकारी ने पूर्व मंत्री देवकुमार धान द्वारा दिए गए उस बयान का खंडन किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि बेड़ो सरना, हिंदू सरना विवाद नहीं, बल्कि कांग्रेस-झामुमो की साजिश है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पूर्व मंत्री द्वारा अंचलाधिकारी को ईसाई धर्म का बताकर समाज में गलतफहमी फैलाने का प्रयास किया गया है, जो पूर्णतः तथ्यहीन है। अंचल अधिकारी ने बताया कि सरना समाज की चुमानी देवी द्वारा दिनांक 28 नवंबर 2023 को सीमांकन वाद संख्या 79/2023-24 के तहत आवेदन दिया गया था, जिसके आधार पर 9 जनवरी 2024 को सीमांकन की कार्रवाई की गई। इस कार्यवाही में सभी संबंधित ग्रामीणों- चुमानी देवी, बुधवा पहान, जगरनाथ भगत, अनिल उरांव, मुखिया सुशांति भगत आदि ने हस्ताक्षर कर सहमति दी थी।

## निगम के मजदूरों की मांगों को लेकर सीटू करेगा बैठक

RANCHI : रांची नगर निगम में कार्यरत अस्थायी और अनुबंधित कामगारों को स्थायी करने, मृत कामगारों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर बहाल करने, झारखंड सरकार की ओर से घोषित अवकाश नीति को तत्काल लागू करने और नगर निगम में ए टू जेड कंपनी के कामगारों के बकाया वेतन के भुगतान की मांग को लेकर सीटू से संबद्ध हटिया मजदूर यूनियन और रांची नगर निगम मजदूर यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में दो जुलाई को बैठक होगी। यह बैठक पुराने विधानसभा मैदान (जगरनाथपुर थाना के सामने) में होगी। बैठक में नगर निगम के विभिन्न क्षेत्रों डोरंडा, हटिया, हुलहूंडू, बिरसा चौक, खेलगांव, अरगोड़ा, हरमू, कांके, मोरहाबादी, हेहल, पिस्का में कार्यरत मजदूर भाग लेंगे।

# आजसू का स्थापना दिवस समारोह आज, झंडा-बैनर से पटा खेलगांव

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू पार्टी अपना स्थापना दिवस रविवार को बलिदान दिवस के रूप में मनाएगी। केंद्रीय स्तर पर मुख्य समारोह खेलगांव के हरिवंश टाना भगत इनडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया है। समारोह की तैयारियां पूरी हो गई हैं। स्थापना दिवस को लेकर पार्टी के झंडा और बैनर से खेलगांव पूरी तरह से पट गया है। वहीं स्थापना दिवस समारोह को पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष सह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक निर्मल महतो, पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, प्रवीण प्रभाकर, डोमन सिंह मुंडा, हसन अंसारी, राजेंद्र मेहता, हरेलाल महतो, यशोदा देवी, जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, संजय मेहता समेत कई नेता संबोधित करेंगे। समारोह में राज्य के सभी जिलों से कार्यकर्ता भाग लेने पहुंचेंगे। कार्यक्रम को लेकर सभी जिला और प्रखंडों में व्यापक तैयारी की गई है। स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम, मेदिनीपुर से कार्यकर्ताओं की एक टोली बादल महतो के नेतृत्व में खेलगांव पहुंच चुकी है। वहीं पलामू से भी कार्यकर्ताओं का एक जत्था पहुंच चुका है। समारोह में ओडिशा के कई इलाकों रायरंगपुर और बारीपाडा से कार्यकर्ता पहुंचेंगे।

## समर्पण ट्रस्ट ने ग्रामीण बच्चों को कराया योग

RANCHI : अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट और नटराज योग संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में कांके डैम के पीछे कूटा टंगरा गांव में शनिशार को एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, समाजसेविका डॉली झा सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे। मौके पर योगाचार्य आर्य प्रहलाद भगत ने ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को योग के लाभ के बारे में जानकारी दी। साथ ही विभिन्न आसान, प्राणायाम और ध्यान का भी अभ्यास कराया।

### 104 करोड़ 90 लाख 40 हजार रुपये का आधार बेस्ड बैंक खाते में किया गया भुगतान

# रांची में 4,19,616 लाभुकों को मिली मंईयां सम्मान योजना की राशि

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना अंतर्गत रांची जिला में लाभुकों को दूसरे चरण में भी अप्रैल माह की सम्मान राशि का भुगतान कर दिया गया है। दूसरे चरण में कुल 79 हजार 553 लाभुकों के बैंक खाते में 2500 रुपये की सम्मान राशि का भुगतान किया गया है। सभी लाभुकों के बीच आधार बेस्ड बैंक खाते में 9 करोड़ 88 लाख 82 हजार 500 की राशि का भुगतान किया गया है।

**4 जून को भी किया गया था ट्रांसफर :** इससे पहले 4 जून 2025 को जिला में प्रथम चरण में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कुल 3 लाख 40 हजार 63 लाभुकों के खाते में 85 करोड़ 01 लाख 57 हजार 500 की राशि का आधार बेस्ड भुगतान किया गया था। दोनों चरणों में अब तक 4 लाख 19 हजार 616 लाभुकों के मध्य 104 करोड़ 90 लाख 40 हजार की सम्मान राशि उनके खाते में हस्तांतरित कर दी गई है।

**अप्रैल माह के भेजे गए हैं 2500 रुपये**

### आधार सीडिंग है जरूरी

योजना अंतर्गत जिन लाभुकों का आवेदन पूर्व में स्वीकृत है लाभ के लिए उन्हें अपने बैंक खाते से आधार सीडिंग कराना अनिवार्य है। एक बार फिर से उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा ऐसे लाभुकों से अपना आधार सीडिंग कराने की अपील की गई है, ताकि उन्हें योजना का लाभ सुनिश्चित कराया जा सके। वहीं रांची जिला में भौतिक सत्यापन का कार्य भी जारी है। अतिशीघ्र भौतिक सत्यापन का कार्य संपन्न होने के बाद योग्य लाभुकों को योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा। वैसे लाभुक जिनका भौतिक सत्यापन लंबित है, वो आंगनबाड़ी सेविका से संपर्क कर तथा सत्यापन प्रपत्र प्राप्त कर अपने भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

**किस प्रखंड में कितने लाभुकों को भुगतान**

| | |
|---|---|
| अनगड़ा – 2790 | खलारी – 2103 |
| अरगोड़ा शहरी (नगर निगम) – 3067 | लापुंग – 2618 |
| बड़गाईं शहरी (नगर निगम) – 2310 | मांडर – 4348 |
| बेड़ो – 4291 | नगड़ी – 3764 |
| बुंडू – 1725 | नगड़ी (नगर निगम) – 2272 |
| बुंडू नगर पंचायत (नगर निगम) – 690 | नामकुम – 3524 |
| बुढमू – 3166 | नामकुम (नगर निगम) – 2372 |
| चान्हो – 3648 | ओरमांझी – 3138 |
| हेहल शहरी (नगर निगम) – 4557 | राहे – 1716 |
| इटकी – 2052 | रातू – 3731 |
| कांके – 4933 | सिल्ली – 4370 |
| कांके शहरी (नगर निगम) – 348 | सोनाहातू – 2073 |
| | तमाड़ – 3767 |
| | शहर (नगर निगम) – 6180 |

## गुरुनानक सत्संग सभा का चुनाव आज

RANCHI : गुरुद्वारा श्रीगुरुनानक सत्संग सभा और गुरुनानक भवन कमिटी का द्विवार्षिक चुनाव रविवार को कृष्णा नगर कॉलोनी, रातू रोड में होगा। गुरुनानक सत्संग सभा की 21 सीटों के लिए कुल 24 और गुरुनानक भवन कमिटी की पांच सीटों के लिए कुल सात उम्मीदवार मैदान में हैं। सभी चुनावी प्रक्रिया मुख्य चुनाव पदाधिकारी और पूर्व पार्षद देवराज खत्री, सह चुनाव पदाधिकारी डॉ अजय छाबड़ा प्रकाश अरोड़ा और हरीश नागपाल की देखरेख में होगी। वहीं मतगणना की जिम्मेवारी पीपी कंपाउंड स्थित गुरुनानक हायर सेकंडरी स्कूल के शिक्षकों को सौंपी गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए देवराज खत्री ने शनिवार को बताया कि कुल 680 मतदाता अपने मतों का उपयोग कर गुरुनानक सत्संग सभा के 21 और गुरुनानक भवन कमिटी के पांच सदस्यों का चयन करेंगे।

## कांके विधायक सुरेश बैठा ने किसानों में किया धान बीज का वितरण

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को कांके प्रखंड के अंतर्गत उरुगुटू पंचायत स्थित लैम्पस परिसर में बीज विनिमय योजना के तहत कांके विधायक सुरेश बैठा के हाथो किसानों के बीच धान बीजों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराकर किसानों की उपज और आय में वृद्धि करना है। कार्यक्रम में क्षेत्र के दर्जनों किसानों ने भाग लिया और उन्हें धान के उन्नत बीज प्रदान किए गए। मौके पर कृषि विभाग के अधिकारियों, लैम्प्स प्रतिनिधियों तथा पंचायत पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर किसानों को बीजों के सही उपयोग, खेती के नवीन तरीकों तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। किसानों ने सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे खेती की लागत कम होगी और पैदावार में वृद्धि होगा। मौके पर कांके विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि गोपाल तिवारी, बुढमू प्रखंड के विधायक प्रतिनिधि बबलू उरांव के साथ तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

BRIEF NEWS

### मधुसूदन पब्लिक स्कूल में योग दिवस का हुआ आयोजन

**CHAKRADHARPUR :** मधुसूदन पब्लिक स्कूल, आसनतलिया में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 'योगा फॉर वन अर्थ वन हेल्थ' (एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य) विषय के साथ योग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शारीरिक शिक्षक राहुल साधु, हिमांशु महतो और शारीरिक शिक्षिका लक्ष्मी साहा ने छात्र-छात्राओं को सूर्य नमस्कार, भुजंगासन, प्राणायाम आदि महत्वपूर्ण योगासनों का अभ्यास कराया। विद्यालय के प्राचार्य के. नागराजू ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में योग का अभ्यास करते रहना चाहिए ताकि उन्हें तनाव तथा चिंता से राहत मिलेगी।

### घाटशिला में एनएच-18 पर चलती बाइक बनी आग का गोला

**GHATSHILA :** थाना क्षेत्र के मनोहर कॉलोनी के पास शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 18 (एनएच 18) पर एक चलती बाइक में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी बाइक जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि बाइक चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली। घटना के संबंध में बाइक चालक लक्ष्मण महतो, जो चाकुलिया थाना क्षेत्र के कुमारीसोल गांव का निवासी है, ने बताया कि वह अपनी स्प्लेंडर प्लस बाइक (जेएच 05डीडब्लू 6235) से गालूडीह जा रहा था। एसडीओ कार्यालय पहुंचने से कुछ ही देर पहले उसे बाइक में आग लगने का अंदेशा हुआ। उसने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए बाइक को फोरलेन के किनारे खड़ा किया और तुरंत उससे उतर गया।

### डीसी के फर्जी वाट्सएप अकाउंट से मांगा जा रहा मंईयां योजना का विवरण

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन ने शनिवार को आम जनता को सतर्क करते हुए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। सूचना के अनुसार किसी अज्ञात जालसाज व्यक्ति पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त के नाम पर वाट्सएप नंबर 8002825608 से फर्जी अकाउंट बनाकर मंईया सम्मान योजना के लाभार्थियों से पेमेंट डिटेल मांग रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिला प्रशासन द्वारा किसी भी योजना से संबंधित जानकारी व्हाट्सएप या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से नहीं मांगी जाती। यह एक ऑनलाइन फ्रॉड का मामला हो सकता है, जिसमें बैंक खातों से पैसे निकाले जाने की आशंका बनी रहती है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस नंबर से प्राप्त किसी भी प्रकार के संदेश या कॉल पर प्रतिक्रिया न दें और कोई भी व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी साझा करने से बचें।

# चाईबासा में मना 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, डीसी ने दिया स्वस्थ जीवन का मंत्र

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** पश्चिम सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा के सैफरन सभागार में शनिवार को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य योग के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें अपनी दैनिक जीवनशैली में योग को अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ जिले के उपायुक्त चंदन कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डीसी चंदन कुमार ने कहा कि योग को अपनी जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाएं और हमेशा निरोग रहें। उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और एक स्वस्थ व संतुलित जीवनशैली अपनाएं। उपायुक्त ने आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ते तनाव, चिंता और विभिन्न बीमारियों का जिक्र करते हुए कहा कि योग एक अत्यंत प्रभावी उपाय है, जो न केवल बीमारियों का उपचार करता है बल्कि उनके रोकथाम में भी सहायक सिद्ध होता है। इस विशेष कार्यक्रम में असिस्टेंट कलेक्टर, सिविल सर्जन डॉ. सुशांतो मांझी, अनुमंडल पदाधिकारी संदीप अनुराग टोपनो, पुलिस उपाधीक्षक बहामन टुटी, प्रखंड विकास पदाधिकारी अमिताभ भगत, अंचल अधिकारी उपेंद्र कुमार सहित कई अन्य प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं, विद्यार्थी, आयुष एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी ने योग करें और निरोग रहें के संकल्प के साथ किया।

योगाभ्यास करते उपायुक्त चंदन कुमार व अन्य ● फोटोन न्यूज

## योग से स्वास्थ्य की ओर : खासमहल में लोगों ने किया योग, उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने किया नेतृत्व

**JAMSHEDPUR :** पूरे जिले में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर खासमहल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अन्य अधिकारियों और नागरिकों के साथ मिलकर सामूहिक योगाभ्यास किया और योग के शारीरिक, मानसिक और आत्मिक लाभों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 6:30 बजे योग प्रशिक्षकों द्वारा कराए गए सामूहिक योग अभ्यास से हुई। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी, स्वास्थ्यकर्मी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे। उपायुक्त सत्यार्थी ने अपने संबोधन में कहा योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि यह मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन प्रदान करता है। यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे अपनाकर हम एक निरोग और मजबूत समाज की नींव रख सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और इसे अपने परिवार व समाज में भी प्रचारित करें। साथ ही कहा कि योग के सतत अभ्यास से अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। योग प्रशिक्षकों ने उपस्थित प्रतिभागियों को योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विभिन्न विधियाँ कराईं तथा उनके लाभों से अवगत कराया।

**कार्यक्रम में प्रमुख उपस्थिति**
सिविल सर्जन, जिला आयुष पदाधिकारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, खेल प्रशिक्षक, स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी।

घटना 11-12 जून की रात में हुई, 20 जून को थाने में पीड़िता ने दर्ज कराया मामला

# प्रधान टोला में बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना, लाखों की चोरी से दहशत में लोग

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** बागबेड़ा थाना क्षेत्र के प्रधान टोला में एक बंद घर का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की यह घटना 11-12 जून की रात की है, लेकिन घर पर कोई नहीं था। घर के सभी सदस्य बाहर गए हुए थे। चोरी की इस घटना की जानकारी पीड़िता दानगी हांसदा ने 20 जून को पुलिस को दी, जब वे बाहर से लौटकर घर आईं।

**कैसे हुई चोरी :** दानगी हांसदा किसी पारिवारिक कारण से कुछ दिनों के लिए घर से बाहर थीं। 20 जून को जब वे घर लौटीं तो देखा कि दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर पता चला कि अलमारी का भी ताला तोड़कर उसमें रखे कीमती जेवरात चुरा लिए गए हैं।

**पुलिस की प्रारंभिक कार्रवाई :** बागबेड़ा थाना प्रभारी ने बताया कि एफआईआर दर्ज करने में देरी पीड़िता की ओर से सूचना देर से मिलने के कारण हुई। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी गई है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही साथ ही स्थानीय स्तर पर संदेहास्पद गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

**एफएसएल टीम को बुलाया गया**
पुलिस टीम ने फॉरेंसिक साइंस लैब को सूचित कर घटनास्थल से फिंगरप्रिंट, फुटप्रिंट व अन्य भौतिक साक्ष्यों का संकलन शुरू कर दिया है। थाना प्रभारी का कहना है कि शीघ्र ही चोरों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी।

**इलाके में डर का माहौल**
स्थानीय लोगों ने बताया कि प्रधान टोला इलाके में बीते कुछ महीनों में चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे लोग भयभीत हैं। लोगों ने रात में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। पीड़िता दानगी हांसदा ने पुलिस से अपील की है कि जल्द से जल्द उनके जेवरात की बरामदगी सुनिश्चित की जाए और चोरों को कड़ी सजा दी जाए।

### वर्क फ्रॉम होम के नाम पर झांसा, मौदा गांव के युवक से साइबर ठगों ने ठगे 97 हजार रुपये

**JAMSHEDPUR :** बहरागोड़ा के मौदा गांव के रहने वाले विकास भारती राणा को वर्क फ्रॉम होम की लुभावनी पेशकश के जरिए साइबर ठगों ने अपने जाल में फंसा लिया और किस्तों में 97 हजार रुपये की ठगी कर ली। खुद को अलग-अलग कंपनियों के एचआर और मैनेजर बताकर ठगों ने विकास से संपर्क किया और फर्जी ऑनलाइन प्रोजेक्ट के नाम पर पैसे ऐंठ लिए।

**कैसे हुआ धोखा :** पीड़ित विकास भारती ने बताया कि उन्हें चार अलग-अलग नंबरों से कॉल आया। फोन करने वालों ने अपने नाम स्नेहा, श्रुति स्नेहा, मनोज सिंहानिया और धर्मेंद्र तिवारी बताए। बातचीत शुरूआत में इतनी प्रोफेशनल थी कि विकास को शक नहीं हुआ। ठगों ने विकास को बताया कि एक ऑनलाइन टास्क सिस्टम है, जिसे शुरू करने से पहले कुछ प्रोसेसिंग फीस और नॉडल एक्टिवेशन चार्ज देना होगा। विकास ने विश्वास कर कई बार में कुल 97,000 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिया।

**जब फोन हुए बंद, टूटा भ्रम**
राशि जमा करवाने के बाद जब विकास ने आगे की जानकारी के लिए कॉल किया, तो सभी नंबर या तो स्विच ऑफ थे या उस फोन नंबर से विकास का नंबर ब्लॉक कर दिया गया था। तब जाकर विकास को ठगी का अहसास हुआ और उन्होंने 20 जून को बहरागोड़ा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

**पुलिस जांच में जुटी**
बहरागोड़ा थाना प्रभारी ने बताया कि मामला साइबर अपराध से जुड़ा है और एफआईआर दर्ज कर ली गई है। साइबर सेल की मदद से ठगों के मोबाइल नंबर, बैंक अकाउंट और ट्रांजैक्शन डिटेल्स की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि यह संगठित साइबर ठगी का मामला प्रतीत होता है, और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित विकास भारती राणा ने कहा कि उन्होंने घर बैठे कमाई के लालच में यह ऑफर स्वीकार किया। शुरूआत में सब कुछ बहुत भरोसेमंद लगा। लेकिन धीरे-धीरे जब पैसे जमा करवाने का सिलसिला बढ़ता गया और काम शुरू नहीं हुआ, तब समझ में आया कि वह ठगे गए हैं। अब उनके पास कुछ नहीं बचा।

## अरका जैन यूनिवर्सिटी के 'योग संगम' में दिखा स्वस्थ जीवन का अनूठा दर्शन

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** लौहनगरी स्थित प्रतिष्ठित अरका जैन यूनिवर्सिटी में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में 'योग संगम' नामक एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की अवधारणा को जीवन में उतारना था। इस आयोजन के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने यह संदेश दिया कि 'योग केवल एक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण जीवन दर्शन है।'

**'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' थीम पर केंद्रित रहा योगाभ्यास :** कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रख्यात योग प्रशिक्षिका शर्मिष्ठा रॉय रहीं, जिन्होंने प्रतिभागियों को योगासन, प्राणायाम और योग निद्रा का अभ्यास तो कराया ही, साथ ही 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की महत्वपूर्ण अवधारणा पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण का संतुलन आपस में गहराई से जुड़ा हुआ है और योग इस संतुलन को बनाए रखने का एक शक्तिशाली माध्यम है। उनके कुशल मार्गदर्शन में सभी प्रतिभागियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ योगाभ्यास में हिस्सा लिया, जिससे पूरे परिसर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।

**कुलपति ने योग को बताया अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर**
विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. (डॉ.) अंगद तिवारी ने इस पहल की सराहना करते हुए अपने संबोधन में कहा कि 'योग भारत का एक अमूल्य सांस्कृतिक उपहार है, जो न केवल आंतरिक शांति को बढ़ावा देता है बल्कि समाज में समरसता की भावना भी पैदा करता है।'

## सांसद बिद्युत बरण महतो ने साकची में लोगों के साथ किया योगाभ्यास

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज पूरे देश की तरह जमशेदपुर में भी बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर साकची पश्चिम मंडल अंतर्गत धालभूम क्लब में आयोजित योग कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद बिद्युत बरण महतो ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। योग अभ्यास शुरू होने से पहले अपने संबोधन में सांसद श्री महतो ने कहा कि योग भारत की सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत है, जिसे हमारे ऋषियों ने न केवल खोजा बल्कि उसे जीवनशैली में शामिल कर निरोगी समाज की नींव रखी। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग को वैश्विक पहचान मिली है और यह गर्व की बात है कि भारत ने पूरे विश्व को योग जैसा अमूल्य

तोहफा दिया है। सांसद ने यह भी कहा कि दिनचर्या में थोड़ा सा समय योग को देकर हम न केवल खुद को स्वस्थ रख सकते हैं, बल्कि समाज को भी एक सकारात्मक दिशा दे सकते हैं। योग के जरिए शरीर, मन और आत्मा में संतुलन स्थापित होता है। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास किया। सभी प्रतिभागियों ने योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर इस आयोजन को सफल बनाया।

### झामुमो की बड़ी कार्रवाई रामा पांडेय छह माह के लिए पार्टी से निलंबित

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन द्वारा मजदूर नेता और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता रामा शंकर पांडेय उर्फ रामा पांडेय को छह महीने के लिए जिला बदर किए जाने के तुरंत बाद, झामुमो ने भी कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें पार्टी से छह महीने के लिए निलंबित कर दिया है। यह फैसला झामुमो जिला समिति की कोर कमेटी की एक आपातकालीन बैठक में लिया गया। पार्टी की यह महत्वपूर्ण बैठक परिसदन चाईबासा में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सोनाराम देवगम ने की। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कोर कमेटी के सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया। झामुमो के जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस निर्णय की जानकारी दी।

महाविद्यालयों से इंटरमीडिएट हटाने के खिलाफ छात्रों का 'ई-मेल अभियान'

## राज्यपाल, सीएम व शिक्षा मंत्री को भेजे सैकड़ों मेल

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** झारखंड के अंगीभूत महाविद्यालयों से 12वीं की पढ़ाई हटाने और 11वीं कक्षा में नए नामांकन रोकने के सरकारी फरमान के खिलाफ आज छात्रों ने डिजिटल जंग छेड़ दी। इंटरमीडिएट बचाओ संघर्ष समिति चाईबासा, कोल्हान के बैनर तले, सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने झारखंड के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को विरोध स्वरूप ईमेल भेजे हैं। यह अभियान सरकार के अलोकतांत्रिक फैसले के खिलाफ छात्रों के चरणबद्ध आंदोलन का पहला और सशक्त कदम है। कोल्हान प्रमंडल के छात्रों ने अपने ईमेल में स्पष्ट रूप से मांग की है कि जब तक इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए पर्याप्त और पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित नहीं हो जाती, तब तक

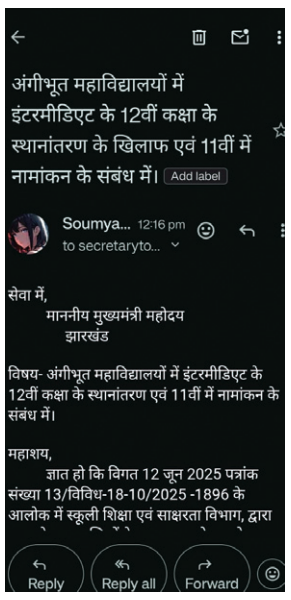


महाविद्यालयों में दाखिले जारी रखे जाएं। छात्र प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि सरकार बिना सोचे-समझे और बिना समुचित ढांचागत तैयारी के जो कदम उठा रही है, वह हजारों छात्रों के भविष्य को अंधकार में धकेल देगा। आज जमशेदपुर विमेंस कॉलेज की छात्राओं द्वारा पूर्वी सिंहभूम जिला मुख्यालय में किए गए आंदोलन का भी समिति ने पूर्ण समर्थन किया। यह ईमेल अभियान केवल छात्रों के आक्रोश को ही नहीं दर्शा रहा, बल्कि सरकार पर इस जनविरोधी फैसले पर पुनर्विचार करने का महत्वपूर्ण दबाव भी बना रहा है। पश्चिमी सिंहभूम में छात्र प्रतिनिधि सत्येन महतो और जतिन दास ने इस अभियान का नेतृत्व किया। छात्रों ने साफ कर दिया है कि वे अपने भविष्य के साथ किसी भी तरह के खिलवाड़ को बर्दाश्त नहीं करेंगे, और उनकी मांगें पूरी न होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

### सदर अस्पताल में जांच का टंगेगा रेट चार्ट होगी पूरी सफाई : डीसी

**RAMGARH :** रामगढ़ डीसी फैज अक अहमद मुमताज शनिवार को सदर अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने सफाई की बदतर हालत को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जिले के सैकड़ों लोग हर दिन इस अस्पताल में आते हैं। यह सफाई की और बेहतर व्यवस्था होनी ही चाहिए। निरीक्षण के दौरान डीसी ने हेल्थ चेकअप से संबंधित रेट चार्ट भी टांगने के निर्देश दिए। उन्होंने सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड, ओपीडी कक्ष, प्रयोगशाला, औषधि कक्ष, अल्ट्रासाउंड कक्ष, पुरुष एवं महिला वार्ड आदि का निरीक्षण किया। डीसी ने सदर अस्पताल उपाधिक्षक डॉक्टर ठाकुर मृत्युंजय कुमार सिंह से आम जनों को मिल रहे लाभ की जानकारी ली।

शहर के अधिकतर नाले हैं जाम, सिर्फ मीटिंग पर मीटिंग कर रहे अधिकारी

# प्रशासनिक प्रबंध में भी झोल, बारिश ने खोली नगर निकायों की पोल

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** हाल ही में हुई बारिश ने जमशेदपुर में नगर निकायों की पोल खोल कर रख दी है। लौहनगरी का ड्रेनेज सिस्टम किस कदर खोखला हो चुका है, इसकी ताजी मिसाल बस्तियों, घरों और अपार्टमेंटों में घुसा पानी है। बारिश में जब घर डूब रहे थे, तो लोग मदद के लिए नगर निकायों को फोन कर रहे थे मगर, कोई भी अधिकारी फोन नहीं उठा रहा था। बड़े अधिकारी तो फोन स्विच ऑफ कर बैठे रहे। अब आसमान साफ होने के बाद भी नगर निकायों की तरफ से नाला सफाई नहीं करा रहा है। आरोप लग रहे हैं कि नगर निकायों की निगरानी करने वाले प्रशासनिक अधिकारी भी लापरवाही बरत रहे हैं वरना कम से कम नालों की सफाई का काम तो मई तक करा ही लिया जाता।

कमोबेश यही स्थिति जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति, मानगो नगर निगम और जुगसलाई नगर पालिका की रही। जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति और मानगो नगर निगम की कमान एक ही अधिकारी कृष्ण कुमार के पास है। वह उप नगर आयुक्त हैं। वह मानगो और जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के इलाके में नाले की सफाई के लिए मार्च से ही मीटिंग कर रहे हैं। मगर, अब तक नाले साफ नहीं हो सके। मानगो नगर निगम में सोमवार को मीटिंग कर नाले की सफाई कराने का निर्देश दिया गया मगर, कहीं नाला सफाई शुरू हुई या नहीं इस संबंध में किसी अधिकारी ने सुध लेने की जरूरत नहीं समझी। इसी का नतीजा था कि मानगो में वारिस कालोनी, चाणक्यपुरी, दाईगुद्दू धोबी लाइन, कुंवर बस्ती, टी खान मैदान, नित्यानंद कॉलोनी, देशबंधु लाइन, कालिका नगर, हयात नगर, चंद्र प्रभा नगर, डिमना रेसीडेंसी, कृष्णा नगर, शांति नगर, लक्ष्मण नगर, वास्तु विहार का निचला हिस्सा, गौड़ बस्ती, राम नगर, श्याम नगर, खड़िया बस्ती, डिमना रोड राजीव पथ आदि इलाके में बाढ़ का गंदा पानी भरा रहा।

मानगो बस्ती में भरा पानी ● फोटोन न्यूज

### मानगो में सफाई कर्मियों की कमी का बहाना

मानगो में जब गुरुवार को खूब बारिश हो रही थी तो लोगों ने नगर निगम को फोन करना शुरू किया। जब नगर निगम के अधिकारियों के फोन नहीं उठे तो किसी ने जदयू तो किसी ने कांग्रेस के नेताओं को फोन किया। इसके बाद नगर निगम के अधिकारी हरकत में आए लोगों से फोन पर बात कर सिर्फ आश्वासन देते रहे। जिन बस्तियों में पानी भरा था वहां नगर निगम के कर्मचारी तो पहुंचे मगर, कोई काम नहीं कराया। सबको यही बताते रहे कि बारिश के चलते लेबर नहीं आए। लेबर आने के बाद ही काम ही काम होगा। शुक्रवार को यह बहाना बनाया जाता रहा है कि आज सिर्फ तीन सफाई कर्मी ही आए हैं। इसी वजह से ज्यादा काम नहीं हो पा रहा है। इलाके के लोगों का कहना है कि नगर निगम के लोग सभी को यह जवाब देते रहे कि लेबर कम है आपके इलाके में बाद में नाला सफाई कराई जाएगी। मगर, कहीं नाला सफाई का काम नहीं कराया गया।

### आखिर कहां गया सफाई के लिए आया फंड

मानगो में बरसात से पहले नाला सफाई नहीं होने से लोग नाराज हैं। लोगों का कहना है कि मानगो में पायल टाकीज वाले रोड पर मानगो चौक से लेकर चेपा पुल तक सड़क किनारे नाला बनाया गया है। मगर, 10 साल से अधिक का समय बीत गया इस नाले की सफाई नहीं कराई गई है। लोग सवाल उठाते हैं कि नगर निकाय विभाग हर साल सभी नगर निकायों को नाले की सफाई के लिए फंड देता है। आखिर इस फंड का कहां उपयोग होता है यह जांच का विषय है। इलाके के लोगों का आरोप है कि अगर, इस मामले की उच्च स्तरीय जांच हो जाए तो नगर निगम की पोल खुल जाएगी।

रतन टाटा की संपत्ति पर बांबे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

## जमशेदपुर निवासी मोहिनी दत्ता और सौतेली बहनों को नहीं मिलेगी हिस्सेदारी

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा की वसीयत को लेकर चल रहे एक अहम मामले में बांबे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि रतन टाटा की लिस्टेड और अनलिस्टेड कंपनियों में जो हिस्सेदारी है, वह उनकी दो चैरिटेबल संस्थाओं रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट को बराबर हिस्से में दी जाएगी। इस आदेश के साथ ही टाटा की सौतेली बहनें शिरीन और डीना जेजेभोय, और जमशेदपुर के बिरसानगर निवासी मोहिनी मोहन दत्ता को इस हिस्सेदारी से बाहर कर दिया गया है। इससे पहले अटकलें लगाई जा रही थीं कि रतन टाटा की संपत्ति से इन नामों को लाभ मिल सकता है। अदालत में पेश हुए दस्तावेजों में बताया गया कि जब टाटा की संपत्ति के प्रशासकों ने हाईकोर्ट से यह स्पष्ट करने को कहा कि रतन टाटा के इक्विटी पोर्टफोलियो का लाभ किसे मिलेगा, तो अदालत ने वसीयत और उससे जुड़े परिशिष्टों की वैधता को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय सुनाया। जस्टिस मनीष पिटाले की पीठ ने कहा कि रतन टाटा द्वारा लिस्टेड और अनलिस्टेड कंपनियों में की गई निवेश की हिस्सेदारी उनकी वसीयत में अलग से निर्दिष्ट नहीं है, इसलिए इसे उनकी अवशिष्ट संपत्ति माना जाएगा और यह उनकी दोनों फाउंडेशन को बराबर-बराबर दी जाएगी।

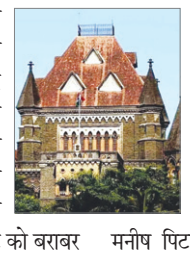

# राजधानी पटना समेत राज्य के शहर से गांव तक लोगों ने किया योग

**PHOTON NEWS PATNA :** अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शनिवार को बिहार में राजधानी पटना समेत पूरे राज्य में शहर से लेकर गांव तक खास से आम लोगों ने योग किया। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राजभवन में अंतराराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग करके निरोगी काया के लिए पूरे राज्यवासियों को प्रेरित किया।

पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में योग दिवस के मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, सांसद रविशंकर प्रसाद, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे और अन्य लोगों ने योग आसन किया। इस मौके पर पर प्रदेश अध्यक्ष दीलिप जयसवाल ने कहा कि आज पूरी दुनिया में योग दिवस मनाया जा रहा है। आज पूरी दुनिया योग के महत्व को समझ रही है और इसे अपने जीवन में उतारने का प्रयास कर रही है। जो इंसान स्वस्थ रहकर दुनिया में कुछ करना चाहता है, उसे योग जरूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में अभी दो तरह का योग चल रहा है. एक जो आप परिसर में लोगों को क्रिया करते हुए देख रहे हैं और दूसरा पॉलिटिकल योग, जिसमें लोग शरीर से क्रिया नहीं करते हैं बल्कि जुबान चलाते हैं।

योगभ्यास करने पहुंचे उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि योग मानवता के लिए एक बड़ा उपहार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा यह उपहार पूरे दुनिया को दिया गया। आज पूरी दुनिया 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। योग तन और मन को स्वस्थ रखता है। इस पृथ्वी पर मानवता को एकजुट करने का योग सशक्त माध्यम है।

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि विश्व और एक स्वास्थ्य के मुहिम के साथ इस बार योग दिवस मनाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से राज्य में बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे दुनिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किया जा रहा है। स्वास्थ्य बेहतर रहे और हम बीमारी से दूर रहें इसके लिए योग क्रिया करना बेहद जरूरी होता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के 11 वर्ष पूरे होने पर बोधगया के जयप्रकाश उद्यान में योगाभ्यास किया गया. केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी , दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ पाठक, आईआईएम बोधगया के डायरेक्टर समेत अधिकारी और शिक्षा से जुड़े लोगों के साथ विदेशी पर्यटक, छात्र और स्थानीय नेताओं ने योगाभ्यास किया।

### राजभवन में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद, पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, सांसद रविशंकर, उपमुख्यमंत्री सिन्हा और सम्राट चौधरी ने किया योग

### योगाभ्यास के साथ लोगो ने ली लोकतंत्र को मजबूत बनाने की शपथ

**CHAMPARAN :** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य आयुष समिति और जिला प्रशासन के सौजन्य से महात्मा गांधी प्रेक्षागृह के प्रांगण में फिट इंडिया, वोट इंडिया' और 'स्वस्थ मतदाता, सफल लोकतंत्र' के नारे के साथ योगाभ्यास और मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगो को योग के माध्यम से स्वयं को स्वस्थ बनाते हुए देश की मजबूती के लिए मतदान करने का आह्वान किया गया। मौके पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग न केवल व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है, बल्कि उसे प्रसन्नचित्त और सकारात्मक दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित भी करता है। उन्होंने सभी से योग अपनाने और स्वस्थ रहते हुए जीवन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

## BRIEF NEWS

### चरस तस्करी मामले में एक अभियुक्त को 10 साल का सश्रम कारावास

**CHAMPARAN :** अनन्य नारकोटिक्स एक्ट कोर्ट द्वितीय के विशेष न्यायाधीश सूर्यकांत तिवारी ने चरस तस्करी मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को दस वर्षों का सश्रम कारावास एवं दो साल रुपये अर्थ दंड की सजा सुनाई है। अर्थ दंड नहीं देने पर अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा नेपाल के पर्सा जिला के घुसुकपुर निवासी रामबाबू तिवारी को हुई है, मामले में रक्सौल थाना कांड संख्या 128/2017 दर्ज हुई थी। जिसमें कहा गया था कि 2 मई 2017 को करीब 3 बजे दिन में रक्सौल बॉर्डर के धीरवा टोला के समीप एस एस बी जवानों ने संदेह होने पर एक युवक को रोका। जांच के दौरान उसके बैग में रखे 2.500 ग्राम चरस बरामद हुआ। विचारण वाद संख्या 45/2017 विचारण के दौरान विशेष लोक अभियोजक प्रभाष त्रिपाठी ने तीन गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा।

### बिहार सरकार के पेंशन निर्णय से दिव्यांग महा परिवार में खुशी की लहर

**KATIHAR :** बिहार सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये करने के निर्णय का कटिहार दिव्यांग महा परिवार ने स्वागत किया है। शनिवार को यज्ञशाला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांग महा परिवार और कोसी क्षेत्रीय विकलांग विधवा वृद्ध कल्याण समिति के कार्यकताओं ने एक दूसरे को रंग गुलाल और मिठाई खिलाकर बधाई दी।

बिहार राज्य सलाहकार बोर्ड (समाज कल्याण विभाग) के सदस्य शिव शंकर रमानी ने कहा कि बिहार सरकार का यह निर्णय देर से ही सही, लेकिन स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि 12 वर्षों के संघर्ष के बाद यह सफलता मिली है और इसके लिए तमाम दिव्यांग भाई, बहन, विधवा और वृद्ध को धन्यवाद। कार्यक्रम में लेहलु मंडल, शेरअली, पशान कुमार, लक्ष्मी देवी, जुली शर्मा, सुनीता देवी, इंद्र कुमार श्रीवास्तव, सननी कुमार, मोनिका कुमारी, राम कुमार सहनी, मुकेश कुमार शाह आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

### मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने की 'महिला संवाद' कार्यक्रम की समीक्षा, कहा-

# हमारी सरकार ने शुरू से ही महिला सशक्तीकरण पर दिया है खास जोर

**PHOTON NEWS PATNA :** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में 'महिला संवाद' कार्यक्रम की समीक्षात्मक बैठक की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शुरू से ही हमलोगों ने महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया है। वर्ष 2006 में पंचायती राज संस्थाओं एवं वर्ष 2007 में नगर निकायों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण से शुरूआत की गयी।

मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि वर्ष 2013 से पुलिस में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। अब बिहार पुलिस में महिलाओं की संख्या 30 हजार से अधिक है. जो देश में सबसे अधिक है। वर्ष 2016 से महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूह की संख्या बहुत कम थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर राज्य में स्वयं सहायता समूह का गठन किया जिसे 'जीविका' नाम दिया, इससे जुड़नेवाली महिलाओं को हमने 'जीविका दीदी' कहा। उस समय की केंद्र सरकार ने यहां की जीविका समूह के कार्यों को देखा और उसकी प्रशंसा की तथा पूरे देश में 'आजीविका' नाम से इस योजना को चलाया।

उन्होंने कहा कि अब स्वयं सहायता समूह की संख्या 10 लाख 63 हजार से भी अधिक हो गयी है जिसमें 'जीविका दीदियों की संख्या 1 करोड़ 35 लाख से ज्यादा हो गयी है। शहरी क्षेत्रों में भी स्वयं सहायता समूह का गठन हो रहा है जिनकी संख्या 36 हजार हो गयी है जिसमें लगभग 3 लाख 80 हजार जीविका दीदियां हैं। स्वयं सहायता समूहों का गठन लगातार जारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2023 में जाति आधारित गणना कराने के दौरान लोगों की आर्थिक स्थिति की जानकारी ली जिसमें अपर कास्ट, पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित, महादलित एवं मुस्लिम समुदाय के 94 लाख गरीब परिवार पाये गये। राज्य सरकार ने निर्णय लिया था कि इन लोगों के रोजगार हेतु 2 लाख रुपये प्रति परिवार की दर से सहायता दी जायेगी जिसकी शुरूआत हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले यह विचार था कि इस काम को पांच साल में पूरा किया जायेगा। मेरी अब यह इच्छा है कि इन सभी परिवारों को एक साथ लाभ पहुंचाने की कार्रवाई अभी से ही की जाए इसके लिए मैंने अधिकारियों को निर्देशित कर दिया है। यह भी निर्देश दिया गया है कि जरूरत पड़ने पर 2 लाख रुपये की सहायता राशि को थोड़ा और बढ़ा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 नवम्बर, 2005 में सरकार में आने के बाद हमलोग राज्य के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। महिलाओं के साथ-साथ सभी वर्गों के उत्थान के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं।

### मुख्यमंत्री की 5 महत्वपूर्ण घोषणाएं

1. सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि 400 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 1100 प्रति माह किया जायेगा। सभी लाभार्थियों को जुलाई महीने से पेंशन बढ़ी हुई दर पर मिलेगी। सभी लाभार्थियों के खाते में यह राशि महीने के 10 तारीख को भेजना सुनिश्चित किया जायेगा।
2. जीविका परियोजना के तहत स्वयं सहायता समूहों को 3 लाख रुपये से ज्यादा के बैंक ऋण पर अब सिर्फ 7 प्रतिशत ब्याज देना होगा। स्वयं सहायता समूहों को पहले 3 लाख रुपये से ज्यादा के बैंक ऋण पर 10 प्रतिशत ब्याज देना पड़ता था। अब ब्याज दर घटने के बाद बैंकों को ब्याज के रूप में दी जानेवाली अतिरिक्त राशि सरकार की ओर से दी जाएगी।
3. लड़कियों के विवाह कार्यक्रम आयोजन में सुविधा के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में विवाह भवन का निर्माण कराया जायेगा। इन विवाह भवनों का संचालन जीविका दीदियों के द्वारा किया जाएगा।
4. जीविका से जुड़े सभी कर्मियों का मानदेय दोगुना किया जायेगा। इन कर्मचारियों के मानदेय वृद्धि की अतिरिक्त राशि राज्य सरकार वहन करेगी।
5. 'दीदी की रसोई' का संचालन प्रखंड स्तर तक के सरकारी संस्थानों में किया जायेगा।

## 'सांसद आपके द्वार' कार्यक्रम में विवेक ठाकुर ने निपटाए 100 मामले

**AGENCY NAVADA :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के साथ विकसित नवादा के संकल्प को साकार करने का दिशा में आयोजित सांसद आपके द्वारा जन संवाद कार्यक्रम में शनिवार को 100 मामलों का निपटारा किया गया।

काशीचक प्रखंड के चंडीनामा इंटर स्कूल परिसर में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम की सफलता में समाजसेवी मुकेश दिनकर की बेहतर सक्रियता देखी गई। कार्यक्रम में नवादा लोकसभा सांसद विवेक ठाकुर ने जनता से सीधे संवाद कर उनकी समस्यासुनकर निपटारा किया।

जन संवाद कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीणों की भागीदारी देखी गई।लोगों ने शिक्षा स्वास्थ्य सिंचाई सड़कों की स्थिति रोजगार और किसानों की समस्याओं के साथ-साथ रेलवे के भी समस्याओं से संबंधित पूरे मुद्दे संसद के समक्ष रखा। सांसद ने अधिकांश मामलों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिए और कुछ समस्याओं के समाधान के लिए संबोधित विभागों से बात करने की बात कही।

इस अवसर पर वारसलीगंज के क्षेत्रीय विधायिका अरुण देवी, समाजसेवी मुकेश कुमार दिनकर , स्थानीय जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों की भी उपस्थित रही जिन्होंने मौके पर पर कई शिकायतों पर संज्ञान लिया। इस कार्यक्रम में काशीचक के प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि पंकज सिंह, पकरी वर्मा जिला परिषद के प्रतिनिधि पंकज सिंह, भाजपा नेता प्रमोद कुमार चुन्नू, भाजपा जिला महामंत्री नंदकिशोर चौरसिया जिला जिला मंत्री मिथिलेश पासवान, सुनीता देवी, प्रोफेसर सुरेंद्र चौधरी,काशीचक मंडल अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह, मंच संचालन रिंकू सिंह, आदि शामिल थे।

## लड्डू कुमार हत्या मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी केशव कुमार को किया गिरफ्तार

**AGENCY BETTIAH :** बेतिया पुलिस जिला के मझौलिया परसा पंचायत में शुक्रवार की रात चाकू से मार कर 10 वर्षीय बालक लड्डू कुमार की हत्या के मामले में पुलिस ने छापेमारी कर शनिवार को सुबह मुख्य आरोपी नाबालिक केशव कुमार 12 वर्ष को दुबौलिया के समीप से गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पुलिस ने आरोपी के मामा फूफा एवं गांव के बालेश्वर सिंह को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दिया है।

थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने बताया कि जयप्रकाश सिंह से बालेश्वर सिंह द्वारा मोबाइल पर बातचीत करने के ट्रेस के आधार पर पूछताछ की जा रही है ।लड्डू के माता-पिता बड़ा भाई और बहन मुंबई से शनिवार को 10:00 बजे घर पहुंचे। मृत पुत्र को देखकर दहाड़ मारकर रोने लगे।

आसपास की वातावरण गमगीन हो गई।सबकी आंखें नम हो गई। परिजनों ने आरोपियों को फांसी की सजा, पिता पुत्र गिरफ्तारी के लिए मांग कर रहे थे। कुछ लोग लाश को आरोपी के दरवाजे पर जलाने के बात कर रहे थे।

लोगों को तनाव को देखते हुए परसा गांव वार्ड पांच और वार्ड 10 में जिला से पहुंचे क्विक एक्शन दस्ता टीम थाना के सभी अधिकारी एवं पुलिस बल छावनी में तब्दील हो गई। आरोपी के दरवाजे एवं मृतक के दरवाजे पर पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद रही। पिता शिव शंकर यादव, मां सुभवंती देवी , दादी कुसमी देवी ने आरोपी को सजा दिलाने की मांग करने लगे।

## सूरज हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, दो गिरफ्तार

**DEHRI :** रोहतास जिले के बिक्रमगंज पुलिस ने 8 जून को हत्या कर नोनहर आमापोखर बाधार के बीच एक कुआं में फेंके गए सूरज कुमार के हत्याकांड का उद्भेदन कर लिया है। यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा था। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है और दो विधि विरुद्ध बालकों को निरुद्ध किया है। पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेसवार्ता में इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस कांड के सफल उद्भेदन के लिए बिक्रमगंज के अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, बिक्रमगंज के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। जिसमें बिक्रमगंज और सूर्यपुरा के थानाध्यक्ष एवं तकनिकी सहायता के लिए जिला आसूचना इकाई की टीम को भी शामिल किया गया।

## डेहरी में नकली सिगरेट बनाने वाली फैक्ट्री का पुलिस ने किया खुलासा

**AGENCY DEHRI :** मुफस्सिल थाना क्षेत्र बेदा- बलथुआ में पुलिस ने छापेमारी कर नकली सिगरेट बनाने वाली एक फैक्ट्री का उद्भेदन शनिवार को किया।

पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान बलथुआ स्थित वृदावंन मार्केट के बेसमेंट में चल रहे फैक्ट्री की मशीन जिसकी अनुमानित कीमत तीन करोड़ उसे जब्त कर लिया।

एसडीपीओ सासराम दो कुमार वैभव के नेतृत्व में की गई छापेमारी के दौरान कारखाना व उसके गोदाम से तीन करोड़ की नकली सिगरेट के अलावा सिगरेट बनाने वाला कच्चा माल जिसकी अनुमानित कीमत एक करोड़ को भी जब्त किया गया है।

एसपी रौशन कुमार के अनुसार इस मामले में फैक्ट्री के मालिक यूपी के बलिया जिला के नरही थाना के सिंदुरिया ग्राम निवासी गोपाल ओझा को शहर के राजकालोनी स्थित उनके किराया के मकान से गिरफ्तार किया गया है। वहीं फैक्ट्री के सुपरवाइजर यूपी के वाराणासी जिला के बड़ागांव निवासी राजेश कुमार मिश्रा को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

एसपी ने बताया कि पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि पिछले सात वर्ष से यहां पर नकली सिगरेट बनाने का कार्य किया जा रहा था। फैक्ट्री में गोल्ड फ्लैक समेत दस अन्य ब्रांडों के नाम पर सिगरेट बनाकर पैकिंग की जा रही थी। फैक्ट्री को संचालित किए जाने के कार्य में प्रयोग में लिए जाने वाले 50 एचपी का जेनरेटर भी जब्त कर लिया गया है।

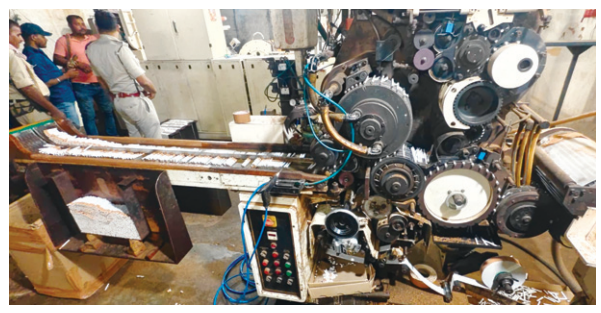

### जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने पत्रकार वार्ता में कहा-

# विभाग मुस्तैद, क्षतिग्रस्त तटबंधों की मरम्मत के लिए कर रहा कार्य

**PHOTON NEWS PATNA :** बिहार सरकार में जदयू कोटे के जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने सिंचाई भवन स्थित सभागार में शनिवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि जल संसाधन विभाग पूरी मुस्तैदी और गंभीरता के साथ क्षतिग्रस्त तटबंधों की मरम्मत के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रहा है। वरीय अधिकारियों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है तथा सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जा रहे हैं।

मंत्री चौधरी ने कहा कि विभाग लापरवाही के मामलों में शून्य सहनशीलता की नीति अपना रहा है। उन्होंने कहा कि अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरतने वाले एक कार्यपालक अभियंता और संबंधित कनीय अभियंताओं को तत्काल प्रभाव से निर्लंबित कर दिया गया है। कुल सात अभियंताओं की पहचान करते हुए विभागीय कार्रवाई प्रारंभ की गई है। उच्च अधिकारियों की भूमिका की भी समीक्षा की जा रही है और उनके विरुद्ध भी उचित कार्रवाई की जाएगी। विजय चौधरी ने कहा कि प्रभावित स्थलों पर दो अतिरिक्त कार्यपालक अभियंता एवं दो सहायक अभियंताओं की तत्काल प्रतिनियुक्ति की गई है ताकि कार्यों में गति लाई जा सके। विभाग के सभी स्तर के अधिकारी जिला प्रशासन से समन्वय कर लगातार स्थलय निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं, जिससे कई संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षित किया जा सका है।

पत्रकार वार्ता में विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने बताया कि 18 जून से झारखंड में लगातार हो रही बारिश की वजह से वहां से उद्गमित होने वाली निरंजना, मुहाने, उत्तर कोयल, सकरी, पंचाने आदि नदियों में अत्यधिक जलश्राव / जलस्तर दर्ज किया गया है।

उन्होंने कहा कि बीती रात 09:00 बजे उदेरास्थान बराज, जहानाबाद से 73,067 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जो विगत वर्ष के अधिकतम जलश्राव 68,268 क्यूसेक से 4439 क्यूसेक अधिक है। फलस्वरूप बराज के निम्नप्रवाह में अवस्थित बंधुगंज कॉजवे गेज स्टेशन पर 19 जून को 62.15 मीटर का नया उच्चतम जलस्तर दर्ज किया गया। जो पूर्व के उच्चतम जलस्तर से 0.15 मीटर अधिक है।

पत्रकार वार्ता में जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी व अन्य

## अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक को मिली अपहरण करने की धमकी

**AGENCY CHAMPARAN :** जिले के रक्सौल अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन कुमार को अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण की धमकी देने का मामला सामने आया है।

घटना के बाद डॉ. राजीव ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी विस्तृत जानकारी जिलाधिकारी और सिविल सर्जन को दी है। मिली जानकारी के अनुसार, लक्ष्मीपुर लछुमनवा पंचायत के सेमरी गांव स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। उसी भवन का एनओसी लेने एक युवक अस्पताल पहुंचा। पूछताछ करने पर पहले उसने खुद को संवेदक बताया, लेकिन उसके पास भवन निर्माण से संबंधित कोई वैध कागजात नहीं थे। इस पर उपाधीक्षक ने उससे कहा कि

वह आवश्यक दस्तावेजों के साथ पुनः अस्पताल आए। इसके बाद वह युवक अस्पताल से बाहर निकला और किसी को फोन लगाया। कुछ देर बाद वह फिर से डॉ. राजीव के पास आया और एक फोन उन्हें पकड़ा दिया। फोन पर मौजूद व्यक्ति ने डॉ. राजीव से बदसलूकी करते हुए कहा कि यदि एनओसी नहीं दी गई तो उन्हें रक्सौल से उठवा लिया जाएगा।

## नशा के खिलाफ एसएसबी की जागरूकता रैली और कार्यशाला का आयोजन

**ARARIA :** एसएसबी 56 वीं बटालियन के कमांडेंट सुरेन्द्र विक्रम के दिशा निर्देश पर बाह्य सीमा चौकी ई समवाय की ओर से बेला कार्य क्षेत्र में नशा के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से शनिवार को साइकिल जागरूकता रैली निकाली गई। बाह्य सीमा चौकी ई समवाय के प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार शर्मा के नेतृत्व में एसएसबी के जवानों और ग्रामीणों ने जागरूकता साइकिल रैली में भाग लिया।एसएसबी के जवानों ने नशा और नशीली दवाईयों के इस्तेमाल से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी और नशा से दूर रहने की आमजनों से अपील की। मौके पर नशा के दुष्प्रभाव को लेकर कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

# इजरायल-ईरान संघर्ष : परमाणु बम की बुनियाद पर

आनन्द अग्निहोत्री

**इस्राइली सेना ने बयान जारी कर ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा बताते हुए कहा है कि खुफिया जानकारी के अनुसार वो परमाणु हथियार हासिल करने के बेहद करीब है। इस्राइली सेना के प्रवक्ता बीजी एफी डेफिरन ने कहा, 'हम ईरानी शासन को ऐसे परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दे सकते जिससे इस्राइल और दुनिया के लिए खतरा हो, इसलिए इस्राइल ने तैयारी के साथ ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया है'**

इजरायल और फिलस्तीन के बीच युद्ध का दौर एक सदी से भी पुराना है। पिछले वर्ष भी यह जारी था। इजरायल बराबर गाजा पर हमले कर रहा था। अचानक इस युद्ध की दिशा मुड़ जाती है।

इजरायल फिलस्तीन से टकराव को छोड़ कर अचानक ईरान की ओर मुड़ जाता है। फिर 13 जून को ईरान पर जबर्दस्त हवाई हमला करता है। सवाल उठता है कि यह इतना अचानक क्यों? विचारणीय बात यह है कि इजरायल क्यों इतनी खूरेजी पर आमादा हो गया। उसकी एयर स्ट्राइक का पहला निशाना ईरान के परमाणु क्षेत्र और परमाणु वैज्ञानिक थे। सेनाधिकारियों के अलावा ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक भी मारे गए। तो क्या इजरायली हमले का मकसद ईरान का परमाणु अनुसंधान रोकना है। अगर ईरान परमाणु हथियार बनाने के अनुसंधान में लगा है, तो इससे इजरायल का क्या नुकसान है?

इस सवाल का जवाब तलाश करने के लिए हम एक बार फिर लौटते हैं इजरायल-फिलस्तीन युद्ध की ओर। इस युद्ध का जनक ब्रिटेन था। उसने ही इजरायली और फिलिस्तीन के मुसलमानों के बीच जंग शुरू कराई। इजरायल में रहने वाले यहूदी मतावलंबी मुसलमानों से वैर मानते हैं। छोटा-सा इजरायल इसी कारण सारे मुस्लिम देशों से वैरभाव रखता है। ईरान भी उनमें एक है, और उसका पड़ोसी मुल्क है। अगर ईरान परमाणु शक्ति संपन्न हो जाता है तो निश्चित रूप से इजरायल के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। जाहिर है कि ऐसे में इजरायल उसे हर हाल में इस कोशिश से विफल करना चाहेगा।

इजरायल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को क्षति पहुंचाने के लिए कई बार गुप्त हमले किए। इनमें ईरानी परमाणु कार्यक्रम के जनक मोहसिन फखरीजादेह की हत्या तक करा डाली लेकिन ईरान का परमाणु कार्यक्रम रु का नहीं। इजरायल बराबर प्रयास करता रहा। संयुक्त राष्ट्र में हिज्बुल्लाह-हमास विरोधी अभियानों का तो समर्थन किया गया था, लेकिन ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला कर उसे तबाह करने के प्रयासों पर वीटो के जरिए रोक लगा दी गई। ऐसे में इजरायल को इंतजार था सही वक्त का और वह वक्त मिला

उसे अमेरिका की सत्ता पर दोबारा डोनाल्ड ट्रंप के आने पर। अमेरिका भी ईरान पर परमाणु संधि के लिए दबाव डाल रहा है। इजरायल के हमले से दोनों के लक्ष्य सधते प्रतीत हो रहे हैं।

इस संधि के लिए ही ईरान पर दबाव बनाने के लिए इजरायल ने हमला बोला है। दरअसल, यह टकराव सिर्फ ईरान और इजरायल का नहीं है। बेशक, मोर्चे पर ये दोनों देश हैं, लेकिन इनकी सरपरस्ती अलग-अलग देश कर रहे हैं। जब से ट्रंप अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उनका सबसे बड़ा लक्ष्य दुनिया का सबसे बड़ा चौधरी बनने का है। रूस-यूक्रेन टकराव हो, भारत-पाक टकराव या अब ईरान-इजरायल टकराव, हर जगह चौधरी बनना चाहते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने में उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। कारण भी साफ है। रूस अमेरिका से कमजोर नहीं है, और रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन न तो अलग यूक्रेन को मान्यता देंगे और न ही इस बारे में ट्रंप की कोई बात मानेंगे। रही भारत-पाक टकराव के बाद सीजफायर की बात उसमें भी वह अब तक 17 बार दावे कर चुके हैं कि उनके कहने पर ही दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ।

इसके उलट ट्रंप को पाकिस्तान से इसलिए प्यार है कि पाकिस्तान को अड्डा बना कर ही अमेरिका ने अफगानिस्तान से रूस का वर्चस्व समाप्त कराया। अब चीन और भारत, दोनों को दबा कर ट्रंप एशिया महाद्वीप में अपनी धाक कायम रखना चाहते हैं। जहां तक इजरायल और ईरान की बात है, वहां भी चौधरी बनने के लिए ट्रंप ने साफ-साफ कहा है कि हमने जो भारत-पाकिस्तान में कराया वही ईरान-इजरायल टकराव में भी कराएंगे। इजरायली हमले का मकसद ईरान का परमाणु कार्यक्रम रोकना है, और इसे शह दी है ट्रंप ने। इजरायल के हमले में ईरान की जो क्षति हुई है, वह इस बात का ताजा सबूत है। 13 जून को इजरायल ने ईरान के खिलाफ ह्यऑपरेशन राइजिंग लॉयनह्ल शुरू किया और इसके तहत ईरान में कई जगहों पर बड़े हमले किए। हमलों के बाद इजरायली सेना ने बयान जारी कर ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा बताते हुए कहा कि खुफिया जानकारी के अनुसार वो परमाणु हथियार हासिल करने के बेहद करीब है। ईरान छह साइटों पर परमाणु अनुसंधान कार्यक्रम चला रहा है। इन साइटों पर यूरेनियम संवर्धन का काम चल रहा है।

इसमें उसकी मदद रूस और पाकिस्तान कर रहे हैं। इतना यूरेनियम उसके पास हो गया है कि वह कम से कम नौ परमाणु बम तैयार कर सकता है। अभी तक वह इतने बम तैयार कर पाया या नहीं, इस बारे में स्थिति साफ नहीं है, हालांकि ट्रंप का दावा है कि ईरान के पास अभी परमाणु हथियार नहीं हैं। जंग के इन छह दिनों में इजरायल ने नतांज और बोशहर पर हमले किए। सिर्फ नतांज को कुछ हद तक क्षति पहुंचा सका। बाकी सभी जगह यूरेनियम संवर्धन का काम जारी है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने भी आंशिक क्षति की बात स्वीकार की है। बड़ा सवाल यह है कि क्या इजरायल ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोक पाएगा। इसका जवाब देने के पहले ईरान की उन छह साइटों की सुरक्षा व्यवस्था जान लेते हैं, जहां यूरेनियम संवर्धन का काम हो रहा है। ईरान ने इनकी सुरक्षा की ऐसी व्यवस्था की है कि इजरायल के लिए इसे भेद पाना मुश्किल है।

अगर उसके लिए यह संभव होता तो जाने कब इन साइटों को तबाह कर चुका होता। इन साइटों को तबाह करने की ताकत अमेरिका में है। लेकिन अगर वह सीधे जंग में कूदा तो स्थितियां और विकट हो जाएंगी। हालांकि ट्रंप कह चुके हैं कि जरूरत पड़ी तो जंग में भी शिरकत करेंगे, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ट्रंप ऐसा करते हैं, तो यूक्रेन से युद्ध में लगे रहने के बाद भी रूस ईरान की ओर से मैदान में आ जाएगा। चीन ने जंग के बीच गुप्त रूप से ईरान को हथियार सप्लाई कर अपना रु ख पहले ही साफ कर दिया है। पाकिस्तान कितना भी कमजोर हो, लेकिन है तो ईरान के साथ ही। यह दीगर बात है कि अमेरिका के दबाव में उसने स्वयं को नियंत्रित कर रखा है। हालांकि इतना साफ है कि ट्रंप जंग में कूदे तो तीसरे विश्व युद्ध की स्थिति पैदा हो जाएगी।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

## संपादकीय

### कबीलाई होती जंग

ईरान-इजरायल के एक-दूसरे पर हमले जारी हैं। इजरायली मीडिया के अनुसार तेल अवीव के अस्पताल को ईरानी मिसाइल से हमला हुआ। जिसमें कम से कम चालीस लोग घायल हैं। हजार बिस्तरों वाला यह अस्पताल दक्षिणी इजरायल के तकरीबन दस लाख लोगों को सेवा प्रदान करता है। जिसके कई हिस्से क्षतिग्रस्त बताये जा रहे हैं। हफ्ते भर पहले इजरायल ने ईरान के सैन्य स्थलों, परमाणु वैज्ञानिकों व अन्य महात्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बना कर हमला चालू किया था। उसने अराक भारी जल रिएक्टर पर भी हमला किया। इजरायल का आरोप है कि वह ईरान को अपने खतरे के रूप में देखता है और पिछले कुछ महीनों से परमाणु हथियार बनाने की योजना को गति दी है। इसलिए उसके पास हमले के अतिरिक्त कोई हल नहीं है।

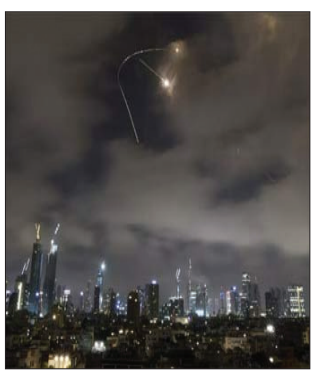

उसका तर्क है, वह परमाणु हथियार का प्रयोग उसे नेस्तनाबूद करने के लिए कर सकता है। आरोप हैं कि उसने चार सौ किलोग्राम यूरेनियम एकत्र कर लिया है। इजरायल के पास नब्बे परमाणु हथियार होने की आशंका व्यक्त की जाती है। हालांकि उसने कभी इसकी पुष्टि नहीं की है। मगर वह परमाणु अप्रसार संधि का हिस्सा नहीं है। बचाव में या कहें कि बदले के तौर पर ईरान ने लगातार हमले किए। मगर अस्पताल, स्कूल या रिहाइशी इलाकों में इस तरह के खतरनाक हमलों को मानवीय नहीं ठहराया जा सकता। कुल मिलाकर यह संघर्ष न सिर्फ दो मुल्कों तक सीमित रहने वाला है बल्कि विश्व को दो धड़ों में बांट सकता है। ईरानी सर्वोच्च नेता अली खामेनेई धार्मिक कट्टर विचारधारा के लिए जाने जाते हैं, जिनके पास असीम शक्तियां हैं। मगर वहां की जनता का बड़ा भाग उनके विरोध में भी है, जबकि अमेरिका इजरायल का बड़ा दोस्त माना जाता है। ईरान के पीछे रूस है। इसलिए इस सारे उकसावे के पीछे उसका भी हाथ माना जा रहा है। अब तक भले ही रूस संतुलित व सतर्क नजर आ रहा था मगर इजरायल की तरफ से बढ़ते हमले के जवाब में दिया गया हो। सवाल है, इजरायल केवल ईरान को धमकाने और परमाणु कार्यक्रमों को निशाना बनाने के लिए तो इतना बड़ा कदम नहीं उठा रहा है। इसके पीछे तेल की कीमतों का भी व्यापक असर देखा जा रहा है। रूस करे या अमरीका, दोनों को युद्ध रोकने के प्रति कूटनीतिक रूप से कदम आगे बढाना होगा। कहीं ऐसा न हो, बंदरों के झगड़े का लाभ बिल्ली उठा ले। बगैर वैश्विक शांति व ईरानी-इजरायली बाशिंदों की जान की परवाह के।

## सूक्ति

करुणा में शीतल अग्नि होती है जो क्रूर से क्रूर व्यक्ति का हृदय भी आर्द्र कर देती है।

- सुदर्शन

जैसे जल द्वारा अग्नि को शांत किया जाता है वैसे ही ज्ञान के द्वारा मन को शांत रखना चाहिए।

- वेदव्यास

## चिंतन-मनन

### कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

# लोकतंत्र को बचाने में मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण

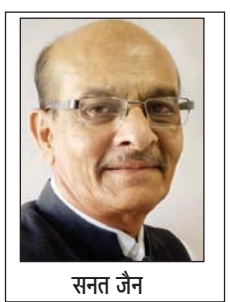

सनत जैन

बिहार और झारखंड विधानसभा के चुनाव इसी वर्ष होने जा रहे हैं। अगले साल असम, पश्चिम बंगाल, पांडिचेरी, तमिलनाडु और केरल के विधानसभा चुनाव हैं। भारत में लोकतंत्र बचाओ अभियान विपक्ष चला रहा है। लोकतंत्र को बचाए रखने में मतदाताओं का सजग होना जरूरी है। मतदाताओं को अधिकार और कर्तव्यों का ज्ञान होना जरूरी है। मतदाताओं की रुचि अपने अधिकारों और लोकतंत्र को बनाए रखने की नहीं होगी, तो सत्ता में बैठे हुए लोग बहुमत के आधार पर सत्ता में बने रहने के लिए जवाबदेही से बचते हैं। बहुमत के बल पर इस तरह के नियम और कानून बनाते हैं। जिसके कारण नागरिकों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अधिकार सीमित होते चले जाते हैं। नियम और कानून की आड़ में नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन होने लगता है। सरकारों की ताकत बढ़ जाती है। मतदाता सरकारों पर निर्भर होकर रह जाते हैं। लोकतंत्र में चुनाव एक सेफ्टी वाल की तरह होता है। जो लोगों की नाराजगी को चुनाव के दौरान सामने लाता है। सत्ता में यदि समय-समय पर परिवर्तन होते हैं, ऐसी स्थिति में सरकारें जनता के प्रति जवाबदेह होती हैं। लोकतंत्र के लिए सबसे पहले खतरा अधिनायकवाद है। जब भी कोई सरकार आलोचना और असहमति से बचने लगती है। नागरिकों के अधिकारों को तरह-तरह के कानून बनाकर नियंत्रित करने की कोशिश करती है। उसके कारण अधिनायकबाद बढ़ता चला जाता है। नागरिकों के अधिकार सीमित होते चले जाते हैं। हाल ही में जिस तरह से बुलडोजर न्याय चल रहा है और सांसदों और विधायकों के अधिकार सीमित होते चले जा रहे है। जिस तरह से आम आदमी के ऊपर टेक्स बढ़ाये जा रहे हैं। नागरिकों की स्वतंत्रता, मौलिक अधिकार और लोकतंत्र पर सबसे बड़ा खतरा महसूस किया जा रहा है। जब कोई भी सत्ता बार-बार लंबे समय तक बनी रहती है। उसमें वंसवाद और अधिनायकवद बढ़ता जाता है। जो आगे चलकर तानाशाही में बदल जाता है। इस स्थिति में जनता की सुनवाई नहीं होती है। जब सरकार बड़े बहुमत के साथ सत्ता में आती है। ऐसे समय पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र भी समाप्त हो जाता है। जिसके कारण लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं समाप्त होने लगती हैं। वर्तमान में जिस तरह से राजनीति में धर्म, जाति, राष्ट्रवाद, बेनामी संपत्ति, धनबल और बाहुबल बढ़ा है। वह लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक स्थिति है। जब केंद्र एवं राज्यों में एक ही राजनीतिक दल की सरकारें लंबे समय तक रहती है। जैसा वर्तमान में कहा जा रहा है, डबल इंजन की सरकार को चुनें अन्यथा नुकसान होगा। जहां पर सिंगल इंजन की सरकार है। वहां पर केंद्र की सरकार उनके साथ भेदभाव करती है। जिसके कारण संघीय व्यवस्था और लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं डगमगाने लगी हैं। डॉक्टर अंबेडकर ने भी जब संविधान पर चर्चा हो रही थी। तब इस तरह की स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी। केंद्र की सरकार राज्यों की शक्ति कम करने की कोशिश करती है। डबल इंजन की सरकार का जुमला अपने आप में लोकतंत्र और संघवाद के खिलाफ है। चुनाव के पूर्व सभी राजनीतिक दल अपने-अपने घोषणा पत्र लेकर जनता के पास जाते हैं। उसके आधार पर जनता के मत को प्राप्त करते हैं। बाद में राजनैतिक दल की गई घोषणाओं से पल्ला झाड़ लेते हैं। यह मतदाताओं के साथ धोखा है। धोखाधड़ी कर-के राजनैतिक दल चुनाव जीत जाते हैं। भारत में अभी इस तरह की धोखाधड़ी के आधार पर सरकारों को नियंत्रित करने का कोई प्रावधान नहीं है। जिसके कारण पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति बड़े पैमाने पर बढी है चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को तरह-तरह के प्रलोभन दिए जाते हैं। चुनाव जीतने के बाद मतदाताओं के प्रति सरकार असवंदेनशील हो जाती है। लोकतंत्र को यदि बचाए रखना है, तो इसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी मतदाताओं की है। भारत की एक तिहाई आबादी अभी भी गरीबी रेखा के नीचे है। बेरोजगारी और महंगाई से आम आदमी त्रस्त है। स्वास्थ्य और शिक्षा का ढांचा पिछले कुछ वर्षों में बड़ी तेजी के साथ कमजोर होने लगा है। भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहा है। राजनीतिक दलों और सरकार के उच्च पदों के लोग आम जनता की जरूरतों को समझने और हल करने के मामलों में संवेदनशील नहीं है। जिसके कारण एक अराजकता जैसा माहौल बनने लगा है। सत्ता में बैठे हुए लोगों की जिम्मेदारी तय नहीं हो रही है। लोकतंत्र को बनाए रखना इस समय की सबसे बड़ी चुनौती है। 1975 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था। वह संवैधानिक और कुछ समय के लिए था। सत्ता में बने रहने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा सत्ता का दुरूपयोग किया जा रहा है। उसके कारण संवैधानिक प्रावधानो का पालन नहीं हो रहा है। मुकदमे बढ़ती चली जा रही है। आम आदमी मुकदमे लड़ नहीं सकता है। अपने अधिकारों के लिए लड़ना नागरिक भूलता जा रहा है। जिसके कारण लोकतंत्र इस समय अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। समय रहते मतदाताओं को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। राजनीतिक दलों और सामाजिक संस्थाओं को भी लोकतंत्र को बचाए रखने के लिए जन जागरण करने आगे आना होगा। तभी जाकर संविधान और लोकतंत्र को सुरक्षित रख पाएंगे।

# दिलों को ही नहीं, विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है संगीत

ललित गर्ग

संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। यह ईश्वर का मानव को अनमोल उपहार है। क्योंकि एक सुर, जो जोड़ता है दुनिया को बिना बोले, धुनों से रचता है मनुष्य मन की कहानी। संगीत न केवल शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम है बल्कि यह हमारी भावनाओं को जुबान देता है, यह तनाव कम करता एवं अनेक बीमारियों से मुक्ति भी देता है। संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देता है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ने में संगीत सबसे असरदार माध्यम है। संगीत को दुनिया की सबसे आसान और बेहतरीन भाषा मानी जाती है। संगीत की इन्हीं विलक्षण एवं अद्भुत विशेषताओं के कारण ही 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 की थीम है 'सद्भाव के माध्यम से उपचार', जो संगीत की एकजुटता और उत्थान की क्षमता पर जोर देता है। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता, सद्भाव, सौहार्द तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

संगीत दिवस को 'फेटे डी ला म्यूजिक' के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है 'संगीत उत्सव'। विश्व संगीत दिवस 110 देशों में ही मनाया जाता है जिनमें जर्मनी, इटली, मिस्र, सीरिया, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, कांगो, कैमरून, मॉरीशस, फिजी, कोलम्बिया, चिली, नेपाल, और जापान आदि हैं। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। इस त्यौहार के अलग-अलग देशों में अलग-अलग नाम हैं, उदाहरण के लिए फ्रांस में 'ला फेते डे ला म्यूजिक', यूके में 'मेक म्यूजिक डे', इटली में 'फेस्टा डेला म्यूजिका' या पोलैंड में 'स्विएटो मुजिकी'। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में सपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं।

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। इस संगीत का प्रारंभ वैदिक काल से भी पूर्व का है। इस संगीत का मूल स्रोत वेदों को माना जाता है। पंडित शारंगदेव कृत 'संगीत रत्नाकर' ग्रंथ मे भारतीय संगीत की परिभाषा 'गीतम, वादयम् तथा नृत्यं त्रयम संगीतमुच्यते' कहा गया है। गायन, वाद्य वादन एवम् नृत्य; तीनों कलाओं का समावेश संगीत शब्द में माना गया है। तीनो स्वतंत्र कला होते हुए भी एक दूसरे की पूरक है।

भारतीय संगीत के दो प्रकार प्रचलित है; प्रथम कर्नाटक संगीत, जो दक्षिण भारतीय राज्यों में प्रचलित है और दूसरा हिन्दुस्तानी संगीत शेष भारत में लोकप्रिय है। भारतवर्ष की सारी सभ्यताओं में संगीत का बड़ा महत्व रहा है। धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं में संगीत का प्रचलन प्राचीन काल से रहा है। इस रूप में, संगीत भारतीय संस्कृति की आत्मा मानी जाती है। वैदिक काल में आध्यात्मिक संगीत को मार्गी तथा लोक संगीत को 'देशी' कहा जाता था। कालांतर में यही शास्त्रीय और लोक संगीत के रूप में दिखता है। भारत में संगीत मुगल बादशाहों की छत्रछाया में और कर्नाटक संगीत दक्षिण के मन्दिरों में सर्वाधिक विकसित हुआ। इसी कारण दक्षिण भारतीय कृतियों में भक्ति रस अधिक मिलता है और हिन्दुस्तानी संगीत में श्रृंगार रस। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है।

संगीत मनोरंजन का जरिया ही नहीं, बल्कि यह देशों-दुनिया की संस्कृति को भी समझने में मदद करता है। खुशी हो या फिर गम, संगीत दिल को सुकून देता है। कहते हैं संगीत की कोई भाषा नहीं होती, यह सरहदों के पार होता है, दिल से निकलकर दिल तक पहुंचता है। संगीत को प्रेम की भाषा भी कहा जाता है। किसी के दिन की शुरूआत संगीत से होती है तो किसी की रात संगीत पर खत्म हो जाती है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है। संगीत सिर्फ सात सुरों में बंधा नहीं होता। इसे बांधने के लिए विश्व की सीमाएं भी कम पड़ जाती हैं। अगर इसे महसूस करें तो दैनिक जीवन में संगीत ही संगीत भरा है-कोयल की कूक, पानी की कलकल, हवा की सरसराहट, मन्दिर की झंकार, हर जगह संगीत ही तो है, बस जरूरत है तो इसे महसूस करने की। किसी के लिए संगीत का मतलब अपने दिल को शांति देना है तो कोई अपनी खुशी का संगीत के द्वारा इजहार करता है। प्रेमियों के लिए तो संगीत किसी रामबाण या ब्रह्मास्त्र से कम नहीं। संगीत में मूड ठीक करने की अद्भुत ताकत होती है। अच्छा संगीत बेचैनी कम करता है। शोध कहते हैं कि घंटों काम कर रहे व्यक्ति का कुछ देर अच्छा संगीत सुनना उनकी रचनात्मकता व कार्यक्षमता को बढ़ा सकता है।

संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत, ध्वनि का ऐसा लयबद्ध व्यवहार है जो हमें अपने आपसे जोड़ने में सहायक सिद्ध होता है। भारतीय संस्कृति में भी विभिन्न वाद्य-यंत्रों एवं उनसे उत्पन्न ध्वनि, राग-रागिनियों का विशिष्ट महत्त्व है। यूं तो सृष्टि के कण-कण में संगीत है फिर चाहे यह बहती हुई नदिया की धारा हो या किनारे से टकराकर लौटती समंदर की प्रचंड लहरें। बहती हुई हवा और उस पर झूमते-लहराते पत्ते भी हृदय के इसी तरंगित साज को अभिव्यक्ति देते प्रतीत होते हैं। कुल मिलाकर संगीत हमारी आत्मा में इस तरह रच-बस चुका है कि इसके बिना जीवन की कल्पना ही व्यर्थ है। बहुत से लोगों को किसी दर्द को कम करने या फिर दर्द से जूझने के लिए भी संगीत सहायक साबित होता है। इससे मानसिक ही नहीं बल्कि शारीरिक दर्द भी कम होता महसूस होता है। आपकी कोमल भावनाओं की सहज, सुन्दर अभिव्यक्ति है, संगीत। इन्हीं पलों को उल्लास के साथ जीने के लिए प्रेरणा देता है विश्व संगीत दिवस।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# Writing the Emergency: Early notes from the underground

Next week, it will be 50 years since the Emergency was proclaimed by Indira Gandhi. Like last year, when the new parliament was constituted, it is bound to generate a lot of rhetoric, blame, counter-blame and also false moral equivalences with the present.

When it comes to documenting the brutalities of the Emergency, a good majority of the literature falls under the genre of memoir, which captures emotion, heroics and suffering. These came much after the Emergency was lifted, and after many cubic feet of water had passed under the arches of Indian politics. But equally or more fascinating was the vigorous real-time pamphleteering that happened during the Emergency.It is pamphlets, both anonymous and signed, that characterised the Emergency and scarred the Congress and the Nehru-Gandhi dynasty permanently. They constructed an enduring perception of the time.

It may be instructive to revisit the very first underground pamphlet that was smuggled out of India via London during this time, and published in faraway United States by a diaspora group called Indians for Democracy (IFD). The pamphlet was provocative, polemical and plain angry, with colourful phrases of personal attack on Indira Gandhi.

The pamphlet's ideological position was clear and the international references it made not just automatically created a wider appeal, but looked like a deliberate effort to seek a bigger audience. It invoked the historical context of Nazi Germany to drive home the emerging situation in India rather effectively. In parts, it was also an instruction manual on how to build resistance while underground.The words 'fascist' and 'dictator' was liberally sprinkled for Indira Gandhi in almost every paragraph of the long document, which was roughly over 5,000 words long. Indira Gandhi was all through referred to with 'Nehru' as her middle name—'Indira Nehru Gandhi'.The author of the 'historical document' was George Fernandes, chairman of the Socialist Party of India. It was datelined June 26, 1975, at Gopalpur-by-sea, where his wife Leila Kabir's family had a bungalow, and from where he had escaped arrest. The IFD publication date was July 1, 1975. This meant it had travelled across the seas with remarkable speed, within a week of it being penned.There was a short covering letter to the pamphlet, which said that all the firepower of the British army and all the repressive measures of the imperialists had come to nothing before Mahatma Gandhi's movement of non-violence. Therefore, the response to "this violent war on the people" of India should remain peaceful and non-violent. "Of course, Mrs Gandhi and her sycophants lack the conscience and sense of history that the British possessed… She will go like all the despots have gone before her—into the dustbin of history," it proclaimed.The beginning had three quotes on democracy and dictatorship by Mahatma Gandhi, Jayaprakash Narayan and Rammanohar Lohia. Then, it said, that Nehru's daughter presenting herself as a "dictator" was not surprising because one saw it coming. It had become evident when Indira Gandhi had started filling up her party with "defectors, opportunists, time-servers, sycophants, with a large sprinkling of riffraff and other scum of our society".Fernandes calls the proclamation of the Emergency the "blackest day yet" in the nation's torturous history. He says Indira Gandhi had administered the coup de grace to whatever remained of Indian democracy. It was about "evil's triumph over good" and all that was "decent in our society".

# India must win over neighbours or will lose out

**China has won over these countries by providing timely financial, infrastructural and other material support as required by them.**

TO subdue an enemy without fighting is the acme of skill — Sun Tzu, the famous Chinese General, said this around 500 BC; it holds good today as well. The Chinese have been good students of their old military strategist, as can be seen in their 'String of Pearls' geopolitical strategy vis-a-vis the Indian sub-continent and the Indian Ocean through which a large percentage of global shipments pass.They have built ports in Gwadar (Pakistan), Hambantota (Sri Lanka), Kyaukpyu (Myanmar) and Djibouti. When tied with their Belt and Road initiative, their domination of the region and ability to project Chinese trade and military strength is apparent. Their economy grew at 9 per cent from 1978 to 2005, propelling them from being one of the poorest countries to the second-largest economy in the world.At the same time, a long-term geopolitical strategy was also put into motion. These ports and other infrastructure have been decades in the making. Today, while observing the political map of the sub-continent, one can't avoid seeing the increasingly isolated environment that we find ourselves in. The entire northwestern border with Pakistan is hostile; to the northeast, China dominates the canvas, with a hostile Bangladesh, a neutral Nepal, rogue Myanmar and a fragile Bhutan. To the south, Sri Lanka finds itself increasingly under Chinese influence. The Tamil-Sinhalese conflict over the years, followed by a misguided IPKF operation, eroded a lot of trust. Nothing much has been done in the following decades to repair this relationship. Maldives, an old ally, barely tolerates us today. We have no meaningful trade agreement with Southeast Asia, so where do we stand?The world is caught up in a whirlpool of extreme violence and there are so many more flashpoints which can only lead us to further violence. Three years ago, when war erupted in Ukraine, our Prime Minister gave a call to shed violence — "this is not an era of war" found resonance around the globe. However, since then, the world seems irrevocably drawn towards the vortex of a cataclysmic denouement. Before coming to the catastrophe taking place in the Middle East and Ukraine, let us first see how we are placed in today's scenario.It is true that we have almost never sought war, but when it has come calling at our door, we have always stepped up and defended ourselves. However, the important thing is to deflect war from our borders before it starts to take a toll. For this, deft diplomacy is called for, backed with a very strong defence force. We should be proactive first in our neighbourhood and with our friends around us. We seem to be having hardly any friends in our vicinity. This is not an overnight development but the result of painstaking policy initiatives taken by China in the absence of any meaningful effort by us. Whereas we have sought to live in self-denial, China has played deft hardball and won over these countries by providing timely financial, infrastructural and other material support as required by them. Now they have the capacity to disturb our borders and border states, whether it's the northeast or northwest. An active diplomatic mission with strategic goals could have avoided this scenario.

In Kashmir, where our land was stained by Pakistani

agencies in their quest for bloodlust, we stood firm, and our political leadership and armed forces were resolute and decisive in their response. The result of proactive measures was that after four days, the enemy sued for peace, and we generously accepted their plea, although there was a strong lobby in favour of more stringent action. US President Trump did claim credit for the ceasefire, but our PM has categorically told him that India has never and will never accept third-party mediation.

The US, its President and military leadership have praised Pakistan for its so-called help in containing terrorism. Its military spokesperson conveyed this in very laudatory terms before the US Senate Armed Forces Committee. And Trump hosted the Pakistani Army Chief at the White House on Wednesday.In the recent cross-border skirmish, the Chinese, of course, were with the Pakistanis, the Russians not as effusive in their support to us as before and the American tone and tenor were disparaging. Compare this with the Treaty of Peace, Friendship and Cooperation signed between India and the Soviet Union in 1971. The US deployed the 7th Fleet, while the UK sent a carrier group against us. However, the Soviets countered the pincer move with a deployment of nuclear submarines and destroyer groups. The US and the UK retreated, and the rest is history. One might attribute this to Cold War dynamics, but the fact is that when we needed an ally, we had one.For long, Indian soft power has helped the country punch way above its weight. India was one of the key organisers of the Bandung Conference (1955) on Asian-African cooperation; India and other NAM countries took the initiative to foster close relationships with Africa, with Nehru naming it a 'sister' continent. Since then, subsequent governments kept the effort going in developing closer ties — did something go amiss recently that no one rallied to our cause? Nepal and especially the Nepalese army have had an umbilical relationship with us, with many of their generals having been trained at the NDA. The Indian Gurkha regiment regularly recruited Nepalese citizens — why did this stop? From being the chief supporters and architects of the independence of Bangladesh, why do we find ourselves on the opposite side today?Some Western countries did try to play fair; however, the disquieting thing was the silence of our neighbours.

The conflict in the Middle East threatens to engulf the entire region, with the belligerents bent upon a Machiavellian desire to obliterate the other. Increasingly, technology in the form of drones and missiles gives it an apocalyptic dimension. We see eerie images of the night sky lighting up with the fire trails of missiles and hear haunting sounds of air raid sirens. In Europe, war rages on between Russia supported by its allies and Ukraine backed by NATO. Are there deeper dimensions to these regional wars — of course.The US hegemony, both economic and military, is being challenged by a combined Russia and China. The old order of NATO, which held strong in the 20th century, is weakened by an increasingly nationalistic America. There is a need for us to be proactive in the formulation and execution of our foreign policy. We must win over our neighbourhood (we cannot choose our neighbours) through shared diplomatic and economic goals.On the international scene, maintaining silence or being seemingly neutral are not always good options. Sometimes, it is wise to show your hand while keeping an ace up your sleeve. Whenever the question of a ceasefire has come up in the UN regarding the Ukraine war, we have abstained. Similarly, in respect of Gaza, we have abstained. The result is neither the West is happy with us nor Russia. It is time to make amends and develop strong friendships as well as strong deterrence.

# Oil shock a threat to economic resilience in the near term

**Oil demand in India is expected to increase by 1 million barrels per day between 2024 and 2030. Therefore, any escalation in tensions in West Asia can hit the country's economic interests in the short and medium terms**

Oil is on the boil again. With West Asia getting dragged into another war, crude oil prices have surged past $76 a barrel from around $60 a month ago. Some oil infrastructures in Iran, which has the world's third largest reserves of crude and second largest reserves of gas, have come under attack by Israel. Even in a market where its scope is heavily curtailed by Western sanctions, Iran is the ninth-largest oil producer with a large amount of its exports going to China. The war also threatens disruption of supplies through the Strait of Hormuz, a critical sea passage in the region through which between a fifth and a quarter of the world's seaborne traded oil passes. These fears have pushed crude prices through the roof, with several analysts estimating prices to cross the $100 mark if the geopolitical tensions persist. The uncertainty of a diplomatic solution anchored by the US has not helped the situation. The rising prices would be a big blow for India, which has successfully managed to keep inflation below 4 percent this financial year. Higher prices can be a

double whammy—on inflation as well as the current account

India's crude oil basket has hit the $76 mark after averaging $67-68 in April and May. The country had managed to keep its oil import bill in check, with the value of crude imports rising by only 2.7 percent in 2024-25. However, if oil prices surge along the trajectory they have been predicted to, the import bill would rise drastically and feed retail inflation. There will also be the risk of imported inflation, with manufacturing and freight costs rising elsewhere. India is successfully transitioning on the path of green energy, but it is still heavily dependent on fossil fuels, 80 percent of which it imports. A recent report by the International Energy Agency suggests India could be the primary global demand driver for petroleum products through 2030. It says oil demand in India is expected to increase by 1 million barrels per day between 2024 and 2030. Therefore, any escalation in tensions in West Asia can hit the country's economic interests in the short and medium terms, despite the recent rush of positive news on the domestic macroeconomic front.

# Manufacturing a superpower

**A country that can make its own weapons and defend its people without external support can claim to be a true powerhouse. At a time of heightened geopolitical risks, Indian industry, government and academia must come together to support self-reliance**

With the success of Operation Sindoor, India has established itself as a military power capable of defending its people without external support. This is the result of not just the government's strategic interventions and the valour of our armed forces, but also our economic ascendency and domestic industrial excellence.With a "focused, measured and non-escalatory" approach, the operation neutralised imminent threats while avoiding civilian casualties. India's defence systems intercepted most aerial threats and showcased our technological edge and operational preparedness to the world.India's ascent as a global power is closely intertwined with its pursuit of defence self-reliance. The ongoing transformation in the sector is a quiet revolution that positions the country as a formidable global player in military manufacturing. Defence exports in 2024-25 reached ?23,622 crore, a remarkable 34-fold increase over ?686 crore in 2013-14. This exponential growth is the outcome of sustained policy initiatives under the twin pillars of Atmanirbhar Bharat and Make in India, including production-linked incentives and targeted investment support.Domestic defence manufacturers are increasingly meeting the evolving requirements of our armed forces. The inauguration of the BrahMos Aerospace Integration and Testing Facility in Lucknow, with an annual production capacity of up to 100 missiles, highlights our growing competitiveness. This manufacturing surge has enhanced national security and transformed defence public sector units into lucrative investment opportunities, delivering robust outcomes.For the sector to go to the next level, industry must come together and plan ahead. Collaboration among public and private sector companies, including startups, and

academia is essential to drive innovation, scale up production, and develop advanced indigenous capabilities. This collective effort reduces our dependence on imported hardware, strengthens national security and ensures the armed forces are equipped to swiftly respond to emerging threats. Achieving strategic objectives while reducing our dependence on imported military hardware is vital given our complex geopolitical environment. The government's 15- year defence modernisation roadmap, backed by a $160-200 billion business pipeline over the next five years, creates unparalleled opportunities for growing domestic industry. Key reforms, including positive indigenisation lists and a mandate reserving 75 percent of capital acquisitions for local suppliers, are driving a paradigm shift towards indigenous manufacturing. Initiatives—like the Defence Industry Corridors, Defence Testing Infrastructure Scheme, relaxed foreign investment norms, and the iDEX, which, as of this February, has engaged with 619 startups and smaller enterprises, addressing 549 problem statements and resulting in 430 signed contracts—will foster innovation and private sector participation. Today, private sector companies are manufacturing and exporting advanced weapon platforms, systems, and sub-systems. Encouraged by the impetus provided by the government, many of them are investing in developing technology and enhancing capacity.With the government declaring 2025 the year of defence reform, collaboration between industry, academia, and armed forces is shaping a secure, self-reliant future for India that reflects its strategic ambitions.On the economic front, India continues to display remarkable resilience amid global uncertainties.

April 2025 saw merchandise exports surge 9 percent to $38.49 billion, driven by advanced sectors such as electronics and engineering. Services exports rose to $35.31 billion, reflecting robust international demand. Domestic indicators, too, underscore growing consumer confidence and proactive policy support.o propel the country's growth in the face of global uncertainties, a cohesive approach among businesses, investors, and policymakers is essential to safeguard supply chains, diversify markets, and boost domestic production. By fostering innovation, enhancing competitiveness, and embracing sustainability, industry can help build a resilient economy that supports national security objectives while creating jobs and driving exports.

Strategic reshaping of trade and suply chains underscores India's commitment to safeguarding long-term national interests. Economic strength is inseparable from national security, with a stable and secure environment underpinning sustained growth. India's resilient macroeconomic fundamentals and diversified trade portfolio have minimised the regional conflict's economic impact. Bilateral trade negotiations and agreements including the India-UAE Comprehensive Economic Partnership Agreement, free trade agreements with Australia and the UK, and the ongoing talks with the EU and the US, aim to deepen market access, strengthen value chains, and consolidate India's position as a reliable global trade partner. Most importantly, considering recent geopolitical developments and support extended to adversarial entities by some countries, Indian industry must exercise prudence. Investments or collaborations should be carefully scrutinised to ensure they don't indirectly benefit these countries. Aligning business engagements with the nation's strategic and ethical imperatives is essential.Amid shifting global alliances, India maintains balanced and trusted relations with major powers and the Global South. Its stature as the world's largest democracy and a leading voice for the Global South enhances its credibility and influence in global governance.

## Net direct tax collection contracts by 1.4% in first quarter of Fy26

**NEW DELHI.** Net direct tax collection in the first quarter (till 19 June 2025) of FY26 has contracted by 1.39% compared to the corresponding period last year. Even the gross tax collections during the period showed a moderate growth.The provisional figures released by the Central Board of Direct Taxes (CBDT) show that gross direct tax collections in the first quarter stand at Rs 5.45 lakh crore, a 4.86% growth from Rs 5.2 lakh crore in FY 2024-25 (as on June 19, 2024).Refunds have surged by 58.04%, amounting to Rs 86,385.31 crore during the period, significantly higher than Rs 54,660.79 crore in the previous fiscal year's comparable period.This increase in refunds is attributed to "better taxpayer services and quicker issuance of refunds," according to CBDT. Consequently, the net direct tax collection for FY 2025-26 stands at Rs 4.59 lakh crore, a decline from Rs 4.65 lakh crore recorded in the previous year.

The drop in net tax collection was largely due to a contraction in net corporate tax collection, which fell by 5.4% to Rs 1.72 lakh crore. Even personal income tax collection – which has largely been driving the direct tax collections in the last few years – showed a flat growth of just 1% to Rs 2.72 lakh crore.

Advance tax collections for FY 2025-26 (till 19 June 2025) also showed a mixed trend. While overall advance tax collections have grown by 3.87% to Rs 1.56 lakh crore, the growth is primarily driven by Corporate Tax, which saw an increase of 5.86% (Rs 1.22 lakh crore). Non-Corporate Tax advance collections, however, registered a contraction of 2.68% to Rs 33,928.32 crore.

## What Is 'Search Live' Feature That Google Has Unveiled

**New Delhi.** Google has launched Search Live, a new feature in its Android and iOS app that enables real-time, voice-based conversations with Google Search. Currently available in the U.S. for users who opt into the AI Mode experiment via Labs, Search Live lets you have a natural, back-and-forth voice chat with Search while exploring links from across the web.

Designed for multitasking or when you're on the move—like packing for a trip—Search Live allows you to ask spoken questions and receive AI-generated audio answers. For example, you might ask for tips on preventing a linen dress from wrinkling in a suitcase, then follow up with questions if you need more advice. Relevant web links appear on screen for further exploration.A standout feature is that Search Live works in the background, so you can keep the conversation going even while using other apps. There's also a transcript button to view text responses and type additional questions. You can revisit previous conversations through your AI Mode history.Powered by a custom version of Google's Gemini model, Search Live uses a "query fan-out" technique to provide a broader and more diverse set of web content, supporting richer discovery. To access it, users must join the AI Mode experiment in Labs, after which a new "Live" icon appears under the search bar.

In the coming months, Google plans to expand Search Live's capabilities, including letting users use their phone's camera to show Search what they're seeing for even more interactive, real-time help.

## Apple Is Considering Acquiring This Indian Origin CEO Startup, Read Why This Is Bad News For Google

**New Delhi.** Apple Inc. is weighing a potential bid for Arvind Srinivas Led Perplexity AI, an artificial intelligence startup rapidly gaining attention for its conversational search technology. According to sources familiar with the matter, Apple's head of mergers and acquisitions, Adrian Perica, has discussed the idea with services chief Eddy Cue and senior AI leaders. The talks remain preliminary, and Apple has yet to approach Perplexity's management directly.The move comes as Apple seeks to bolster its AI capabilities and reduce its reliance on Google, which currently pays Apple an estimated $20 billion annually to remain the default search engine on its devices. That lucrative partnership is now under scrutiny by U.S. antitrust regulators, prompting Apple to explore alternative search solutions. Acquiring Perplexity could help Apple develop its own AI-driven search engine, positioning the company for a future where its arrangement with Google may be at risk.Perplexity AI, recently valued at $14 billion after a fresh funding round, offers a service that delivers real-time answers to user queries by drawing from the latest web data. A deal at that valuation would mark the largest acquisition in Apple's history, far surpassing its $3 billion purchase of Beats in 2014.Apple is not alone in its interest. Earlier this year, Meta Platforms Inc. attempted to acquire Perplexity but was unsuccessful. Meta subsequently invested $14.3 billion in Scale AI, further intensifying the race among tech giants for advanced AI talent and

Beyond acquisition, Apple is also considering a strategic partnership with Perplexity. Such an arrangement could see Perplexity's AI search engine integrated into Safari or even Siri, Apple's digital assistant. Sources indicate that Apple's AI team has met with Perplexity multiple times in recent months to evaluate its technology, signaling serious interest in collaboration.However, Apple may face competition from Samsung, which is reportedly close to announcing a significant partnership with Perplexity. Given Samsung's status as Apple's chief rival in the smartphone market, such a deal could complicate Apple's ambitions.Perplexity, for its part, has downplayed acquisition rumors, stating it is unsurprising that leading device makers are interested in offering the best AI search experiences for their users, but denying knowledge of any active merger discussions.

# West Asia crisis: India braces for ripple effects

**It could particularly affect exports such as basmati rice, fertilisers and diamonds (both cut and polished), says a report by rating agency Crisil**

**New Delhi.** The ongoing conflict between Israel and Iran, if further escalated, could significantly impact not only India's oil sector but also broader trade with both nations.

While India's direct trade with Israel and Iran is relatively small — accounting for less than 1% of its total trade in the last fiscal year -- some key sectors may be impacted. It could particularly affect exports such as basmati rice, fertilisers and diamonds (both cut and polished), says a report by rating agency Crisil.

The military escalation between the two countries has already contributed to volatility in global crude oil markets. If crude oil prices remain elevated over a longer period, India Inc.'s profitability may take a hit, says Crisil.

Prolonged uncertainty could drive up air and sea freight costs, as well as insurance premiums for trade-dependent sectors. India's major export to Iran is basmati rice, while trade with Israel is more diversified — covering fertilisers, diamonds, and electrical equipment. In FY25, Iran and Israel together accounted for roughly 14% of India's total basmati rice exports.India's exports to Israel totaled just over $2 billion in FY25, while exports to Iran were nearly $1.2 billion. Exports to Israel, which has seen continuous tensions since Hamas attack on Gaza strip on 7 October 2023.

Exports to Israel already plummeted by half in FY25 due to internal strife. Exports to Iran in FY25 remained flat with 1.22% growth, but if the current situation prolongs, trade with the country may suffer further. Indiaexports rice, organic chemicals, precious metals and machinery and mechanical appliances.The commerce ministry officials earlier said issues at the Strait of Hormuz and Red Sea could impact trade. "…if the conflict gets prolonged, there are implications for trade. To what extent those implications would be for India, that we are in constant touch with our exporters, and we are holding meetings

with the stakeholders," said a commerce ministry official.Crisil says for India's diamond polishing industry, Israel functions primarily as a trading hub, contributing around 4% of total diamond exports last fiscal. About 2% of India's rough diamond imports also came from Israel.However, the industry has alternative hubs such as Belgium and the United Arab Emirates (UAE), and key buyers in the United States and Europe, offering resilience against potential disruptions. Israel is also a significant global producer of muriate of potash (MoP), contributing about 7% of India's MoP imports in the last fiscal year. Aviation companies may face cost pressures as jet fuel accounts for 35–40% of their operating expenses. Route diversions and airspace restrictions due to regional tensions could further inflate fuel consumption and costs. Brent crude futures are hovering around $77 a barrel from below $70 a month ago.

Rising global crude prices are also likely to affect India's petrochemical sector, as the cost of ethylene — a key input—will increase. Downstream industries such as paints, tyres, adhesives, shipping, and specialty chemicals may also face margin pressure due to higher raw material and energy costs.

# Two new GST levies may replace compensation cess, but at what cost

**Health and Clean Energy levies may replace the Compensation Cess, but tax experts warn of rising compliance burdens and fresh coordination challenges.**

**New Delhi.** With the compensation cess set to expire by March 1, 2026, the Centre is likely to propose two new levies — a Health Cess on tobacco and other harmful substances and a Clean Energy Cess on coal and automobiles, as part of the discussions at the upcoming GST Council meeting in July.The move aims to fill the revenue gap that will open up once the transitional compensation cess is phased out. While these cesses are still under consideration, experts say they may introduce fresh complexity into the GST regime, especially for businesses and the broader Centre-State revenue-sharing equation.POSSIBLE IMPACT

"GST was a landmark tax reform which then sought to replace a complex web of fragmented state taxation systems that were in existence before 2017," said chartered accountant Siddharth Surana."Prior to 2017, states and union territories implemented and administered their own system of Value Added Tax, and the revenues from

these taxes fell directly within their purview with no major need for fiscal co-operation and Centre-State harmony," he added.

"To offset the loss by the introduction of GST and the harmonisation of GST rates, the state governments were provided with compensation cess, which was a tax in addition to GST, and was applicable on certain demerit goods and sin products such as aerated beverages, automobiles and tobacco. The compensation cess was introduced only for a temporary period of time as a transitional measure, which was to end in 2022. However, with several extensions, this is likely to expire on 1st March 2026," Surana said.He explained that the new cesses being discussed are unlikely to compromise the structural integrity of the GST system. "In our understanding, as these levies are centrally proposed and are likely to follow the structure proposed by the central government, they are likely to be standard levies and do not pose a risk to return to the fragmented pre-GST tax structure," he said.

"Also, the taxes are targeted at very few products, mostly falling within the present 28% GST slab. Thus, while they may not affect the structure of GST, the major cause of concern would be distribution. The central and state governments would have to work out the method of distribution of proceeds of these cesses and this will require cooperative federalism," Surana added.

## Tesla to open first showroom in Mumbai next month, sell China-made EVs: Report

**New Delhi.** Tesla is set to make its debut in India, opening its first showroom in Mumbai next month, as the Elon Musk-led company seeks to expand its operations in the world's third-biggest automobile market amid declining sales in Europe and China, Bloomberg News reported.

The company is expected to open its first showroom in Mumbai, which will be followed by one in Delhi, according to the people. The electric vehicle giant has imported supercharger components, car accessories, merchandise and spares from the US, China and the Netherlands, the Bloomberg News report said.The electric vehicle giant's first set of cars - Model Y rear-wheel-drive SUVs shipped from Tesla's China factory - have arrived in India, people familiar with the matter told Bloomberg News. The Model Y is the world's largest-selling electric car.The breakthrough in bringing Tesla to India comes after Musk met Prime Minister Narendra Modi in the US in February. The debut will end years-long

deadlock over the company's entry into India after Musk differed over tariffs and local manufacturing.

In February, Bloomberg News reported that Tesla was expected to ship a few thousand cars to a port near Mumbai.

MODEL Y VEHICLES TO BE SOLD AT PREMIUM PRICE

So far, five Model Y cars have already arrived in Mumbai from Tesla's Shanghai factory, according to documents reviewed by Bloomberg News. The vehicles were declared at Rs 2.77 million (USD 31,988) and attracted over Rs 2.1 million in import levies - a duty in line with India's 70 per cent tariffs on fully-built imported cars under USD 40,000 plus surcharges, the documents said.

# No obstacle will remain in NSE IPO: SEBI chief Tuhin Pandey says

**New Delhi.** Sebi chairman Tuhin Kanta Pandey on Friday affirmed that no obstacle will remain for the country's largest stock bourse, NSE, to go ahead with its initial public offering (IPO).

Asked whether the much-delayed IPO will happen before Diwali, the chief of the capital markets regulator declined to share any timeline.There is no obstacle that will remain in case of NSE IPO," he said, speaking at the FE CFO Awards here.Pandey reiterated that the Sebi is fine with the ownership of clearing corporation by the stock bourses, and added that the ownership is "not an obstacle" in the run up to the IPO.Pandey explained that every country has its own models when it comes to ownership of clearing corporations, pointing out that brokers own it in the US, while they sit as separate entities in India.The career bureaucrat-turned-regulator, who assumed office in March, said NSE is in the process of settling some legal processes, which will entail paying some amounts and withdrawal of some cases at present.He, however, did not elaborate on the exact nature of the settlements and the payments which need to be done.Sebi is not pushing the 'T+0' settlement period right now, given the complexities involved in its especially with regard to the foreign investors' play, he said, suggesting that it will continue to be a optional facility.

We must aim to take the total number of domestic investors to 400 million in the next five years from the present 130 million unique investors in the capital market.Citing his discussions with foreign investors both in India and abroad, Pandey said tax issues are not a deterrent for them but it is other factors which influence the bets."Overall, our markets are stable, our domestic investors, domestic flows are good, capable of handling the volatility, our volatility, which was also increased post tariff like rest of the world, but it was not as high as in some other countries, those exchanges and certainly it is well within our manageable limit," he said.

# World Music Day: How digital-tech has transformed music business over the years

**On the occasion of World Music Day—celebrated annually on June 21 to honour the art and its creators—here is a snapshot of the evolution of music production, distribution, and business models in the digital era.**

**New Delhi.** The music industry has undergone a profound transformation over the past two decades, driven by the rise of digital technology. From production and distribution to consumption and monetisation, nearly every aspect of the business has been reshaped. Digital platforms have empowered artists, disrupted traditional business models, and expanded the global reach of music. This report explores the key ways in which digital technology has revolutionised the music industry worldwide.On the occasion of World Music Day—celebrated annually on June 21 to honour the art and its creators—here is a snapshot of the evolution of music production, distribution, and business models:

Production

Digital recording and editing: Affordable digital audio workstations (DAWs) such as Ableton Live, FL Studio, and Logic Pro have made professional-grade music production accessible to independent artists.High-quality recording can now take place in home studios, reducing the need for expensive studio time.Virtual Instruments and AI: Software instruments and plugins can simulate orchestras, drum kits, and synthesizers, significantly lowering production costs.

AI tools assist in mastering, beat creation, and even songwriting (e.g., Amper Music, Aiva).

**Distribution and Accessibility**

Decline of physical media: CDs and tapes have largely been replaced by digital formats such as MP3 and FLAC, and more recently, streaming.

Digital downloads peaked in the 2000s but were later overtaken by streaming services.Online distribution platforms: Platforms like Spotify, Apple Music, Amazon Music, and YouTube allow for

global music distribution without the need for physical infrastructure.

Aggregators such as TuneCore and DistroKid enable independent artists to release music worldwide at minimal cost.Streaming and Monetisation

The rise of streaming: Streaming now dominates global music consumption. As of 2024, more than 65% of global music revenue came from streaming.Both subscription-based (e.g., Spotify Premium) and ad-supported models (e.g., YouTube, SoundCloud) cater to different listener segments.Changing revenue models: Artists now earn per stream—typically fractions of a cent—raising ongoing debates about fair compensation.New revenue streams include sync licensing, digital tipping (e.g., Twitch, TikTok), and NFTs.

**Marketing and Fan Engagement**

Social media platforms: Artists leverage Instagram, TikTok, Twitter, and Facebook to build fanbases, promote releases, and directly engage with listeners.

Viral trends on platforms like TikTok can turn unknown tracks into global hits.Direct-to-fan models: Platforms like Patreon, Bandcamp, and Substack enable fans to support artists directly through subscriptions and donations.

Email marketing and Discord communities are increasingly popular for niche fan engagement.

**Data Analytics and Personalisation**

Algorithmic discovery: Recommendation algorithms on Spotify, YouTube, and TikTok suggest music based on user behaviour, increasing exposure for new and independent artists.

This shift reduces traditional gatekeeping and levels the playing field.

Data-driven decisions: Labels and artists use analytics tools to understand audience demographics, optimise release strategies, and fine-tune advertising efforts.

# Filmmaker Mahesh Jirawala among victims of Ahmedabad plane crash, DNA confirms

- Mahesh Jirawala's DNA linked to a charred body from Air India plane crash
- Film producer's two-wheeler was also recovered from the crash site
- His remains have now been handed over to his family for final rites

**The filmmaker, who had been missing since the plane crash incident, was identified after DNA samples collected from his family matched one of the bodies recovered from the crash site.**

**Agency New Delhi.**

Days after the tragic Air India plane crash in Ahmedabad that killed over 270 people, the death of Gujarati filmmaker Mahesh Jirawala has been officially confirmed through DNA analysis.

The filmmaker, who had been missing since the June 12 plane crash incident, was identified after DNA samples collected from his family matched one of the bodies recovered from the crash site.

According to police and medical authorities, Mahesh was last traced to the vicinity of the crash site, with his mobile location placing him near the scene shortly before the accident.

Although the family was initially unwilling to accept that he had died in the fire caused by the crash, confirmation came when DNA testing matched their sample with a charred body found on-site.

Further investigation revealed that a two-wheeler, recovered completely burnt from the crash site, belonged to Mahesh. This was verified using the chassis and engine numbers of the vehicle.

The filmmaker's remains have now been handed over to the family. Mahesh's wife said police told her his phone was last traced 700 meters from the crash site and switched off just a minute before the flight took off.

"My husband called me at 1.14pm to tell me his meeting is over and that he is on his way home. However, when he did not return, I called up on his phone but it was switched off. After police was intimated, the last location of his mobile phone showed he was 700 metres away from the crash site," Hetal had told .

"His phone got switched off around 1:40pm (a minute after the ill-fated flight took off). His scooter and mobile phone are missing. All this is unusual since he would never use that route (as per the last location) to come home. We have submitted DNA samples to check if he was one of those killed on the ground due to the crash," she added.

The June 12 crash of Air India Delhi-Ahmedabad-London flight claimed the lives of over 270 people, including both passengers and local residents.

## BJP using fake cases to divert attention: Delhi LoP Atishi

**Agency New Delhi.**

The AAP has accused the BJP of misusing investigative agencies to deflect attention from its governance failures in Delhi.

Atishi, the Leader of Opposition in the Delhi Assembly, alleged that with the city grappling with power cuts, soaring electricity bills, water shortages and waterlogging, the BJP's "four-engine" government has failed to govern and is now resorting to fake investigations and political vendetta.

Her remarks came as former Delhi deputy CM Manish Sisodia appeared before the ACB for questioning in an alleged graft case related to the construction of classrooms in Delhi government schools.

Speaking at a press conference, Atishi criticised the BJP for repeatedly targeting AAP leaders through fabricated cases. She claimed after over 200 failed attempts in past decade, no evidence of corruption has ever been found against AAP leaders.

Recalling a SC remark, she said, "Court stated that the central government's agencies must function independently and not act on political bias." "This false and baseless allegation is just another episode in the BJP's long-running series of fake cases," Atishi added.

## Tamil Nadu Governor stuns crowd with 51 push-ups at Yoga Day event

**Agency New Delhi.**

The Governor of Tamil Nadu, Ravindra Narayana Ravi, left thousands in awe during International Yoga Day celebrations held on Saturday morning at the Velammal Educational Institution in Madurai.

Participating alongside over 10,000 students, the 73-year-old Governor not only led by example during the yoga session but also delivered a jaw-dropping performance that blurred the lines between age and youth. Clad in a tracksuit and vest, eschewing the traditional formal attire, the Governor embraced the spirit of the day with energy that belied his age. Drawing on his Indian Police Service (IPS) training background, he executed each yoga asana with precision and poise.

The high point of the session came when he effortlessly completed 51 consecutive push-ups after the yoga session prompting the audience to cheer wildly.

Many spectators were left in disbelief, with murmurs across the crowd wondering if the man in front of them was really over 70 or a 30-year-old in disguise. R N Ravi's performance stands as a testament to the timeless benefits of regular yoga practice and serves as a living example to the phrase "age is just a number."

## Woman found in 10-foot-deep pit months after in-laws said she ran away

**Agency Faridabad.**

The body of a woman, who had been missing for two months, was exhumed using a JCB excavator from under a 10-foot-deep pit in front of her in-laws' house in Haryana's Faridabad on Friday morning. The in-laws allegedly killed Tanu Kumar, a native of Uttar Pradesh's Firozabad district, and buried her under the pit before telling everyone that she had run away from home.

Visuals seen by showed a mammoth pit in the middle of the road from where Kumar's body was exhumed. Deputy Commissioner of Police (DCP) Central Usha

Kundu said that a complaint was filed on the matter a week ago, and based on it, the body was recovered from the pit.Four members of Kumar's in-laws, including her husband, father-in-law, mother-in-law and sister-in-law, have been taken into custody for questioning and will be arrested soon, the DCP added.

Tanu Kumar got married to Arun Singh in Faridabad two years ago. Her family claimed that Kumar's in-laws used to constantly harass and torture her over dowry. The ordeal extended to such a point that she spent the first year of her marriage staying at her maternal home. Her father, Hakim, alleged that she only returned to Faridabad after the intervention of a panchayat. However, the matter was far from being resolved.

Kumar's family also claimed police inaction, with Hakim saying that upon learning about his daughter running away from home, he visited her in-laws' house with his other daughter, Preeti. Hakim said they knew the in-laws were lying after spotting the pit in front of their house. Hakim alleged that despite making several visits to the local police station and apprising them of the freshly dug pit, they refused to investigate the matter.

## On Rahul Gandhi's CCTV footage demand, poll body cites privacy, legal issues

**The rebuttal by the Election Commission came amid repeated assertions by Rahul Gandhi that last year's Maharashtra election, which was won by the BJP-led Mahayuti, was rigged.**

**Agency New Delhi.**

The Election Commission cited privacy and legal issues in sharing CCTV footage of webcasting of the polling stations after a demand was made by Congress MP Rahul Gandhi, sources said. The rebuttal by the election watchdog came amid repeated assertions by Gandhi that last year's Maharashtra election, which was won by the BJP-led Mahayuti, was rigged.

"Sharing of the footage, which would enable easy identification of the electors by any group or an individual, would leave both the elector who has voted and the elector who has not voted vulnerable to pressure, discrimination and intimidation by anti-social elements," Election Commission sources said.

The EC also said that making public CCTV footage from polling booths would violate the legal provisions of the Representation of the People Act and the directions of the Supreme Court of India.

The poll body also clarified that such videos were for internal monitoring only and would only be shared if sought by any court in an election case.

Last month, the poll body directed state poll officers to destroy webcasting and video footage of an election process after 45 days, if the results are not challenged in courts within that period.

Earlier this month, Gandhi asked the EC to publish consolidated, digital voter rolls for the 2024 Lok Sabha election and assembly polls of all states, including Maharashtra.

He also asked the poll body to release all CCTV footage from Maharashtra polling booths captured after 5 pm on election day.

## Mahila Samriddhi Yojana: Delhi govt plans expansion of eligibility base

**NEW DELHI.** The Delhi government is considering expanding the scope of its Mahila Samriddhi Yojana by allowing multiple women per family to benefit from the scheme, officials said. Currently, the scheme, which provides direct cash assistance of Rs 2,500 per month to eligible women, is restricted to one female beneficiary per household. However, the latest proposal seeks to include multiple female members, especially in joint family setups.

The initiative, which has received in-principle approval from the ministerial committee overseeing the scheme, aims to better accommodate families with more than one eligible woman, a structure common in joint families. A consensus was reached during a recent committee meeting, said a senior official, on the condition of anonymity.

"Families where a father and his married sons reside together could be treated as separate units for the purposes of the scheme. This would allow eligible female members from each unit to avail the benefits, provided they meet the necessary criteria," the official said.

However, the committee is also considering implementing safeguards to prevent misuse of the scheme. One of the proposals includes a freeze period before the cash amount can be withdrawn, ensuring that only eligible beneficiaries access the funds. Additionally, partial withdrawals of the cash amount may be considered, though these details are still under discussion. "A meeting will soon be held to finalise the withdrawal timelines and amounts," the official added. Navlendra Kumar, special director of the Women and Child Welfare Department (WCD), emphasised that the final decision will rest with the chief minister. "The committee's recommendations, including eligibility criteria and other details, will be presented to the CM for approval," he said. The Mahila Samriddhi Yojana, approved by the Delhi Cabinet on March 8, has a financial outlay of Rs 5,100 crore. Initially, the restriction to a single beneficiary per family drew criticism from opposition parties, with many arguing that it excluded many eligible women in joint family structures.

## Himanta Sarma claims 5,000 accounts from countries like Pak backing Congress

**Agency New Delhi.** Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma has alleged that around 5,000 Facebook accounts, mostly operated from Islamic countries like Pakistan and Bangladesh, have become active in the past one month and were posting content in favour of the Congress.

Sarma said such foreign involvement ahead of the elections was concerning, and he had informed the Centre about it. Speaking to the media, Sarma said these accounts originated from countries like Pakistan, Bangladesh, Afghanistan, and were interacting with content related to the Assam Congress and one of its leaders.

While Sarma did not name the Congress leader, he appeared to be referring to Gaurav Gogoi. Gogoi was appointed the Assam Congress president in May.

Apart from Islamic fundamentalist content, Sarma said pro-Palestine posts and remarks supporting Bangladesh's interim head Muhammad Yunus were being put out by these accounts.

"These accounts are not just politically aligned but are also propagating hardline Islamic content that does not resonate with the sentiments of indigenous Muslims in Assam," the Chief Minister alleged.

Sarma further claimed that the Congress was highlighting interactions from these accounts to portray increased public support. He called this approach misleading and warned that such activity from foreign sources could harm India's democratic process, especially during elections. He also said there was information that some people from outside the state had rented houses in Guwahati and have connected with social media influencers for this purpose.

Congress leaders have strongly responded to Sarma's recent comments linking the Congress to what he called "online jihad". Congress spokesperson Shama Mohammed dismissed Sarma's claim and challenged him to present evidence.

"Ask Himanta Biswa Sarma to show proof. All day long, he talks about Hindus, Muslims, and Pakistan. There's still a year left for the Assam elections, and instead of speaking about what his government has done in the last four years, he continues to make communal statements," she said. "He's clearly scared of losing Assam and is resorting to divisive rhetoric."

## Days after crash, aviation body orders removal of 3 Air India officials for lapses

- Officials removed over repeated serious safety violations
- Lapses found in crew scheduling, licensing and rest requirements
- Issue came to light after airline adopted new flight and crew management system

**Agency New Delhi.**

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Friday issued a strong directive to Air India to remove three of its key officials from crew scheduling responsibilities following repeated and serious violations of aviation safety protocols.

The officials named are Choorah Singh, Divisional Vice President; Pinky Mittal, Chief Manager - DOPS, Crew Scheduling; and Payal Arora, Crew Scheduling - Planning.

According to the DGCA order dated June 20, these individuals were involved in multiple lapses, including unauthorised and non-compliant crew pairings, violations of licensing and crew rest norms and systemic failures in oversight.

The order comes days after an Air India flight from Ahmedabad to Gatwick, London, crashed moments after takeoff, killing over 270 people on board and on ground.

The regulator has now directed Air India to immediately remove the named officials from their current operational roles. Air India was also ordered to initiate internal disciplinary proceedings against them and submit the report to the aviation watchdog within 10 days."Internal disciplinary proceedings must be initiated against these officials without delay, and the outcome of such proceedings shall be reported to this office within 10 days from the date of issue of this letter," the DGCA order read.

The officials are also to be reassigned to non-operational roles and are barred from holding any position with direct influence on flight safety and crew compliance until further notice.

"The aforementioned officials shall be reassigned to non-operational roles pending conclusion of corrective reforms in scheduling practices, and shall not hold any position involving direct influence over flight safety and crew compliance until further notice," it added.

These issues came to light during the post-transition audit from the ARMS to the CAE Flight and Crew Management System. Additionally, DGCA has reportedly issued a show-cause notice to Air India's Accountable Manager after a spot check revealed that two Bengaluru-London flights (AI-133) operated on May 16 and 17, 2025, exceeded the permissible flight time limit of 10 hours.

"it has been observed that the Accountable Manager of Air India operated two flights from Bangalore to London (Al-133) on 16 May 2025 and 17 May 2025, both of which exceeded the stipulated flight time limit of 10 hours," DGCS said in a separate order. The officer has been given seven days to explain why enforcement action should not be taken for the violation.

NEWS BOX

## Iran rules out nuclear talks with US until Israeli strikes stop, as Israel warns of 'prolonged' war

**GENEVA.** Iran said Friday it would not resume nuclear negotiations with the United States until Israel halts its attacks, as Israel's military chief warned the week-old war will be "prolonged".

A series of blasts were heard in Tehran on Friday as Iran's Fars news agency said air defences had been activated, as Israel kept up its bombardment and Iran launched missiles at its arch enemy."We must be ready for a prolonged campaign," Israeli military chief Eyal Zamir told Israelis in a video statement, eight days after his country launched a massive wave of strikes it said were aimed at stopping Iran from developing nuclear weapons -- an ambition Tehran has denied."The campaign is not over. Although we have made significant achievements, difficult days still lie ahead," he said.As US President Donald Trump mulls the prospect of entering the war between the two foes, top diplomats from Britain, France and Germany met with their Iranian counterpart Abbas Araghchi in Geneva.

Referring to nuclear negotiations with Washington that had been derailed by the war, Araghchi said after the meeting that "Iran is ready to consider diplomacy once again and once the aggression is stopped".

Tehran did "support the continuation of discussion with" the European countries and was willing "to meet again in the near future", Araghchi told reporters.French Foreign Minister Jean-Noel Barrot said "we invited the Iranian minister to consider negotiations with all sides, including the United States, without awaiting the cessation of strikes, which we also hope for".Barrot said there "can be no definitive solution through military means to the Iran nuclear problem" and warned that it was "dangerous to want to impose a regime change" in Iran, after Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu did not rule out killing supreme leader Ayatollah Ali Khamenei.On the streets of Tehran, any shops were closed and normally busting markets largely abandoned on Friday, an AFP journalist reported.repaired a road damaged in a recent Israeli strike.

## Internet and phone outage in much of Gaza disrupts humanitarian operations and deepens isolation

**CAIRO.** A breakdown in communications networks in central and southern Gaza has cut many Palestinians off from the outside world for the past week, further straining aid efforts and emergency services amid continuing Israeli bombardment.

Israeli strikes damaged a main connection, cutting off communications in large areas of the strip since Tuesday, according to the Telecommunications Regulatory Authority, based in the Israeli-occupied West Bank. The telecom company Paltel said Friday that internet and landline services were restored in some areas in southern Gaza, including Khan Younis, with repairs ongoing in other southern and central areas.Paltel warned in a statement to AP that ongoing attacks on the main network could make future maintenance impossible, especially due to a shortage of essential materials and resources.

The Gaza Strip has experienced at least 10 communications partial and full outages since the war began in October 2023, according to Palestinian telecom company Paltel. This week's outage has impacted aid efforts, emergency services, suspended academic classes, and cut off displaced Palestinians from the rest of the territory.Palestinians in Gaza rely heavily on cell service, as unsafe roads and fuel shortages limit movement across the enclave. Humanitarians say those in affected areas will struggle to access information on aid and medical services or call for ambulances.

## US Court Orders Release Of Pro-Palestinian Activist Mahmoud Khalil

**New Jersey.** A U.S. judge ordered on Friday that Columbia University graduate Mahmoud Khalil be released immediately from immigration custody, a major victory for rights groups that challenged what they called the Trump administration's unlawful targeting of a pro-Palestinian activist.

Khalil, a prominet figure in pro-Palestinian protests against Israel's war on Gaza, was arrested by immigration agents in the lobby of his university residence in Manhattan on March 8. President Donald Trump, a Republican, has called the protests antisemitic and vowed to deport foreign students who took part. Khalil became the first target of this policy.

After hearing oral arguments from lawyers for Khalil and for the Department of Homeland Security, U.S. District Judge Michael Farbiarz of Newark, New Jersey, ordered DHS to release him from custody at a jail for immigrants in rural Louisiana by as soon as 6:30 pm (7:30 ET) on Friday.Farbiarz said the government had made no attempt to rebut evidence provided by Khalil's lawyers that he was not a flight risk nor a danger to the public.There is at least something to the underlying claim that there is an effort to use the immigration charge here to punish the petitioner (Khalil)," Farbiarz said as he ruled from the bench, adding that punishing someone over a civil immigration matter was unconstitutional.

Khalil was the latest in a string of foreign pro-Palestinian students arrested in the U.S. starting in March who have subsequently been released by a judge. They include Mohsen Mahdawi and Rumeysya Ozturk.Khalil, a legal permanent resident of the U.S., says he is being punished for his political speech in violation of the U.S. Constitution's First Amendment. Khalil condemned antisemitism and racism in interviews with CNN and other news outlets last year.

# Federal judge blocks Trump effort to keep Harvard from hosting foreign students

**Harvard sued the Department of Homeland Security in May after the agency abruptly withdrew the school's certification to host foreign students and issue paperwork for their visas.**

**WASHINGTON.** A federal judge on Friday blocked the Trump administration's efforts to keep Harvard University from hosting international students, delivering the Ivy League school another victory as it challenges multiple government sanctions amid a battle with the White House.

The order from U.S. District Judge Allison Burroughs in Boston preserves Harvard's ability to host foreign students while the case is decided, but it falls short of resolving all of Harvard's legal hurdles to hosting international students. Notably, Burroughs said the federal government still has authority to review Harvard's ability to host international students through normal processes outlined in law.

Harvard sued the Department of Homeland Security in May after the agency abruptly withdrew the school's certification to host foreign students and issue paperwork for their visas, skirting most of its usual procedures. The action would have forced Harvard's roughly 7,000 international students — about a quarter of its total enrollment — to transfer or risk being in the U.S. illegally. New foreign students would have been barred from coming to Harvard.

The university said it was experiencing illegal retaliation for rejecting the White House's demands to overhaul Harvard policies related to campus protests, admissions, hiring and more. Burroughs temporarily had halted the government's action hours after Harvard sued.Less than two weeks later, in early June, President Donald Trump tried a new strategy. He issued a proclamation to block foreign

students from entering the U.S. to attend Harvard, citing a different legal justification. Harvard challenged the move, saying the president was attempting an end-run around the temporary court order. Burroughs temporarily blocked Trump's proclamation as well. That emergency block remains in effect, and Burroughs did not address the proclamation in her order Friday."We expect the judge to issue a more enduring decision in the coming days," Harvard said Friday in an email to international students. "Our Schools will continue to make contingency plans toward ensuring that our international students and scholars can pursue their academic work to the fullest extent possible, should there be a change to student visa eligibility or their ability to enroll at Harvard."

Students in limbo

The stops and starts of the legal battle have unsettled current students and left others around the world waiting to find out whether they will be able to attend America's oldest and wealthiest university.

The Trump administration's efforts to stop Harvard from enrolling international students have created an environment of "profound fear, concern, and confusion," the university said in a court filing. Countless international students have asked about transferring from the university, Harvard immigration services director Maureen Martin said.Still, admissions consultants and students have indicated most current and prospective Harvard scholars are holding out hope they'll be able to attend the university.

# Earthquake Of Magnitude 5.1 Hits Iran, Sparks Theories Of Nuclear Testing

**On Friday, June 20th, a powerful earthquake of 5.2 magnitude struck northern Iran's Semnan area. According to Tasnim News Agency, the earthquake happened 27 kilometres southwest of Semnan. The quake struck at a depth of 10 kilometres.**

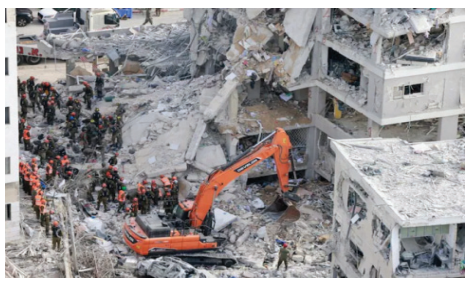

**WORLD.** On Friday, June 20th, a powerful earthquake of 5.1 magnitude struck northern Iran's Semnan area. According to Tasnim News Agency, the earthquake happened 27 kilometres southwest of Semnan. The quake struck at a depth of 10 kilometres.However, the earthquake has now triggered a wave of speculations about whether Tehran has tested a nuclear weapon. It has also sparked concern because it struck near a city with a space and missile complex. The Semnan Space Center and the Semnan Missile Complex, run by Iran's military, are said to be located there.The earthquake comes amid the ongoing conflict between Israel and Iran, as they enter the ninth day of the escalating war. Iran and Israel exchanged fresh attacks early on Saturday, a day after Tehran said it would not negotiate over its nuclear programme while under threat and Europe tried to keep peace talks alive.

Iran's news agency IRNA said that there were no casualties and only "minimal damage". The conflict-ridden country is one of the most seismically active countries in the world because of its position along the Alpine-Himalayan seismic belt where the Arabian and Eurasian tectonic plates converge.

Iran typically receives 2,100 earthquakes a year, of which 15 to 16 are of magnitude 5.0 or higher. Between 2006 and 2015, the country experienced 96,000 earthquakes.Underground explosions during nuclear activities can trigger earthquakes by releasing tectonic stress near the blast. However, seismologists can distinguish between explosions and natural earthquakes by studying the seismic waves. Seismic data suggests that the earthquake was a natural event.

# Dalai Lama may name reincarnation on July 2

**BENGALURU.** Tibetan spiritual leader the 14th Dalai Lama will make an important announcement, most likely on his reincarnation, on July 2, four days before he turns 90 on July 6.Speaking to TNIE, Sikyong (President), Central Tibetan Administration (CTA), Penpa Tsering said the Dalai Lama will make an "important announcement on July 2. It is likely to be about his reincarnation".Dalai Lama is scheduled to meet senior leaders of the four Buddhist sects -- Sakya, Kagyu, Nyingma and Gelug -- between July 2 and 4 at Dharamshala, the headquarters of CTA.

While Dalai Lama's reincarnation is the most anticipated decision keenly awaited not only by Tibetans but people in the Himalayan region, from Lhasa to Arunachal Pradesh, who look up to him as their spiritual guide, it is heavily contested by the People's Republic of China (PRC), which sees Dalai Lama as a separatist leader and a symbol of Tibetan resistance.In March 2011, the Dalai Lama relinquished his role as the political head of Tibetans in exile and handed it

over to the democratically elected CTA.He had said his successor, male or female, will be born in a free world, in a clear message to PRC on its long-standing claim on having the sole right to choose the next Dalai Lama.

"At a time when China speaks about the 'sinization' of Tibetan Buddhism (often called the Nalanda Tradition), which in practice aims at the eradication of the Indian origin of Buddhism on the Tibetan plateau, it is important to remember that the Dalai Lama is not only the leader of all Tibetans, but also of one million Indian Himalayans (from Ladakh to Arunachal Pradesh)," noted Tibetologist and strategy expert Claude Arpi told TNIE.Beijing's nervousness on Dalai Lama's announcement on his reincarnation is apparent. During a three-day inspection tour of Qinghai, in former Amdo province of Tibet, Chen Wenqing, a member of the 24-strong Politburo responsible for political and legal affairs, had remarked that Qinghai is a "strategic stronghold for maintaining stability in Xinjiang and Tibet"."Wenqing's tour included visits to religious and cultural institutions in Xining, the provincial capital. Interestingly, he spoke of resolutely winning the fight against separatism in Tibet in reference to the Dalai Lama," remarked the Tibetologist.

# Columbia protester Mahmoud Khalil freed from immigration detention

**JENA.** Palestinian activist Mahmoud Khalil was released Friday from federal immigration detention, freed after 104 days by a judge's ruling after becoming a symbol of President Donald Trump 's clampdown on campus protests.The former Columbia University graduate student left a federal facility in Louisiana on Friday. He is expected to head to New York to reunite with his U.S. citizen wife and infant son, born while Khalil was detained."Justice prevailed, but it's very long overdue," he said outside the facility in a remote part of Louisiana. "This shouldn't have taken three months."The Trump administration is seeking to deport Khalil over his role in pro-Palestinian protests. He was detained on March 8 at his apartment building in Manhattan.Khalil was released after U.S. District Judge Michael Farbiarz said it would be "highly, highly unusual" for the government to continue detaining a legal U.S. resident who was unlikely to flee and hadn't been accused of any violence."Petitioner is not a flight risk, and the evidence presented is that he is not a danger to the community," he said. "Period, full stop."During an hourlong

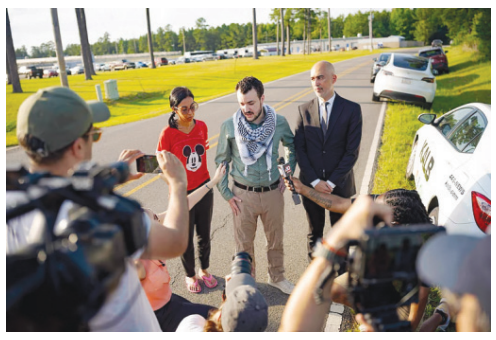

hearing conducted by phone, the New Jersey-based judge said the government had "clearly not met" the standards for detention.The government filed notice Friday evening that it's appealing Khalil's release.Khalil was the first person arrested under Trump's crackdown on students who joined campus protests against Israel's devastating war in Gaza. U.S. Secretary of State Marco Rubio has said Khalil must be expelled from the country because his continued presence could harm American foreign policy.The Trump administration has argued that noncitizens who participate in such demonstrations should be deported as it considers their views antisemitic. Protesters and civil rights groups say the administration is conflating antisemitism with criticism of Israel in order to silence dissent.

Farbiarz has ruled that the government can't deport Khalil on the basis of its claims that his presence could undermine foreign policy. But the judge gave the administration leeway to continue pursuing a potential deportation based on allegations that he lied on his green card application, an accusation Khalil disputes.

# JD Vance says US troops still 'necessary' in Los Angeles

**President Donald Trump has sent roughly 4,000 National Guard members and 700 Marines, purportedly to protect federal property and personnel, after demonstrations over immigration raids.**

**LOS ANGELES.** US Vice President JD Vance said on Friday that the thousands of troops deployed to Los Angeles this month were still needed despite a week of relative calm in the protest-hit city.President Donald Trump has sent roughly 4,000 National Guard members and 700 Marines, purportedly to protect federal property and personnel, after demonstrations over immigration raids."Unfortunately, the soldiers and Marines are still very much a necessary part of what's going on here because they're worried that it's going to flare back up," Vance told reporters in Los Angeles.He was speaking the day after an appeals court ruled that Trump could continue to control the California National Guard, which would normally fall under Governor Gavin Newsom's authority.California officials have heavily criticized Trump over his use of the military, saying it escalated protests that local law enforcement could have handled.The demonstrations were largely peaceful and mostly contained to a small part of Los Angeles, the second-largest US city, although there were instances of violence and vandalism."If you let violent rioters burn Great American Cities to the ground, then, of course, we're going to send federal law enforcement in to protect the people the president was elected to protect," Vance said, adding that Trump would deploy them again if needed.The Republican further accused Newsom - a possible contender for the Democratic presidential nomination in 2028 - and Los Angeles Mayor Karen Bass of encouraging protesters.Newsom and Bass have both condemned rioting and violence towards law enforcement while accusing the Trump administration of manufacturing a crisis in

the city.Bass hit back at Vance during a news conference on Friday, accusing him of openly lying and saying that local law enforcement agencies handled crowd control."How dare you say that city officials encourage violence. We kept the peace. You know that the federal officials that were here protected a federal building -- they were not involved in crowd control," she said.Bass said that even when there was vandalism, at its height "you are talking about a couple of hundred people who are not necessarily associated with any of the peaceful protests.""Los Angeles is a city that is 500 square miles and any of the disruption that took place took place at about 2 square miles in our city," she said, accusing Vance of adding to "provocation" and sowing "division."

'Jose Padilla'Many in Los Angeles are angry about immigration raids carried out as part of Trump's ambition to deport vast numbers of undocumented migrants around the country.Outrage at the use of masked, armed immigration agents also sparked protests in other cities, including San Francisco, New York, Chicago and San Antonio, Texas.Tensions spiked when California Senator Alex Padilla, a Democrat, was handcuffed and forcibly removed last week when attempting to ask Homeland Security Secretary Kristi Noem questions during her news conference.Vance misnamed the senator when referring to the incident, saying: "I was hoping Jose Padilla would be here to ask a question but unfortunately I guess he decided not to show up because there wasn't a theater."Bass reacted to the comment with outrage."How dare you disrespect him and call him Jose. But I guess he just looked like anybody to you," she said.

NEWS BOX

## Another bustling day for India or new-ball miracle for England: What to expect from Day 2 of Leeds Test

**New Delhi.** After a rock-solid start on the opening day of the first Test match against England, Team India will look to carry on from where they left on Friday. The visitors, on the second day, would aim to build on the dominance they exhibited on an eventful first day by adding another 200-250 runs to their already solid score of 359/3.

With an aim to bat England out of the Test match, skipper Shubman Gill and vice-captain Rishabh Pant would be out on the crease trying to pile more misery on the home team. India were off to a sensational start on the first day with Gill and Yashasvi Jaiswal as the major contributors. Seasoned batter KL Rahul laid a perfect platform in the first session but fell short of a half-century.Pant, who arrived at the crease after the dismissal of centurion Jaiswal, didn't let the momentum come down and continued punishing the English bowlers. When stumps were called on the first day, Gill and Pant were solidly placed at scores of 127 and 65

respectively with an unbeaten partnership of 138 runs. The only disappointment that came for India was in form of debutant Sai Sudharsan's dismissal who was out for a duck.

Gill's double ton, Pant's ton in sight?

Putting away all the questions regarding his ability to play Test cricket in England and lead India from the front, 25-year-old energetic Gill showed no mercy on the host side as he raced to his 6th Test century in utmost style and composure. Though he had experienced some discomfort in batting at the opening slot and number three position, the challenging number four spot proved to be perfect for the right-hander as he looked in total control of the game throughout the day.

On the second day, Gill, who's batting on 127, seems to be in a perfect mood and form to complete a double century against a formidable English unit, which looked otherwise on Friday. If England are not able to utilise the chances or conditions to get out the set batter, Gill's double ton surely looks in sight. Pant, who also looked a superb touch unbeaten on 65 runs at day end, is on course of completing a century and put India in total control of the game that will allow their bowlers to dictate the terms.

# For paddler Diya, mental strength helps her take huge strides

**Tag of being expensive player in UTT auction made paddler from Mumbai believe that she is on the right path.**

**CHENNAI.** DIYA Chitale's run in this season's Ultimate Table Tennis (UTT) here may have ended in defeat after her narrow defeat to Sreeja Akula of the Jaipur Patriot in the deciding women's single match. But her demeanour with the paddle stood out in her performance, like it did in all her games. With a height of 4 foot 11 inches, Chitale has put on performances of tall proportions. She has put on dominant shows, and has shown her mental fortitude in high pressure situations. "I knew it was going to be a close match. I think Sreeja (Akula) is a really amazing player and we have played each other many, many times. So, both of us know each other's game really well. So, I knew it was going to be a tough match. When the tie is at 7-7, it can be anybody's match. This is where I think it's more of the mental battle. And hats off to her. She was really calm in the end. And maybe I was a bit impatient," she told this daily after her semi-final defeat on Saturday (June 14)She summarised the season with her franchise, Dabangg Delhi TTC. "I had an amazing season last year with Delhi(where they lost the final to Goa). This year, we were unbeaten in the first four matches. But there's always going to be one winner and someone who loses. I am really very happy with how we played throughout the tournament and how we went about it," she said.Chitale was retained by Delhi for 14.1 lakh tokens, the highest amount in the UTT auction in April this year. When quizzed on whether she felt any pressure, she responded, "It was a huge boost to my confidence that so many teams wanted me in their team and really believed in me. So, definitely it showed me that I'm doing the right things, I'm on the right path. But, I think with that, of course, comes some added pressure to perform for the team. It's how you deal with that pressure. So, before every match, I just try to tell myself that, okay, I'm here for the team and that I will just give my best and try to help the team and try to win as many points as possible as I can," she said,

Check this video interview of Diya Chitale with the New Indian Express hereSessions with sports psychologist Mugdha Bhavre has helped Diya to help deal with such situations.

"I can really talk to her before every match and we try to prepare for every match with a new mindset. And of course, there is visualization, self-talk. I think this all is very, very important to believe in yourself when you're out there on the table and keep trying to push yourself," she went on to add.

Diya explains herself as an "aggressive table tennis player." That aggressiveness, she felt, is from watching Indian cricket great Virat Kohli. Wearing a jacket which read "Virat" did not seem coincidental. "No matter what the score is, he(Kohli) has this winning attitude. And this fighting spirit for every single time you are out there on the field. So, this is something that I really look up to. And of course, the discipline that he has. I think he has achieved so much. But he is still hungry for more. So, this is something that really inspires me," she added.As her UTT season ended, Chitale now shifts her focus onto the WTT contenders and the Smash events. She forecasted India's chances of a medal in next year's Asian Games. "So, I think we have a really good chance. I think India has been doing amazingly well in the recent past. And I think we are just getting better every day. Like also in the Mixed Doubles, me and my partner Manush, we are ranked world number 11. So, I really see a great chance in the Mixed Doubles event as well as the Women's Doubles event," she signed off.

# Bayern Munich advances in the Club World Cup with 2-1 win over Boca Juniors

**Bayern, which tops the group, took the lead on Harry Kane's clinical finish in the 18th and went on to miss of a slew of chances before Merentiel's equalizer.**

**MIAMI GARDENS.** Michael Olise fired Bayern Munich into the knockout stages of the Club World Cup, scoring in the 84th minute for a 2-1 win over Boca Juniors on Friday night.German champion Bayern made it two wins in Group C and advanced to the round of 16 with a game to spare.

Olise secured the victory at Hard Rock Stadium after Miguel Merentiel had put

Boca in position for a draw with a brilliant solo goal in the 66th.Bayern, which tops the group, took the lead on Harry Kane's clinical finish in the 18th and went on to miss of a slew of chances before Merentiel's equalizer.South American teams had been unbeaten in their first nine games of this expanded Club World Cup.Bayern looked like it would be held until Olise's cool finish. Collecting Kane's layoff inside the box, the forward curled a powerful first-time effort low into the bottom corner.

**Takeaways**

Bayern has the luxury of resting players for its final group game against second-place Benfica on Tuesday, which could be bad news for Boca. Argentine giant Boca, which plays Auckland City, needs Bayern to beat Benfica to have any chance of advancing to the next round.

**What they said**

"We knew it wasn't going to be easy, we knew we were coming into a hostile environment, hot weather, it was tough. It's a massive tournament. We are playing against the best teams in the world. We just have to compete to our highest level and we should be able to beat most teams." — Kane."We have to find a way (to advance). A draw would've been great but it's up to us to compete and do our best and I would not be surprised if that happened." — Boca Juniors coach Miguel Angel Russo.

## Liverpool signs Florian Wirtz from Bayer Leverkusen for huge fee that could climb to $156 million

**New Delhi.** Liverpool delivered a huge statement of intent after winning the Premier League title by signing Germany star Florian Wirtz from Bayer Leverkusen on Friday.The transfer fee could climb to 116 million pounds ($156 million), which would make the 22-year-old Wirtz the most expensive player in the history of British soccer."I feel very happy and very proud," Wirtz told the official Liverpool website. "Finally it's done and I was waiting for a long time."I'm really excited to have a new adventure in front of me. This was also a big point of my thoughts: that I want to have something completely new, to go out of the Bundesliga and to join the Premier League."I will see how I can perform there. I hope I can do my best. I spoke also with some players who played there and they told me that it's perfect for me and every pitch is perfect, you can enjoy

every game. I'm reallylooking forward to playing my first game."Liverpool, determined to keep moving forward despite securing a record-tying 20th English top-flight title, splashed out a club record to bring in not only one of the best players from Germany, but one of the top youngsters in the world.Wirtz has been a key first-team player for Leverkusen since he was 17. He was the outstanding attacking player in the team that won the Bundesliga and German Cup in 2023-24 without losing a game, and is a regular in Germany's national team.It's why Liverpool was ready to pay a guaranteed 100 million pounds, plus 16 million pounds in potential add-ons. Wirtz had two years left on his contract, giving Leverkusen leverage in negotiations.The Premier League record for an initial fee was set when Chelsea signed Enzo Fernandez from Benfica for 106.7 million pounds ($131.4 million at the time) in 2023, before the London club agreed to pay up to 115 million pounds ($146 million at the time) for midfielder Moises Caicedo from Brighton later that yeaLiverpool manager Arne Slot arrived last summer and signed just one outfield player — forward Federico Chiesa — for the 2024-25 season.has long pursued him.

# Angel Di Maria leads Benfica past Auckland City 6-0 in Club World Cup

**ORLANDO.** Ángel Di María and Leandro Barreiro each scored two goals Friday to help Benfica rout Auckland City 6-0 in a Club World Cup game that was delayed at halftime because of thunder and lightning.

Di María, who teamed with Lionel Messi to win the 2022 World Cup with Argentina, scored his first goal from the penalty spot deep into added time at the end of the first half. His second score, and the team's sixth, was again from the penalty spot and in added time at the end of the match.

Auckland City exchanged counterattacks with the Portuguese powerhouse in the first half of the Group C match, but was still outshot 18-1.The second half went Benfica's way. Vangelis Pavlidis made it 2-0 in the 53rd minute, Renato Sanches scored a short time later and Barreiro then scored a pair of goals to increase the lead to 5-0.

A thunderstorm delayed the start of the second half for more than two hours. When the match resumed at Inter&Co Stadium, the goals came pouring in for Benfica.

Auckland midfielder Tong Zhou went down with an apparent head injury just before halftime. Trainers attended to Zhou on the field, and Benfica defender Alvaro Carreras complained about the delay. He was given a yellow card after a spat with game officials.

**Takeaways**

With the win, Benfica has four points in Group C. Bayern Munich, which beat Auckland City 10-0 in its opening match, plays Boca Juniors later Friday in Miami Gardens, Florida.

**What they said**

"It was very good. We are happy to play here." — Benfica coach Bruno Lage.

"I'm a little bit frustrated. The first half was solid. It was just very disappointing to concede a goal. I think the guys are going to be a little bit disappointed in the scoreline." — Auckland coach Paul Posa.

## Flamengo scores 3 second-half goals to stun Chelsea 3-1 at the Club World Cup

**PHILADELPHIA.** Danilo scored the go-ahead goal in the 65th minute and Flamengo scored three second-half goals to move atop its group at the Club World Cup with a 3-1 victory over Chelsea on Friday.

Coupled with Esperance's 1-0 win against LAFC in the later group match, Flamengo became the first team in the field to advance to the knockout round.Flamengo's win also kept South American teams undefeated at the Club World Cup in nine matches.

Pedro Neto gave Chelsea the early lead. The ball bounced off a Flamengo defender and Neto gained control, charging toward the goal before putting it away in the 13th minute.

Flamengo drew even in the 62nd on Bruno Henrique's goal on a tap-in in front of the goal. Moments later, the Brazilian giants took the lead off a corner with Danilo's goal.

Wallace Yan all but put the game out of reach for the Blues with a goal in the 83rd.

The Blues, the 2021 Club World Cup winner, defeated LAFC 2-0 in their opening match in

Atlanta. Flamengo downed Esperance 2-0 in its opener.Former Chelsea defender Filipe Luís currently coaches Flamengo, while former Chelsea midfielder Jorginho made his debut for Flamengo against Esperance.

Down just 2-1, Chlsea still had a chance, but Nicolas Jackson was sent off in the 68th with a straight red just four minutes after replacing Liam Delap, who got his first start for Chelsea after making his debut for the Blues in the tournament opener.

**Takeaways**

The Blues currently sit below Flamengo in Group D and can still advance to the knockout round. The final matches will be played Tuesday with Chelsea facing Esperance in Philadelphia and Flamengo meeting LAFC in Orlando, Florida.

**What they said**

Henrique was named the Man of the Match, and said the face that there was a large contingent of red-clad Flamengo fans among the 54,019 at Lincoln Financial Field wasn't lost on him or his teammates in the pivotal second half.

"I noticed that we had the advantage. We had the fans on our side," Henrique said. "And that's when we started to pressure."

# No 90m this time but Neeraj Chopra beats Weber to win first Diamond League title in two years

**Chopra had won his last DL title in Lausanne in June 2023 with a throw of 87.66m. After that, he finished second in six DL meetings. This was his first win in the Paris leg of the prestigious series.**

**PARIS.** Olympic medal-winning Indian javelin throw superstar Neeraj Chopra clinched his first Diamond League title in two years, upstaging German rival Julian Weber without having to hit the 90m mark in a strong field here.The 27-year-old Chopra won the title late on Friday night with his first round throw of 88.16m in a star-studded field, which featured five from the coveted 90m club.His second throw measured 85.10m and he then fouled his next three attempts before recording 82.89m in his sixth and final effort.Weber was second with his opening throw of 87.88m, while Luiz Mauricio Da Silva of Brazil was third with his third round attempt of 86.62m."I am happy with my throw....My run-up was really fast today. I can't control my speed, but I'm happy with the result and with the first position," the Haryana-lad, who has a gold and silver in back-to-back Olympics, told the broadcaster.Chopra had won his last DL title in Lausanne in June 2023 with a throw of 87.66m. After that, he finished second in six DL meetings. This was his first win in the Paris leg of the prestigious series.He last competed in the Paris DL in 2017 as a junior world champion and finished fifth with a throw of 84.67m."I will compete in Ostrava (Golden Spike athletic meet) after four days on the 24th of June. So I need some recovery," he said of his upcoming schedule which also includes the inaugural Neeraj Chopra Classic in Bengaluru on July 5 -- a World Athletics

category A event which he is hosting.Chopra had breached the 90m mark in the Doha leg of the Diamond League on May 16 with a throw of 90.23m for a second place finish.Weber had won the title in Doha with his last roundthrow of 91.06m."I'm hoping for some 90 metre throws becuse I broke that barrier in Doha. So now I believe I can do it some more... But let's see, it depends on weather and good conditions, how the body feels, but maybe I will throw far in this season," he said.The 31-year-old Weber had also beaten Chopra at the Janusz Kusocinski Memorial meet on May 23 in Poland where both performed below their best under chilly and overcast conditions. Weber had produced 86.12m while Chopra could only come up 84.14m to finish second.The Indian began the 2025 season with a title in an invitational meet at Potchefstroom, South Africa, which was a minor (category F) event with a throw of 84.52m.In Paris, the three others, apart from Chopra and Weber, who had previously hit the 90m mark were Kenya's 2015 world champion Julius Yego, Trinidad and Tobago's 2012 Olympics gold-winner Keshorn Walcott and Grenada's Anderson Peters.While Walcott (81.66m) finished fourth, Peters (80.29m) and Yego (80.26m) took the fifth and sixth spot respectively on Friday.

# Manushi Chhillar

## SLAMS Troll 'Belittling' Miss World Aspirant's Crown Tattoo

Former Miss World Manushi Chhillar silenced a social media user for demeaning a Miss World aspirant's tattoo. It so happened that an Instagram user posted a video from Manushi's crowning, manifesting her desire to bag the title by inking it on her hand. The video, which went viral in no time, caught Manushi's attention. She defended the aspirant from a netizen who dropped a demeaning comment on the post.

The Miss World aspirant, who goes by the name Aryanshi on Instagram, posted a video of a tattoo with a crown and 'MW' inked on her arms. A troll took to the comment section and wrote, "I had to re-watch the video 3-4 times to grasp that THIS girl is aspiring to become a Miss World… Well, then I can become the sun or the moon too", following by laughter emojis. The contestant, too, replied saying, "OMG! You're right. But I'll get there faster. Just wait & watch".

However, the negativity did not go unanswered. Miss World Manushi Chhillar came to the contestant's defence with a powerful response. Replying to the troll's post, she wrote, "And that would be better than spending your time belittling someone else". The troll, too, corrected herself and responded, saying, "Ma'am with due respect, I know people say don't judge anyone by their looks, but on a platform like Miss India or Miss World, beauty is EQUALLY important.. one has to be beautiful as well in addition to all other qualities.. if she was aspiring to be someone where beauty is not a criteria to be judged, I won't have said so, but look at you, you ARE beautiful.. period!" Take a look at the video and then the comment:The Maalik actor's comment drew praise from netizens who admired her for taking a strong stand and transforming a hurtful moment into one of support and encouragement. Her response sent a clear message about self-belief and the significance of empowering one another — a core value represented by the Miss World platform.

**When did Manushi Chhillar earn Miss World title?**

Manushi Chhillar made India proud by winning the Miss World 2017 title, bringing the crown home after 17 years since Priyanka Chopra's win in 2000. She now is establishing a career in the Hindi film industry, after debuting with Akshay Kumar's Samrat Prithviraj in 2022.

## Bipasha Basu's Daughter Devi Wants To Be A Scientist? Actress Thinks So

Bipasha Basu is joyfully embracing every bit of motherhood with her little munchkin, Devi, and this shines brightly in her social media posts. The actress, who shares the little one with husband and actor Karan Singh Grover, loves sharing snippets of their daughter's cute antics and adorable moments on Instagram. Her latest post is no different. Giving another glimpse of her cherished moment, the Dhoom actress recently shared an utterly cute video of her daughter with her fans.The clip showed the munchkin, who is undoubtedly a social media darling, dressed in a charming yellow top and black pants with beautifully styled hair. In the video, she was captured playing with the bubble machine. The amazement and joy on the little one's face as the bubble bursts is palpable in the video.

And this seems to give Bipasha an idea of what she might be interested in doing as she grows up. Sharing this thought, she penned, "Now Devi wants to be a scientist and do experiments."

Bipasha Basu and Karan Singh Grover met on the sets of their horror movie Alone in 2015. After dating for some time, the couple tied the wedding knot in a Bengali wedding ceremony on April 30, 2016. Six years later, they embraced parenthood as they welcomed their daughter, Devi, in November 2022.

Speaking about her professional life, Bipasha has been away from the acting career for quite some time. The actress last appeared in the 2020 crime thriller miniseries Dangerous. Premiered on the OTT platform MX Player, the Bhushan Patel show also starred Karan Singh Grover, Sonali Raut, and Suyyash Rai in key roles. As for her last film appearance, she worked in the horror film Alone. In the 2015 film, she played a dual role.Talking about her comeback in the showbiz world, she told ETimes, "I went against the tide always. And it's always worked for me. So, I do believe that you have to live your life.

## On Jasmine Bhasin's The Traitors Promo, Beau Aly Goni Dropped A Queen Emoji

Jasmine Bhasin recently shared an exciting teaser of the upcoming episode from The Traitors, adding to the growing anticipation among fans of the reality series. In the teaser, Jasmine is seen looking absolutely stunning in a vibrant yellow outfit that features a flattering sweetheart neckline. Her look is completed with striking dangling earrings that enhance her glamorous yet sophisticated appearance. Right at the start of the video, Jasmine makes a strong statement, saying, "I can never be a traitor, not even to people who have been traitors to me." Her words instantly spark curiosity about what's to come in the show.

As the teaser progresses, Jasmine is seen nominating Sufi Motiwala, leaving viewers wondering about the context and the reasoning behind her choice. The suspense builds as nothing more is revealed, making it clear that fans will have to tune in to the next episode to uncover the full story. The air of mystery around the nomination adds to the show's gripping narrative, keeping audiences hooked.

In an earlier video posted by Jasmine, the popular television actress appeared visibly emotional as she addressed the accusations of being a traitor.

With tears in her eyes and a voice filled with genuine emotion, Jasmine seemed to pour her heart out, trying to convince both viewers and her fellow contestants of her loyalty. At first glance, her raw honesty and vulnerability seem convincing. However, just as you feel assured of her innocence, the video takes an unexpected turn. As the camera subtly pans downward and Jasmine assumes she's no longer being recorded, a twist unfolds, hinting that there's more to the story than meets the eye.

The Traitors, hosted by Karan Johar, features a vibrant mix of personalities from various fields. The show brings together names like Karan Kundrra, Raftaar, Uorfi Javed, Raj Kundra, Jannat Zubair and many more, exploring themes of trust, betrayal and strategy.

Produced by BBC Studios India Productions, this gripping reality series streams on Prime Video, having premiered on June 12. New episodes continue to drop every Thursday at 8 PM, keeping viewers eagerly waiting for the next big reveal.

# Sonam Kapoor

## Anand Ahuja Jet Off In Style For The Weekend

Sonam Kapoor and her husband, Anand Ahuja, are one of Bollywood's power couples. Since their wedding in 2018, they have consistently flaunted their deep love for one another in public. The duo recently gave us some major fashion goals as they walked inside the airport holding hands and looking classy. While the actress experimented with her appearance, Anand opted for a dapper look.

Sonam Kapoor wore a grey patterned suit. She donned a blazer that matched her skirt as well as her buttoned shirt. She finished the ensemble with black boots. The actress kept her jewellery minimal, opting for only gold earrings. She went for a simple makeup look, and her hair was pulled back into a neat bun. Lastly, she carried a black purse. Anand Ahuja chose to compliment his wife by wearing classic casual black attire. Ahuja wore a black jacket with a tee. He paired black trousers with grey trainers to complete his appearance.

Some days back, Anand Ahuja, posted a heartfelt note on social media for Sonam Kapoor's birthday. He shared an amazing family photo from the intimate birthday party, which included their son Vayu. He accompanied it with a touching poem and affectionately addressed Sonam as his "baby."

The photo shows a poignant moment in which tiny Vayu is seen feeding cake to his mother while Anand looks on, totally engaged in his fatherly duties. Anand and Sonam both chose to dress in matching black on the special day. He wrote in the caption, "'Spend each day trying to be a little wiser than you were when you woke up. Day by day, and at the end of the day. You will get out of life what you deserve.' Everyday Phenomenal, to my baby who is always, with every day, more giving, more thoughtful, more caring. You deserve all the blessings. It's impossible to express the volume of my love for you! Love you, Sonam Kapoor."Sonam Kapoor and Anand Ahuja married in May 2018, after two years of dating. The couple had their first child, Vayu, in August 2022.